पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505 दिनांक 29/04/2002
पोस्ट पंजीयन क्र. 536

माहेश्वरी महिला

नये प्रारंभ

जनवरी 2024
मूल्य : बीस रुपए

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

नववर्ष 2024 की हार्दिक शुभकामनाएं

सौ. गीता मूंदड़ा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्रीमती सुशीला काबरा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

सौ. डॉ. नम्रता बियाणी
राष्ट्रीय समिति प्रभारी

सौ. ललिता मालपानी
राष्ट्रीय ट्रस्ट अध्यक्ष

सौ. वीणा सोमानी
राष्ट्रीय कार्यसमिति

सौ. उषा सोडानी
प्रदेश अध्यक्ष

सौ. शोभा माहेश्वरी
प्रदेश सचिव

सौ. शांता मंत्री
आंचलिक सहप्रभारी

सौ. रंजना परवाल
आंचलिक सहप्रभारी

सौ. उर्मिला झंवर
माहेश्वरी महिला पत्रिका सचिव

सौ. रमा सारड़ा

सौ. निर्मला बाहेती

सौ. अरुणा बाहेती

सौ. किरण लखोटिया

सौ. सरोज सोनी

सौ. डिंपल माहेश्वरी

सौ. माया झंवर

सौ.रत्ना जाखेटिया

सौ. पुष्पा मोलासरिया

सौ. मनीषा राठी

सौ.फाल्गुनी बियानी

सौ. राजकुमारी ईनानी

सौ. मंजू शारदा

सौ. मनीषा लाठी

सौ. किरण माहेश्वरी

सौ. भारती माहेश्वरी

सौ. सीमा माहेश्वरी

सौ. अर्चना सोमानी

सौ. प्रीति मालपानी

सौ.दीप्ति भूतड़ा

सौ. रेणुका तोतला

सौ. उमा राठी

सौ. वंदना मालानी

सौ. कुमुद बियानी

सौ. अंजू मूंदड़ा

सौ. नेहा माहेश्वरी

माहेश्वरी महिला
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र
* प्रकाशक *
माहेश्वरी महिला समिति
22/15, यशवंत निवास रोड, इन्दौर
मो.: 9329211011
maheshwarimahilaind@gmail.com

अध्यक्ष
श्रीमती मनोरमा लड्ढा
उपाध्यक्ष
श्रीमती विमलादेवी साबू
सचिव
श्रीमती लता लाहोटी
संयुक्त सचिव
श्रीमती शोभा सादानी
सदस्य
श्रीमती सुशीला काबरा इन्दौर
श्रीमती गीतादेवी मूंदड़ा इन्दौर
श्रीमती रत्नीदेवी काबरा मुंबई
श्रीमती कल्पना गगरानी मुंबई
डॉ. श्रीमती तारा माहेश्वरी अकोला
संपादक मण्डल
संरक्षक-सौ.लता लाहोटी
संपादक-श्रीमती सुशीला काबरा
सह-संपादक-प्रो. कल्पना गगरानी
अध्यक्ष-सौ. शैला कलंत्री, येवला
उपाध्यक्ष-सौ. विनीता लाहोटी, कोटा
सचिव-सौ. उर्मिला झंवर, इन्दौर
सदस्य-सौ. कविता दीवान, मथुरा
सदस्य-सौ. रमा साबू, इन्दौर

संपादकीय

अंग्रेजी नववर्ष एवं मकर संक्रांति की बधाई

''कौशलेन्द्रम्'' राजा राम का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव बड़े उत्साह व जोश से सम्पन्न

500 वर्षों से था जिसका इंतजार, लो घड़ी वो आ गई

दीपोत्सव से हुआ रामलला का स्वागत, सत्कार सभी को बहुत-बहुत बधाई।

हम सब बड़े सौभाग्यशाली हैं, जो इस पीढ़ी को रामलला को अपने नवीन गर्भगृह में प्रतिष्ठित होते देखने का सुअवसर प्राप्त हुआ, अतः हम सबने भी अपने अपने घरों में संध्या समय दीप जलाकर, घरों को सजाकर, श्रद्धाभाव से राजा राम का स्वागत किया।

यह भी एक सुखद संयोग है, यह त्रयोदश सत्र भी पूर्ण राममय है एवं राजा राम को समर्पित है। उन्हीं के आदर्शों पर आधारित है। हाल ही में सांची में सम्पन्न राष्ट्रीय कार्यसमिति व कार्यकारी मंडल की बैठक का नामकरण भी ''कौशलेन्द्रम्'' था, जिसके यों तो कई अर्थ हो सकते हैं, यहाँ द्विअर्थी था ''कौशल नरेश अर्थात् मर्यादा पुरुषोत्तम राम एवं दूसरा विभिन्न कला, कौशल व हुनर का प्रदर्शन।''

बड़े हर्ष व गर्व की बात है कि ''कौशलेन्द्रम्'' कार्यक्रम में सभी बहनों ने विभिन्न विधाओं में अपनी-अपनी कला व कौशल से सभी को मुग्ध कर दिया। ''काव्य कौशल'' ने तो सबको अभिभूत कर दिया, सब निःशब्द थे। इस अविस्मरणीय कार्यक्रम को अविचल, अपलक निहारते रहे। 'राम-सेतु' के माध्यम से सामाजिक व पारिवारिक समस्याओं पर चिंतन, मनन व मंथन कर उनके समाधान की प्रस्तुति ने सबको आश्चर्यचकित कर दिया। कुछ बातें कहने से उतनी प्रभावशाली नहीं होती है, जितनी प्रत्यक्ष दर्शन से। अतः ''लक्ष्मण रेखा'' कार्यक्रम के माध्यम से आधुनिक समस्या ''साईबर क्राइम'' से नाटिका के मंचन से सबको सचेत व जागरुक किया गया। वहीं दूसरी ओर ''कौशलेन्द्र-रम्यम्'' सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से रामलला की जन्म से लेकर राज्याभिषेक तक की समस्त लीलाएँ, घटनाएं व उनके आदर्श प्रत्यक्ष नृत्य नाटिका के रूप में प्रदर्शित किये गये, जिससे सबके दिल व दिमाग दोनों पर त्वरित प्रभाव पड़े। सभी को विदित है रामायण जीवन जीने की कला सिखाती है-मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने माता-पिता की आज्ञा पालन के साथ-साथ बड़ों का सम्मान, परस्पर भ्राता प्रेम, त्याग, समर्पण की भावना, ऋषि-मुनि की रक्षा करना, जातिभेद-भाव से परे होकर

शबरी के झूठे बेर खाना केवट से पाद प्रक्षालन करवाना, सभी संदेशात्मक दृश्यों का मनोहारी प्रस्तुतिकरण ने सबको आदि ने आश्चर्यचकित व मंत्र मुग्ध कर दिया व मार्गदर्शन भी दिया।

''शक्ति-वंदनम्'' में बड़ी उम्र में भी विशेष क्षेत्रों में ख्याति प्राप्त बहनों का अभिनंदन करके अन्य बहनों को भी प्रेरित व प्रोत्साहित किया कि मन में जोश-जुनून हो तो उम्र कभी भी बाधक नहीं होती। आत्मविश्वास जरूर होना चाहिये। ''अब तो उम्र हो गई, अब क्या'' वाला जुमला छोड़ें एवं उम्र के इस पड़ाव पर भी अपने शौक पूरे कर सकते हैं।

हमारे सभी त्यौहारों के पीछे कोई न कोई उद्देश्य या महत्व जरूर निहित है। अतः मकर संक्रांति पर्व उत्साह व उमंग से मनाएं। पतंग उड़ाएं एवं उस दिन की सूर्य की ऊर्जा ग्रहण करें जो वर्षभर ऊर्जा प्रदान करेगी। तिल-गुड़ खायें, संबंधों में मिठास बनाये रखें व स्वास्थ्यवर्धन भी करें। साथ ही 19 जनवरी को पर्व एवं संस्कृति समिति द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम से भी लाभान्वित होवें।

पुनः सभी को बधाई.. 22 जनवरी 2024 को प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दिन जब रामलला नवीन गर्भगृह में विराजित हुए। सब लोगों ने सामूहिक भजन-कीर्तन, जप-पाठ इत्यादि किये एवं घर पर दीप जलाएं, दीपोत्सव मनाएं एवं प्रभु का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह सामूहिक रूप से उत्साहपूर्वक मनाया। धन्यवाद

सुशीला काबरा, इंदौर
संपादिका-माहेश्वरी महिला पत्रिका

अपनी बात

दुनियादारी समझदारी

मर्यादा पुरुषोत्तमदास
पहुंचेंगे मंदिर में/पहुंचाये जीवन मंदिर में
राम वो नाम हैं,
जो दिखाने जीवन राह है।
राह सही होगी, तो मंजिल तक पहुंचेगी।
मंजिल पाना है सबकी चाह है,
तो राह की करो परवाह है
प्रतिष्ठा होगी आपकी आपो आप।
दया थी राम के मन में,
परिवार प्रेम था जीवन में,
सरलता थी व्यवहार,
संतुष्टि थी हर आस में,
मित्र भाव से मिलते थे,
शबरी घर भी दिखते थे,
नेतृत्व गुण सहज सारे थे,
साथियों से ही काज कराते थे,
मर्यादा न छोड़ी किसी भी काज में,
जीवन, घर, परिवार, राज में
हर मन में बसते हैं इसलिये राम
'कल्पना' कहे ऐसी बनाओ अपनी पहचान
जय श्रीराम

कल्पना गगडानी, सह संपादक

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन
(त्रयोदश सत्र 2023-25)
* राष्ट्रीय अध्यक्ष *
सौ. मंजु बांगड़, कानपुर
*
* राष्ट्रीय महामंत्री *
सौ. ज्योति राठी, रायपुर
*
* राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष *
सौ. किरण लढ़ा, दिल्ली
*
* राष्ट्रीय संगठन मंत्री *
सौ. ममता मोदानी, भीलवाड़ा
*
* रा. निवृत्तमान अध्यक्ष *
सौ. आशा माहेश्वरी,कोटा
*
* आंचलिक उपाध्यक्ष *
सौ. मंजु मानधना, नई दिल्ली
उत्तरांचल
सौ. अनुसूइया मालू,कोल्हापुर
दक्षिणांचल
सौ. उर्मिला कलंत्री, अहमदाबाद
मध्यांचल
सौ. गिरिजा सारड़ा, विराटनगर
पूर्वांचल
सौ. मधु बाहेती, कोटा
पश्चिमांचल
*
* आंचलिक संयुक्त मंत्री *
सौ. मंजु हुरकट, मेरठ
उत्तरांचल
श्रीमती रेणु सारड़ा, हैद्राबाद
दक्षिणांचल
सौ. अनिता जावंधिया, बनखेड़ी
मध्यांचल
सौ. निशा लढ़ा, कोलकाता
पूर्वांचल
सौ. शिखा भदादा, भीलवाड़ा
पश्चिमांचल
*
* कार्यालय मंत्री *
सौ. प्रीति तोषनीवाल (कानपुर)

अध्यक्षीय

जिस पल का इंतजार था अब वह घड़ी आई है

सस्नेही बहनों....जय उमा महेश

प्रभु श्री राम के आशीर्वाद से शुरू होने वाले अंग्रेजी वर्ष 2024 की अशेष मंगल कामनाएं। परम आराध्य से प्रार्थना कि यह नूतन वर्ष सबके जीवन में सुख समृद्धि संपन्नता सफलता और आरोग्यता का संचार करें।

पितृ आज्ञा को कर्म मानकर जो वनवास है जाते।
हर पशु पक्षी और जीव को अपने हृदय में बसाते।
संताप लाख सहकर जीवन में, सदा प्रसन्न रहे जो
बस वही है जो इस जग में हमारे, श्री राम कहलाते।

संपूर्ण सृष्टि सद्भाव व सहयोग की भावना से प्रदीप्त हो। हमारा महिला संगठन भी एकजुटता से सत्कार्यों को साकार करते हुए परोपकार की भावना से समाज सेवा में प्रवृत हो। इसी मधुर आकांक्षा के साथ आगामी 22 जनवरी के शुभ दिन की हार्दिक बधाई भी प्रेषित करती हूं जब भारत वर्ष में एक नए युग का, एक नए इतिहास का सूत्रपात हो रहा है। 500 वर्षों के लंबे संघर्ष तथा इंतजार के बाद अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर के भव्य गर्भ गृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का सुंदर योग बन रहा है और हमारी पीढ़ी को इस स्वर्णिम पल का साक्षी बनने का अनुपम सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। इस सुखद संयोग पर हमारे समाज के स्वजनों विशेष रूप से परम श्रद्धेय श्री राम कोठारी, श्री शरद कोठारी, श्री अविनाश माहेश्वरी द्वारा दिया गया आत्म बलिदान भी मानो सार्थक हो रहा है। हर्षोल्लास की ऊर्जा से परिपूर्ण इस मंजुल बेला में राष्ट्रीय युवा संगठन के साथ राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा सभी समाज जनों से आग्रह है की कोठारी बंधुओ के प्राणों के उत्सर्ग के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए इस लोकार्पण उत्सव समारोह में सहपरिवार जुड़े। रामायण, सुंदरकांड, हनुमान चालीसा, राम रक्षा स्त्रोत के सामूहिक पाठ के साथ धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करें। रामार्चन, भव्य शोभा यात्रा, केसरिया ध्वजारोहण, पौधारोपण जरूरतमंदों को भोजन, भंडारा, प्रसाद वितरण, श्री राम के जीवन पर सास्कृतिक प्रदर्शन, घर-घर राम ज्योति के रूप में दीपक प्रज्वलित कर दीपोत्सव मनाए। सामाजिक गरिमानुसार श्रृंखलाबद्ध संगठन के तहत उक्त विभिन्न कार्यक्रमों की संयोजना कर इस अप्रतिम मंगल बेला को सार्थक करें।

जिस पल का इंतजार था अब वह घड़ी आई है
राम मंदिर के निर्माण की आप सभी को कोटि कोटि बधाई है।

अ.भा. माहे. म.स. की बैठक **'कौशलेंद्रम् 2023'** मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक नगरी सांची में पूर्वी मध्य प्रदेश के आतिथ्य में 19- 20- 21 दिसंबर को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इसके लिए स्वागताध्यक्ष एवं मध्यांचल संयुक्त मंत्री श्रीमती अनीता राजेशजी जावंधिया के अथक प्रयासों की शब्दों में जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है जिन्होंने तन, मन, धन से भव्यता पूर्वक बैठक को साकार किया। प्रकल्प प्रदर्शक के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला जी काबरा एवं स्वागत मंत्री प्राचीजी मूंदड़ा के साथ पूर्वी मध्य प्रदेश की कर्मठ अध्यक्ष रंजना गोपालकृष्ण जी बाहेती, कार्य समिति शोभा सुरेश जी लाहोटी, प्रदेश मंत्री राजश्री जी राठी, मनीषा जी लड्ढा, सुनीता जी

नागौरी, रेनूजी हरकुट एवं उनकी टीम, प्रदेश की पूर्व अध्यक्ष बहने , प्रत्येक कार्यकर्ता व समाज बंधुओ को सुंदर संयोजना हेतु हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन। ''कौशलेंद्रम्'' अर्थात कौशल का अधिपति– कौशल्या नंदन प्रभु श्री राम के भावार्थ के साथ हुनर का अधिष्ठाता, निपुणता, ध्येय गति और साहस से किए गए उद्देश्य पूर्ण कार्य की व्याख्या करता है जो टीमवर्क के रूप में संगठन की शक्ति को प्रोत्साहित करता है। इसे आत्मसात करते ही दृष्टि और वृत्ति दोनों बदल जाती है।

जिसमें कौशल होगा वही कुशल होगा,
जिसमें हौसला होगा वही सफल होगा।

''कौशलेंद्रम्'' एकल नहीं बल्कि कई अलग अलग कौशलों का संयोजन था जिसमें विभिन्न समितियां के माध्यम से बहु उपयोगी शिक्षाप्रद कार्यक्रमों से सामाजिक जागरूकता का आह्वान किया गया। संगठित शक्ति की महत्ता को चरितार्थ करते हुए संगठन ने **संस्कारसिद्धा समिति** द्वारा गीता परिवार के सानिध्य में संपूर्ण भारतवर्ष में नेपाल में 1212 विद्यालयों में 15 दिन योग सोपान का विशाल राष्ट्रीय आयोजन कर दूसरा स्वर्णिम विश्व कीर्तिमान बनाया है और अब तक 14 गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड संगठन के नाम दर्ज हो चुके हैं, जिसके लिए समिति प्रभारी अंजलि जी तापड़िया, प्रदर्शक अनसूया जी मालू, पांचो अंचल के सह प्रभारी को हार्दिक बधाई। **संचारसिद्धा समिति** की प्रभारी भाग्यश्री जी चांडक, प्रदर्शक उर्मिला जी कलंत्री एवं उनकी टीम द्वारा लक्ष्मण रेखा कार्यक्रम में नाटिका प्रस्तुति द्वारा साइबर क्राइम से सतर्कता एवं बचाव हेतु समाज को जागरूक करने का अभिनव प्रयास था। चलचित्र की भांति एक मनोरंजक फिल्म को देखने सा उत्तम प्रयास था जिसका सभी ने लाभ उठाया। **ज्ञानसिद्धा समिति** की राष्ट्रीय समिति प्रभारी डॉ अनुराधा जी जाजू की सुदूर सोच, उत्कृष्ट विचारों के साथ नवीन पटल पर कविताओं की अनूठी अंताक्षरी के रूप में काव्य कौशल प्रतियोगिता का आयोजन सभी के मन भाया जिसको समिति प्रदर्शक मंजू जी मानधना, आंचलिक सह प्रभारी एवं उनकी टीम ने दर्शाई। **युगलसिद्धा समिति** की कौशल परिणय वर्धनम मध्यांचल स्तरीय प्रतियोगिता के अंतर्गत विवाह संबंधित समस्याओं को दर्शाते हुए उसका निराकरण बनाया जिसके लिए मध्यांचल पदाधिकारी, प्रदर्शक अनीता जी, समिति प्रभारी शर्मिला जी तथा उनकी टीम को साधुवाद। **रघुकुल रीत सिद्धा समिति** द्वारा राम सेतु प्रतियोगिता के अंतर्गत पारिवारिक समरसता बनाए रखने के लिए कई ज्वलंत विषयों पर पक्ष विपक्ष पद्धति में चिंतन मनन हुआ। समिति प्रभारी अर्चना जी काबरा प्रदर्शक शिखा जी भदादा एवं टीम के साथ आंचलिक सह प्रभारी श्रद्धा जी गट्टानी द्वारा प्रदेश अध्यक्षों से विषय अनुरूप प्रश्न पूछना कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र रहा। समाज के अग्रणीय बंधुओं का सानिध्य मिला जिसके लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सभी को हार्दिक साधुवाद ।

श्रद्धा ज्ञान देती है, नम्रता मान देती है
योग्यता एवं प्रतिभा स्थान देती है
सब मिल जाए तो सम्मान देती है।

ऐसी ही प्रकाश पुंज ,युवा व प्रबुद्ध चार बहनों को शक्ति वंदनम् सम्मान से विभूषित कर संगठन व समाज की बहनों को न केवल एक नई दिशा दी बल्कि उनके श्रेष्ठ व्यक्तित्व के अनुकरण की प्रेरणा भी दी। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने हेतु प्रदेश स्तर पर **कौशल आवरण मेले** का आयोजन पूर्णतः सफल रहा। समस्त आंचलिक पदाधिकारी सभी समिति प्रभारी व आंचलिक सह प्रभारी, नेपाल सहित संपूर्ण प्रदेशों से पधारी कार्य समिति व कार्यकारिणी बहनें, महिला सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारी, सदस्य, प्रतिभागी बहनें आप सब की ऐतिहासिक उपस्थिति ने ही कार्यक्रम को सफल एवं भव्य बनाया। टेक्निकल टीम से अमृता सारडा विशेष बधाई की पात्र है जिनकी टेक्निकल शैली ने सभी को लुभाया। अंत में बस यही कहूंगी की समय के प्रवाह के साथ चल रहे त्रयोदश राममय सत्र में सामाजिक श्रेष्ठता, नैतिकता, मर्यादा, परमार्थ और वसुधैव कुटुंबकम के जो मुकाम संगठन यात्रा पर अब तक स्थापित किये उसको वरीयता देते हुए प्रभु श्री राम को अपना रोल मॉडल बनाएं। उनकी सीख को आधार बनाकर अपनी क्षमता को पहचाने। संगठन के उद्देश्यों को फलीभूत करते हुए जरूरतमंदों की सहायता कर संगठित शक्ति से राष्ट्र सेवा, समाज सेवा में अपना श्रेष्ठतम मुकाम बनाएं।

तप में तपे स्वयं ही, स्वर्ण से गले सदा
राम ऐसा पथ है जिसपे राम ही चले सदा।

एक खुशखबरी– टेक्निकल समिति के प्रयास से संगठन के व्हाट्सएप चैनल का शुभारंभ हो चुका है जिससे ज्यादा से ज्यादा बहने जुड़े और अपडेट रहे।

मकर संक्रांति पर्व की आप सभी कौ राम–राम

मंजु बांगड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की बैठक सांची में

कौशलेंद्रम

19- 20- 21 दिसंबर को यूथोपिया रिसोर्ट में भव्यतापूर्वक संपन्न

मध्य प्रदेश ही नहीं भारतवर्ष की ऐतिहासिक भूमि बौद्ध स्थली सांची में पूर्वी मध्य प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन के ऐतिहासिक आयोजकत्व तथा आतिथ्य में ऐतिहासिक प्रथम राष्ट्रीय कार्यकारिणी तथा द्वितीय कार्य समिति बैठक कौशलेंद्रम् 2023 में ऐतिहासिक आयोजन व भव्यता तथा ऐतिहासिक उपस्थिति के मध्य त्रयोदश सत्र में ही दूसरे गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड संस्कृति सिद्धा समिति एवं गीता परिवार के सानिध्य में योग सोपान प्रकल्प के माध्यम से अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन ने अब तक कुल 14 स्वर्णिम कीर्तिमान बनाकर एक नया इतिहास रचा जिसके लिए सभी को हार्दिक बधाई।

19 दिसम्बर को सुबह 11 बजे अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ एवं सभी पदाधिकारियों के साथ आरंभ है प्रचंड सुंदर गीत का उद्घोष करते हुए आयोजक संस्था पूर्वी मध्य प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अनूठी शैली में यूथोपिया रिसोर्ट के कार्यक्रम स्थल में सभी का शुभागमन कराया। भगवान उमा महेश के पूजन के साथ ही राष्ट्रीय महिला संगठन की प्रथम कार्यकारिणी और द्वितीय कार्य समिति बैठक का शुभारंभ हुआ।

आयोजक संस्था पूर्वी मध्य प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रंजना जी बाहेती एवं प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा मंचासीन सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। सभागार में उपस्थित सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व दसों राष्ट्रीय समिति प्रभारी का भी आयोजक संस्था द्वारा सम्मान व स्वागत किया गया। संचालिका प्राची जी मुंधड़ा व निधि जी माहेश्वरी द्वारा सुंदर संचालन किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी द्वारा बैठक के कार्य को आगे बढ़ाते हुए सर्वप्रथम दिवंगत स्वजनों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु जी बांगड द्वारा सभी का शाब्दिक स्वागत करते हुए आयोजक संस्था के सुंदर आयोजन के लिए सर्वप्रथम अभिनंदन किया। प्रकल्प प्रदर्शक श्रीमती सुशीला जी काबरा, स्वागत अध्यक्ष व संयुक्त मंत्री मध्यांचल अनीता जी जावंदिया, प्रदेश अध्यक्ष रंजना जी बाहेती, सचिव राजश्री जी राठी, कार्य समिति शोभा जी लाहोटी, मनीषा जी लड्ढा एवं उनकी संपूर्ण टीम के शानदार प्रयासों की सराहना करते हुए त्रिदिवसीय कार्यक्रम की विशेषताओं के साथ सभागार के समक्ष संपूर्ण कार्यक्रम की जानकारी रखी। उन्होंने कहा कि समय के प्रवाह के साथ चल रहे त्रयोदश राममय सत्र में सामाजिक श्रेष्ठता, नैतिकता, मर्यादा,परमार्थ और वसुधैव कुटुंबकम के जो मुकाम संगठन यात्रा पर अब तक स्थापित किए गए वह निश्चय ही टीमवर्क के रूप में संगठन के इतिहास में एक और प्रगति का सोपान बन सफलता की कहानी गढ़ रहे हैं। नित नये कार्यों द्वारा संगठन की पहचान को विस्तृत कर रहा है। कौशलेंद्रम् अर्थात कुशलतापूर्वक नैतिक आध्यात्मिक व मानवीय मूल्यों

को स्थापित करना। यह दिव्य गुण ही मानव का अनुपम श्रंगार है। इसकी अनुभूति मे ही जीवन का सच्चा सार है । इसे आत्मसात करते ही दृष्टि और वृत्ति दोनों ही बदल जाती है जो देश और समाज की उन्नति में सहायक बनती है।

जिसमें कौशल होगा वही कुशल होगा

कार्यकारिणी बैठके संगठन की महत्वपूर्ण विधा है। इन बैठकों में हमारे विचारों का परस्पर तालमेल होता है एक दूसरे की प्रतिभा को जानने का अवसर मिलता है जो टीमवर्क के रूप में संगठन की शक्ति को प्रोत्साहित करता है। भावी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया संजीवनसिद्धा समिति के माध्यम से नेत्रम आंखों पर वर्चुअल कार्यशाला, संगमनेर में संस्कारसिद्धा समिति के द्वारा सिद्धि सृजन किशोरियों हेतु संस्कार शिविर का आयोजन, मकर संक्रांति पर संकल्पसिद्धा समिति के द्वारा दिव्यांगों हेतु सेवा प्रकल्प नर नारायण सेवा आगामी 19 जनवरी2024 को संस्कृति सिद्धा समिति द्वारा अयोध्या में नव निर्मित राम मंदिर के गर्भ गृह में रामलला की स्थापना के उपलक्ष में ''एक शाम प्रभु श्री राम के नाम'' वर्चुअल सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सभी की सहभागिता परिवार जनों सहित अपेक्षित है जो कार्यक्रम की सफलता में चार चांद लगाएगी।

महामंत्री ज्योति जी राठी द्वारा गत बैठक की कार्यवाही की सभागार से सहमति प्राप्त की। संगठन की बहनों के समक्ष अपनी विचारधारा रखी व कहा कि तन, मन,धन व समय देकर हम यह वृहद आयोजन करते हैं वह केवल यहां तक सीमित ना रहे बल्कि यहां से आत्मसात करके सीख कर और प्रेरणा लेकर जाए अपने–अपने संगठनों में इसे ग्रास रूट तक करवाये। तभी सही अर्थों में ऐसे कार्यक्रमों की सार्थकता होगी।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किरण जी लड्ढा ने अप्रैल 2023 से अभी तक का संपूर्ण आय व्यय सभागार के समक्ष रखा। संगठन मंत्री ममता जी मोदानी द्वारा 27 प्रदेशों के संगठनों की जानकारी दी। निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी ने अपने वक्तव्य में प्रदेश के पदाधिकारियो को रिपोर्टिंग हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण तथ्यो से अवगत कराया।

माहेश्वरी महिला पत्रिका की संपादिका सुशीला जी काबरा द्वारा पत्रिका के विषय में विशेष जानकारी दी। राष्ट्रीय महिला सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष ललिता जी मालपानी ने ट्रस्ट संबंधित जानकारी सभागार को दी। राष्ट्रीय विधान समिति प्रमुख मंगल जी मरदा द्वारा राष्ट्रीय व प्रादेशिक संविधान संबंधित सभी आवश्यक विषयों पर प्रकाश डाला।

इसी अवसर पर दसों राष्ट्रीय समिति प्रभारी द्वारा आगामी समय में उनके द्वारा लिए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा रखी गई। सभी आंचलिक उपाध्यक्ष व संयुक्त मंत्री द्वारा अपने–अपने अचंल व प्रदेशों की अभी तक हुए कार्यों की रिपोर्ट पीपीटी द्वारा दी गई।

27 प्रदेशों के कार्यों के मूल्यांकन का परिणाम बताया गया। जिसमें कोहिनूर कैटेगरी में–विदर्भ,तमिल नाडु, मध्य राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिमी राजस्थान, महाराष्ट्र, दक्षिण राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, पश्चिम मध्य प्रदेश, व पूर्व राजस्थान रहा।

द्वितीय कैटिगरी शालीमार में पश्चिमी उत्तर प्रदेश, कोलकाता, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, हरियाणा पंजाब, बिहार झारखंड ,पूर्वोत्तर राजस्थान, असम व प्रदेश रहे।

तृतीय कैटिगरी सफायर में –पूर्वी उत्तर प्रदेश, नेपाल, गोवा , कर्नाटक, मुंबई, गुजरात रहे।

दोपहर 2:00 बजे कौशलावरण औद्योगिक मेले का उद्घाटन आदरणीय मां रत्नीदेवी काबरा, स्वयं सिद्धासमिति की आंचलिक सह प्रभारी मनीषा जी लड्ढा, राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़, महामंत्री ज्योति राठी व महासभा के समस्त पदाधिकारी द्वारा किया गया। जिसमें प्रदेश संयोजिका रेखाजी की विशेष भूमिका रही।

इसमें विशेष रूप से 12 महीने की सभी त्योहारों की सुंदर झांकियां दिखाई गई थी। मेले में विशेष रूप से गृह उद्योग करने वाली बहनों द्वारा स्टाल लगाए गए थे। आयोजक संस्था द्वारा 10 राष्ट्रीय समितियो की सुंदर झांकी बनाकर स्टाल लगाए गए थे जिसका श्री विपिन जी माहेश्वरी डी जीपी मध्य प्रदेश क्राइम ब्रांच तथा सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने अवलोकन किया व महासभा के सभापति श्री संदीप जी काबरा, महामंत्री अजय जी काबरा, युवा संगठन के अध्यक्ष श्री शरद जी सोनी द्वारा प्रशंसा भी की गई।

उद्घाटन समारोह

भव्य उद्घाटन समारोह प्रारंभ हुआ, अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से। आयोजक संस्था द्वारा की गई महेश वंदना व मधुर स्वागत गीत की प्रस्तुति ने सभी को आकर्षित किया। बहन सौ. प्रियंकाजी राठी द्वारा स्वरचित स्वागत गीत की सभी ने सराहना की।

आयोजक संस्था द्वारा मंचासीन सभी अतिथियों का स्वागत, स्वागत अध्यक्ष अनीता जी माहेश्वरी, स्वागत मंत्री प्राची जी मूंदड़ा, प्रदेश अध्यक्ष रंजना जी बाहेती व अन्य पदाधिकारी द्वारा किया गया। राष्ट्रीय महिला संगठन का सचिव प्रतिवेदन पीपीटी द्वारा दिखाया गया। जिसमें अभी तक किए गए कार्यों की बिंदुवार रिपोर्टिंग की गई थी इसको सभी ने खूब सराहा।

कार्यक्रम में उद्घाटनर्कता के रूप में उपस्थित श्री विपिन जी माहेश्वरी (डीजीपी मध्य प्रदेश स्पेशल क्राइम ब्रांच) ने अपने उद्बोधन में कहां महिलाएं परिवार की धुरी है। वह अपने बच्चों की पहली शिक्षक, और बेस्ट फ्रेंड है। वही सही अर्थ में अपने बच्चों को संस्कारित करती है। परिवार में आने वाली समस्याओं का निराकरण भी एक माँ ही करती है। उन्होंने कहा कि अनुशासन की महत्ता को समझते हुए अपने बच्चों को ऐसी शिक्षा दे कि वह दूसरी महिलाओं का सम्मान करें जिससे एक आदर्श नागरिक बन सके।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महासभा के सभापति जी श्रीमान संदीप जी काबरा ने कहा राष्ट्रीय महिला संगठन अपने श्रृंखलाबद्ध संगठन के तहत जो कार्य कर रही है वैसा देश भर में अन्य कोई संस्था नहीं करती है। उन्होंने यह भी कहा हम पदाधिकारी है, अतः हमें विचार करना चाहिए कि समाज की मूलभूत आवश्यकता क्या हैं? समाज को हमसे क्या अपेक्षाएं हैं? और हम क्या परिवर्तन कर सकते हैं। यहां से प्रत्येक सदस्य किसी उद्देश्य को, संकल्प को ,किसी अभियान को लेकर जाए और उसे घर–घर पहुंचाएं। जरूरतमंद बहनों को सहयोग प्रदान कर उन्हें स्वाभिमानी व स्वावलंबी बनाएं।

युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद जी सोनी ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए अयोध्या में राम जन्मभूमि आंदोलन में आहुति देने वाले माहेश्वरी समाज के कोठारी बंधुओं का स्मरण करते हुए 22 जनवरी 2024 को रामलला की मूर्ति की स्थापना के उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रमों को संयोजित करने का आवाहन महिला एवं युवा संगठन के संयुक्त तत्वाधान में विमोचित किया। महासभा के महामंत्री अजय जी काबरा व समाजसेवी राजेश जी जावंधिया सभी ने अपने उद्बोधन में महिला संगठन के कार्यों की प्रशंसा की।

मध्यांचल उपाध्यक्ष उर्मिला जी कलंत्री ने राष्ट्रीय महिला संगठन का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने हम पर विश्वास कर यह जिम्मेदारी सौंपी।

राष्ट्रीय महिला संगठन की अष्ट सिद्धा समिति द्वारा व्यक्तित्व विकास व कार्यकर्ता प्रशिक्षण पुस्तिका **''मानस मंथन''** का विमोचन समस्त अतिथियों द्वारा किया गया। सौ. नम्रता जी बियानी ने इसका संपूर्ण कार्य भार संभाला था।

अत्यधिक हर्ष व गर्व का विषय है कि उक्त अवसर पर राष्ट्रीय महिला संगठन को 14वां गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड मनीष जी विश्नोई एवं उद्घाटनकर्ता श्री विपिनजी माहेश्वरी के कर कमलों से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़, महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी, संस्कारसिद्धा समिति एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों को प्रदान किया गया। त्रयोदश सत्र मे यह दूसरा स्वर्णिम विश्व कीर्तिमान महिला संगठन के नाम दर्ज हुआ जिसके लिए संस्कार सिद्धां समिति द्वारा गीता परिवार के सानिध्य में संपूर्ण भारतवर्ष एवं नेपाल में 15 दिवसीय योग सोपान प्रकल्प के माध्यम से योग का कोर्स 2000 विद्यालयों में सिखाया गया। 1212 विद्यालयों के आयोजन से संबंधित फोटो फेसबुक पर अपलोड है अतः यह विशाल राष्ट्रीय आयोजन योग सोपान प्रकल्प के रूप में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ इस हेतु सभी को बधाई एवं साधुवाद।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ ने कहा सभी पदाधिकारी व समिति प्रभारी आंचलिक सह प्रभारी के सहयोग से आज यह स्वर्णिम अवसर पुनः महिला संगठन को मिला है। श्रृंखला बद्ध संगठन के तहत संपूर्ण कार्य सुचारू रूप से हो रहे हैं। उन्होंने कहां की धार्मिक व सांस्कृतिक धरोहर की प्रतीक सांची नगरी में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक सफलता

के संपूर्ण प्रतिमानों को स्थापित कर रही है। आयोजक संस्था के समस्त कार्यकर्ताओं के प्रयासों को नमन करती हूं जिन्होंने विनम्रता पूर्वक अपनी संपूर्ण टीम के साथ तन मन धन से भव्यता पूर्वक इसे साकार कर श्रेष्ठ कार्यकर्ता का एक अलौकिक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा यह कौशलेंद्रम् एकल नहीं बल्कि कई अलग-अलग कौशलों का संयोजन है जिसमें विभिन्न समितियो के माध्यम से ''लक्ष्मण रेखा'', ''काव्य कौशल'', ''राम सेतु'' चिंतन मनन प्रतियोगिता ,कौशल परिणय वर्धनम कार्यक्रमों की जानकारी दी।

''शक्ति वंदनम्'' सम्मान से नवाजा

राष्ट्रीय महिला संगठन की ओर से समाज की ऐसी चार विभूतियों को ''शक्ति वंदनम्'' सम्मान से सम्मानित किया गया जिन्होंने समाज व राष्ट्र के नाम को ऊंचा किया व अपने-अपने क्षेत्र में अतुलनीय कार्य किया।

1. कुमारी हिमांशी भावेश राठी, पालनपुर (एशियाई पैरा ओलंपिक 2023 चेस खेल स्पर्धा में दो कांस्य पदक विजेता) 2. श्रीमती प्रभा राकेश भैया नागपुर (दुबई में आयोजित तैराकी प्रतियोगिता मे चार स्वर्ण पदक विजेता) 3. डॉक्टर रुबीना राठी अलीगढ़ (उत्तराखंड त्रासदी तथा कोरोना वॉरियर के रूप में सक्षम भूमिका) 4. श्रीमती रचना मालपानी संगमनेर (प्रतिभावान तथा प्रसिद्ध समाजसेवी)। प.अ. सौ. गीताजी मूंदड़ा का 75वें जन्मदिवस पर उनका सम्मान कर बधाई दी गई। गीताजी मूंदड़ा द्वशारशा 5100 रु. की राशि संस्था को प्रदान की गई।

श्रीमान रमेशजी परतानी द्वारा मोटिवेशनल कार्यशाला ली गई। तत्पश्चात आयोजक संस्था द्वारा रामायण पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम ''कौशलेन्द्र रम्यम्'' की मनोहारी प्रस्तुति दी गई। राष्ट्रीय महिला संगठन की ओर से कलाकारों को 21000 रु. का पुरस्कार दिया गया।

सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे ममता जी मोदानी,किरण जी लड्ढा, शीला पलोड, निधि माहेश्वरी मधु छापरवाल। आयोजक प्रदेश के बच्चों से लेकर बड़ों तक प्रतिभागियों ने भाग लेकर इस कार्यक्रम को बृहद बनाया जिसके लिए सभी अत्यंत बधाई के पात्र हैं। सभी कार्यक्रमों में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आ.गीता जी मूंदड़ा, प्रिय शोभा जी सादानी, आ.सुशीला जी काबरा, प्रो. कल्पना जी गगरानी की विशेष रूप से उपस्थित रही। संपूर्ण भारतवर्ष एवं नेपाल सहित 550 से ऊपर नेतृत्वकर्ता, कार्यसमिति तथा कार्यकारिणी बहनों ने उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष-मंजु बांगड़ * रा. महामंत्री-ज्योति राठी

इथोपिया दिखा रहा था,
वास्तु का वैभव।
मीटिंग दिखा रही थी
संगठन का कौशल।
प्रतियोगिताएं दिखा रही थी,
हुनर का कौशल।
खानपान दिखा रहा था,
स्वाद का कौशल।
आयोजको में दिख रहा था,
उत्साह का कौशल।
जवाबदेही का कौशल।
अतिथय का कौशल,
सहजता का कौशल,
विनम्रता का कौशल।

कौशलेंद्रम था कौशल से भरपूर

कौशलेंद्रम की सफलता पर आप सभी को बधाई

कल्पना गगरानी, पूर्व अध्यक्ष

श्रीमती प्रभाजी भैया ने 75 वर्ष की आयु में तैराकी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीते स्वर्ण पदक

अविस्मरणीय, अद्वितीय, अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करने वाली शौर्य, साहस और मृदुलता, ममत्व, अपनत्व का मधुर मिश्रण श्रीमती प्रभाजी राकेशजी भैया, नागपुर का बारम्बार अभिनंदन ।

आपने 75 वर्ष की उम्र में दुबई जाकर 50 व 100 मीटर बैकस्ट्रोक तथा फ्री स्टाइल प्रतियोगिताओं में एक साथ 4 स्वर्ण पदक लेकर तिरंगा लहरा दिया । समाज गौरव प्रभाजी का अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन अभिनंदन करता है ।

हिमांशी राठी

हिमांशी राठी का जन्म 30 अक्टूबर 1999 को पालनपुर में हुआ था। जब वह 2.5 साल की थीं, तब उन्हें अपनी दृष्टि संबंधी बीमारी के बारे में पता चला। उनके लिए सभी प्रकार की दवाएँ निर्धारित की गईं और अंततः सभी ने वास्तविकता को स्वीकार कर लिया। उनके परिवार ने उन्हें एक सामान्य बच्चे की तरह ही सामान्य बच्चों के स्कूल में पढ़ाई करायी। इस दौरान उन्होंने भाषण प्रतियोगिता, पढ़ने-लिखने की प्रतियोगिता, एक पात्र अभिनय आदि में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्हें कक्षा 5 में अहमदाबाद अंध कन्या प्रकाश गृह स्कूल में रखा गया जहाँ उन्होंने शतरंज की शुरुआत की। वह 5 बार राज्य स्तर पर खेल महाकुंभ जीत चुकी हैं। 4 बार एआईसीएफबी राष्ट्रीय महिला शतरंज चैंपियन। 2018 में, वह जकार्ता इंडोनेशिया में पैरा एशियाई खेलों में 4 वें स्थान पर रहीं और 2022 में विश्व महिला शतरंज चैंपियनशिप में 14 वें स्थान पर रहीं। हाल ही में चीन में आयोजित पैरा एशियन गेम्स में 2 कांस्य पदक जीते। उनका सपना यूपीएससी क्लियर कर आईएएस ऑफिसर बनना है। हिमांशी की मां दीपाली राठी और पिता भावेश राठी ने हिमांशी के हर कदम में बहुत योगदान दिया है।

डॉक्टर रुबीना राठी अलीगढ़

डॉ रुबीना राठी (अलीगढ़) पोलियो ग्रस्त होते हुए भी सक्षम भूमिका निभाने वाली उत्तराखंड त्रासदी, कोरोना काल में कोरोना वॉरियर के रूप में मलाला पुरस्कार आदि विभिन्न पुरस्कारों से प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित।

श्रीमती रचना मालपानी संगमनेर

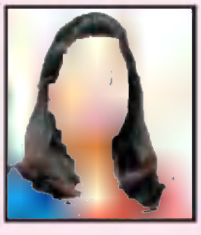

श्रीमती रचना मालपानी (संगमनेर) बहुमुखी प्रतिभावान तथा प्रसिद्ध समाजसेवी- सामाजिक क्षेत्र में अप्रतिम योगदान तथा उपलब्धियां विशेष रूप से ग्रामीण बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति समर्पित.. राजमाता जीजा पुरस्कार एवं संस्कृति दूत आदि विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित।

आप सभी विभूतियों को नमन व हार्दिक बधाई।

सर्वाधिक योग प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन कर अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन देश में महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं उत्थान के उद्देश्य से निरंतर कार्यरत हैं। संगठन द्वारा राष्ट्रीय एवं स्थानीय स्तर पर महिलाओं में नेतृत्व की शैली को विकसित करने हेतु लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम, आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता के विकास हेतु पर्सनालिटी डेवलपमेंट कार्यशाला जैसे अन्य कई प्रशिक्षण शिविरों का समय-समय आयोजन किया जाता हैं। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा महिलाओं के अलावा बच्चों के शारीरिक एवं बौद्धिक विकास हेतु निरंतर कार्य किया जाता रहता हैं। संगठन द्वारा समय-समय पर सामाजिक के साथ धार्मिक कार्य भी किए जाते हैं।

''फिट इंडिया ही हिट इंडिया है'' की विचारधारा रखते हुए अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की संस्कार सिद्धा समिति द्वारा एवं गीता परिवार के सानिध्य में योग प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। विश्व योग दिवस 21 जून 2023 से स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2023 तक अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु बांगड जी एवं श्रीमती अंजली तापडिया जी के मार्गदर्शन भारत एवं नेपाल के 1212 स्कूलों में योग सोपान कार्यक्रम के अंतर्गत योग प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षण शिविरों सम्पूर्ण आयोजन गीता परिवार के डॉ. संजय मालपानी जी के सानिध्य में संपन्न किया गया। एक ही समयावधि में सर्वाधिक स्कूलों में योग प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन किये जाने पर योग सोपान कार्यक्रम को गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकार्ड्स में Yoga Training Sessions Organized at Most Places के शीर्षक के साथ वर्ल्ड रिकॉर्ड के रूप में दर्ज किया गया। वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एशिया हेड डॉ. मनीष विश्नोई जी एवं प्रतिनिधि श्री मनोज कुमार शुक्ला जी द्वारा साँची मध्यप्रदेश में आयोजित अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन त्रयोदश सत्र की द्वितीय कार्यसमिति व प्रथम कार्यकारी सत्र की बैठक हेतु आयोजित कार्यक्रम कौशलेन्द्रम 2023 के दौरान मुख्य अतिथि श्री विपिन माहेश्वरी जी एवं सभापति श्री संदीप काबरा जी, विशेष अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री श्री अजय काबरा जी, उपसभापति मध्यांचल श्री विजय राठी जी, संयुक्त मंत्री मध्यांचल श्री दिनेश राठी जी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री अतुल माहेश्वरी जी, अ. भा. माहेश्वरी महिला संगठन के अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु बांगड जी को प्रदान किया। योग सोपान कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित योग प्रशिक्षण शिविरों के विषय में जानकारी देते हुए गीता परिवार की श्रीमती अंजलि तापड़िया जी ने बताया कि लगभग 1500 योग प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण विश्व योग दिवस से एक माह पूर्व से ही प्रारम्भ किया जा चुका था, ताकी योग सोपान कार्यक्रम के दौरान सभी शिविरों में प्रशिक्षण कार्य सुगमता से संपन्न हो सके।

गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने की इस उपलब्धि पर अ. भा. माहेश्वरी महिला संगठन की निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा माहेश्वरी जी, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति राठी जी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती

किरण लड्ढा जी एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती ममता मोदानी जी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु बांगड जी को बधाईया दी। अ. भा. माहेश्वरी महिला संगठन की आंचलिक पदाधिकारी उपाध्यक्ष पूर्वांचल श्रीमती गिरिजा सारड़ा जी, संयुक्त मंत्री पूर्वांचल श्रीमती निशा लड्ढा जी, उपाध्यक्ष पश्चिमांचल श्रीमती मधु बाहेती जी, संयुक्त मंत्री पश्चिमांचल श्रीमती शिखा भदादा जी, उपाध्यक्ष मध्यांचल श्रीमती उर्मिला कलंत्री जी, संयुक्त मंत्री मध्यांचल श्रीमती अनिता जावदिया जी, उपाध्यक्ष उत्तरांचल श्रीमती मंजु मानधना जी, संयुक्त मंत्री उत्तरांचल श्रीमती मंजु हरकुट जी, उपाध्यक्ष दक्षिणांचल श्रीमती अनुसुइया मालू जी, संयुक्त मंत्री दक्षिणांचल श्रीमती रेनू सारडा जी, कार्यालय मंत्री श्रीमती प्रीति तोषनीवाल जी एवं मध्यप्रदेश की अध्यक्ष श्रीमती रंजना बाहेती जी, संयुक्त मंत्री मध्यांचल श्रीमती अनीता जाँवधिया जी, प्रदेश सचिव श्रीमती राजश्री राठी जी, कोषाध्यक्ष श्री श्रीमती उर्मिला सादानी जी, संगठन मंत्री श्रीमती संध्या गाँधी जी, प्रदेश सचिव श्रीमती रेनू झंवर जी, सहसचिव श्रीमती हंसा केला जी, समिति प्रबंधक डॉ. सुनीता नागोरी जी, श्रीमती अर्चना लाहोटी जी, श्रीमती मनीषा लड्ढा जी एवं अन्य सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया।

अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट की साधारण सभा

अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट की साधारण सभा का आरंभ भगवान महेश की पूजा, अर्चना,दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। बैठक में संपूर्ण भारत से 200 बहनें उपस्थित हुई। अध्यक्ष ललिता मालपानी ने सभी सदस्यों का अभिनंदन किया और निवेदन किया कि ट्रस्ट योजना का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करना आवश्यक है ताकि ज्यादा से ज्यादा बालिकाओं एवम बहनों को लाभ मिल सके। सभी प्रदेश प्रति निधि ट्रस्ट के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों की जांच करनें के बाद ही भेजे, ताकि जिससे सहायता राशि शीघ्र भेजी जा सके।

निवृतमान अध्यक्ष मां रतनी देवी काबरा ने प्रतिनिधियों के काम की सराहना करते हुए लक्ष्य प्राप्ति करने का आह्वान किया। उपाध्यक्ष सुमन कोठारी ने गत बैठक की कार्यवाही प्रस्तुत की कोषाध्यक्ष प्रकाश मूंदड़ा ने वर्ष 2022 /23 का आर्थिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसे सर्व सम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। संस्थापक अध्यक्ष गीता मूंदड़ा ने प्रदेशवार बीते वर्ष की उपलब्धियों की समीक्षा की। महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु बांगड़ एवम महामंत्री ज्योति राठी ने नये ट्रस्ट सदस्यों का स्वागत बेज लगाकर किया। सचिव मीना सांवल ने संचालन किया। आभार संयुक्त मंत्री अरुणा लाहोटी ने माना।

अध्यक्ष–ललिता मालपानी * सचिव–मीना सांवल

राष्ट्रीय प्रथम कार्यकारिणी एवं द्वित्तीय कार्यसमिति बैठक रिपोर्ट
आयोजक–पूर्वी मध्यप्रदेश

दिनांक 19,20,21 दिसम्बर को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम कार्यकारिणी एवं द्वित्तीय कार्यसमिति बैठक बेहद भव्यता के साथ साँची (म.प्र.) में पूर्वी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में सम्पन्न हुई।

इस सभा का आयोजन पूर्वी मध्यप्रदेश माहिला संगठन द्वारा किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में श्रीमती अनीता माहेश्वरी, संयुक्त मंत्री, मधयांचल, श्रीमती रंजना बाहेती, अध्यक्ष पूर्वी मध्यप्रदेश, श्रीमती राजश्री राठी, सचिव, पूर्वी मध्यप्रदेश के साथ 80 कार्यकर्ताओं ने दिन–रात कार्य किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन डीजीपी श्री विपिन जी माहेश्वरी के कर कमलों द्वारा किया गया। उद्घाटन संत्र में मंच संचालन डॉ.सुनीता नागोरी, ग्वालियर एवं कीर्ती सिंघी,भोपाल के द्वारा किया गया।

उद्घाटन सत्र में पूर्वी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की सम्पर्क सुविधा पुस्तिका– वैदेही मणिकर्णिका का विमोचन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बांगड़ , राष्ट्रीय सचिव श्रीमती ज्योति जी राठी एवं सभी मंचासीन अतिथियों के द्वारा किया गया। वैदेही मणिकणिका का संपादन श्रीमती राजश्री राठी (प्रधान संपादिका) एवं डॉ. सुनीता नागोरी (सह–सम्पादिका) के द्वारा किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम कौशलेन्द्र रम्यम् के अन्तर्गत रामायण के अलग अलग काण्डों को आधुनिक युग से जोड़ते हुए मनमोहक नाटिका का मंचन कर सभागार में उपस्थित बहनों और भाइयों को राममय वातावरण में जाग्रत करने की कोशिश की गई , जिसे सभी के द्वारा सराहा गया। इस कार्यक्रम के अर्न्तगत 5 वर्ष के बच्चों से लेकर 70 वर्ष तक की ग्वालियर, भोपाल, बनखेड़ी, विदिशा एवं पिपरिया की बहनों ने भाग लिया।

युगलसिद्धा समिति के तहत कौशल परिणय वर्धनम के अर्न्तगत शादी–विवाह से सम्बंधित वर्तमान की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर नाटिकाओं का मंचन कर बहनों को जागृत करने की सफल कोशिश की गई, जिसे सभागार में उपस्थित सभी बहनो द्वारा बेहद सराहा गया।

समाज में अनूठे कार्य कर रही महिलाओं एवं बेटियों को शक्ति वन्दनम् सम्मान द्वारा सम्मानित किया गया।

''कौशल–आवरण'' नामक औद्योगिक मेला का सफल आयोजन किया गया जिसमें भारतवर्ष से बहनों द्वारा 19 स्टॉल्स लगाए गए। इस आयोजन द्वारा महिलाओं को स्वाबलंबी बनाने की कोशिश की गई । मेले में स्टॉल्स लगाने वाली बहनों को कॉफी व्यापार मिला।

संचारसिद्धा समिति द्वारा आजकल हो रहे साईबर क्राईम से सतर्कता बरतने हेतु ''लक्ष्मण रेखा'' नाटिका की प्रस्तुति कर बहनों को जागृत करने के लिए मंचन किया गया।

ज्ञानसिद्धा समिति के अर्न्तगत ''काव्य कौशल'' नामक कविताओं की अनूठी अंताक्षरी का आयोजन कर बहनों को पुराने कवियों की रचनाओं से जोड़कर ज्ञानवर्धक कार्यक्रम किया गया।

''कौशल आनन्द'' कार्यक्रम के अर्न्तगत सम्पूर्ण

भारतवर्ष से पधारी बहनों को साँची भ्रमण करवाते हुए लेजर-शो भी दिखवाया गया। प्रातःकाल में बहनों हेतु भूले-बिसरे खेल का आयोजन किया गया जिसमें पुराने समय के खेले जाने वाले खेलों को खेलकर बहनों ने बेहद रोमान्चित महसूस कर उनके द्वारा इस आयोजन को बेहद खुले दिल से सराहा गया।

रघुकुलरीत सिद्धा समिति के तहत सामाजिक विषयों पर चिन्तन, मनन करने हेतु ''राम सेतु'' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अर्न्तगत सामाजिक विषयों पर पक्ष-विपक्ष दोनों ही पक्षों को समाहित किया गया। आंचलिक स्तर पर प्रदेश अध्यक्षों का पैनल बनाकर सामाजिक विषयों से सम्बन्धित प्रश्ननोत्तरी में सहभागिता कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा।

रिपोर्टिंग हेतु पूर्वी मध्यप्रदेश को एक बार पुनः कोहिनूर कैटेगरी से नवाज़ा गया। सुबह की कार्यसमिति एवं कार्यकारिणी बैठक का संचालन श्रीमती निधी माहेश्वरी ने किया।

युगल सिध्दा कार्यक्रम की पथप्रदर्शक श्रीमती अनिताजी जावंधिया के नेतृत्व मे संपन्न प्रदेश द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। पुनर्विवाह को लक्ष्मण रेखा कार्यक्रम मे प्रदेश की दो बहनों ने दिया। रश्मि माहेश्वरी कीर्ति सिंघी प्रदेश की 10 समिति की झाकियां को राष्ट्रीय मंच से बहुत प्रशंसा की 12 महिने के त्यौहार संस्कृति सिद्धा समिति ने बहुत सुंदर तरीके से दिया। रघुकुल रीत सिद्धा समिति ने परिवार को सांप सीढ़ी के खेल के माध्यम से बताया। युगल सिध्दा समिति ने विवाह के पूरे कार्यक्रम को बताया। संकल्पसिध्दा समिति ने पूरे गांव के दर्शन करवाये ग्रामीण परिवेश मे आधुनिकता से खाद एवं खेती को बताया इसी तरह सभी समिति ने आपने कार्य बताये एवं सभी आंचलिक सहप्रभारी, एवं राष्ट्रीय प्रभारी पथप्रदर्शक ने उनका अवलोकन किया। इस सभी को प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश सचिव एवं समिति संयोजिका ने मिलकर इसे मूर्त स्वरूप दिया। शोभाजी लाहोटी के अथक प्रयास से सुचारू रुपसे कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

प्र.अध्यक्ष-रंजना बाहेती * प्र.सचिव-राजश्री राठी

रघुकुल रीत सिद्धा समिति

राम सेतु सामाजिक व पारिवारिक विषयों पर आधारित चिंतन मनन पक्ष, विपक्ष प्रतियोगिता

वर्तमान में परिवार व समाज में प्रचलित उपलिखित विषयों पर सांची में राम सेतु चिंतन मनन पक्ष विपक्ष प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें विभिन्न 27 प्रदेशों के 26 प्रतियोगियों ने भाग लिया राम सेतु प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे पक्ष में प्रथम नंदिनी मंधाना दिल्ली प्रदेश द्वितीय पल्लवी टावरी, तृतीय माधुरी शारदा चतुर्थ सरोज गट्टानी सांत्वना पुरस्कार राधिका बाहेती को मिला । विपक्ष में प्रथम सुनीता रान्धड मध्य राजस्थान द्वितीय उर्मिला तापड़िया, तृतीय रचना राठी चतुर्थ प्रभा चांडक व प्रोत्साहन पुरस्कार प्रिया माहेश्वरी को मिला। टीम रघुकुल रीत सिद्धा ने सांची मे राष्ट्रीय मंच पर राम सेतु सामाजिक व पारिवारिक विषयों पर आधारित चिंतन मनन पक्ष, विपक्ष प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें पूरे भारत वर्ष के 26 प्रदेशों से प्रतियोगी सम्मिलित हुए।और 27 प्रदेश के अध्यक्षों ने विषयों से संबंधित प्रचवनोत्तरी मे भाग लेकर अपने विचार व्यक्त किये। गीता दीदी ने कार्यक्रम की उत्तम समीक्षा की। कार्यक्रम बहुत ही सार्थक और सफल रहा। मंजु दीदी, ज्योति दीदी आशा दीदी व संगठन की सभी अग्रज बहनों से हार्दिक बधाई हमे प्राप्त हुई!

शिखा भदादा, समिति प्रभारी

अर्चना काबरा, राष्ट्रीय प्रभारी

संचार सिद्धा समिति अन्तर्गत

''लक्ष्मण रेखा'' की दी प्रस्तुति एवं साईबर क्राइम से कैसें करें बचाव, दर्शाया

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन अन्तर्गत कौशलेंद्रम् 2023 प्रथम राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं द्वितीय कार्यसमिति बैठक में संचार सिद्धा तकनीकी ज्ञान समिति ने अपनी कार्य योजना अनुसार साइबर क्राइम पर जागरूकता हेतु **''लक्ष्मण रेखा : एक कदम जागरूकता की ओर''** की विशेष प्रस्तुति दी।

सोशल मीडिया और इन्टरनेट के बढ़ते उपयोग और प्रभाव तथा उससे उत्पन्न Cyber Crime के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए और उससे होने वाले आर्थिक नुकसान, मानसिक तनाव इत्यादि को ध्यान में रखते हुए समय पर बहनों को जागरूक और सतर्क रहने की सोच के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु जी बांगड़ की इस सत्र में साइबर क्राइम अवेयरनेस की मनसा को ध्यान में रखते हुए इस विशेष प्रस्तुति ''लक्ष्मण रेखा'' की रूपरेखा रख कर हमने इस विषय पर गत 2-3 माह में इसको एक साकार रूप दिया। इस विशेष प्रस्तुति में 27 प्रदेशों से 46 सदस्यों और 5 सह प्रभारी, समिति प्रभारी और समिति पथ-प्रदर्शक का सक्रिय योगदान रहा। सही भावनाओं को प्रकट कर मंच पर प्रस्तुत करने के लिए संगठन से बाहर कुछ प्रोफेशनल लोगों ने विशेष सहयोग भी दिया, उनके इस विशेष सहयोग के लिए हमारी समिति ने हर प्रस्तुति में उजागर कर उनको धन्यवाद दिया।

हमारा यह प्रयास और विशेष प्रस्तुति एक शुरुआत बन कर समाज में बढ़ते हुए साइबर क्राइम के तरीकों से लोगों को सतर्क रह कर और जागरूक बना पाए इसी सोच के साथ यह विशेष प्रस्तुति रखी गई।

''लक्ष्मण रेखा''

संकल्पना समिति प्रभारी : सीए भाग्यश्री चांडक की थी जिसे नाट्य रूपांतरण हेतु सहयोग प्राप्त हुआ : सीए भाग्यश्री चांडक, श्रीमती पल्लवी टावरी (छत्तीसगढ़), श्रीमती तृप्ति गांधी (गुजरात) और श्रीमती आत्मजा कासट (महाराष्ट्र)। जिसमें 9 नाटिका, 1 नृत्य और 1 चेतावनी का सहभाग था।

BPO : साइबर क्रिमिनल्स की सोच

(स्क्रिप्ट राइटर एवं डायरेक्टर : सीए भाग्यश्री चांडक,

प्रतिभागी: समिति प्रदर्शक श्रीमती उर्मिला कलंत्री एवं सह प्रभारी श्रीमती सपना लाहोटी, श्रीमती मनीषा सोमानी, श्रीमती गरिमा गट्टानी, सीए विनिता डाड, श्रीमती सुशीला माहेश्वरी)

पैंतरा नम्बर 210 : लॉटरी फ्रॉड

(स्क्रिप्ट राइटर : श्रीमती पल्लवी टावरी, डायरेक्टर : श्रीमती सपना लाहोटी)

प्रतिभागी : श्रीमती संगीता चांडक, श्रीमती निशा छापरवाल, श्रीमती नूपुर मल, श्रीमती अनुजा काबरा, श्रीमती राखी मूंदड़ा, श्रीमती वर्षा माहेश्वरी)

लालच : Work from home fraud

(स्क्रिप्ट राइटर : श्रीमती तृप्ति गांधी, डायरेक्टर: श्रीमती गरिमा गट्टानी)

प्रतिभागी: श्रीमती रश्मि माहेश्वरी, श्रीमती छवि भदादा, श्रीमती नीलम तापड़िया

The scam : Olx फ्रॉड

(डायरेक्टर: श्रीमती मनीषा सोमानी)

प्रतिभागी: श्रीमती भावना राठी, श्रीमती फाल्गुनी बियानी, श्रीमती सपना लोया, श्रीमती वंदना माहेश्वरी , श्रीमती राखी राठी)

Easy money : Loan frands

(स्क्रिप्ट राइटर : श्रीमती पल्लवी टावरी, डायरेक्टर : सीए विनिता डाडः)

प्रतिभागी : श्रीमती सुनिता लाहोटी, श्रीमती अंजू भारड़िया, श्रीमती अंजली लखोटिया, श्रीमती सुनिता सारडा, श्रीमती अनुजा काबरा, श्रीमती सुनिता लाहोटी)

6th sense : Romance fraud, on-line friendship fraud, stalkers

(स्क्रिप्ट राइटर : सीए भाग्यश्री चांडक, डायरेक्टर: श्रीमती सुशीला माहेश्वरी)

प्रतिभागी : श्रीमती अंजली माहेश्वरी, श्रीमती कंचन भट्टड, श्रीमती मोनिका मालपानी, श्रीमती जया जेठा, श्रीमती पूनम झंवर, श्रीमती वर्षा माहेश्वरी, श्रीमती संतोष मालपानी)

चेतावनी : Basic information about Surface web, deep Web and dark web

(Compilation by सीए भाग्यश्री चांडक)

किटी में सीटी: Wrong -pp / link fraud

(स्क्रिप्ट राइटर : श्रीमती तृप्ति गांधी, डायरेक्टर: सीए भाग्यश्री चांडक, श्रीमती उर्मिला कलंत्री)

प्रतिभागी: श्रीमती अर्चना माहेश्वरी, श्रीमती शोभा डागा, श्रीमती शशि काबरा, श्रीमती मधु मोदानी, श्रीमती सीमा बागड़ी, श्रीमती रंजना मूंदड़ा

Voice cloning fraud

(स्क्रिप्ट राइटर : श्रीमती तृप्ति गांधी, डायरेक्टर: श्रीमती गरिमा गट्टानी)

प्रतिभागी : श्रीमती श्वेता राठी, श्रीमती शशी डोंगरा, श्रीमती अनीता मालू

छोटी सी भूल : हनी ट्रैपिंग फ्रॉड, डेटिंग एप फ्रॉड

(स्क्रिप्ट राइटर : उ- भाग्यश्री चांडक, श्रीमती आत्मजा कासट, डायरेक्टर: उ- भाग्यश्री चांडक, श्रीमती उर्मिला कलंत्री)

प्रतिभागी: श्रीमती राखी मूंदड़ा, श्रीमती कीर्ति सिंघी, श्रीमती संगीता राठी, श्रीमती कुसुम भंडारी, श्रीमती सुधा चांडक, श्रीमती विनीता रांदड, श्रीमती प्रेमलता मानधना, श्रीमती मीना साबू, श्रीमती रेखा सोमानी, श्रीमती वंदना माहेश्वरी, श्रीमती रानू राठी, श्रीमती प्रीति राठी, श्रीमती नीतू गांधी और विशेष सहयोग : राष्ट्रीय ज्ञान सिद्धा समिति प्रभारी डॉ अनुराधा जाजू

सॉन्ग : सुनो सुनो

(सिंगर: श्रीमती सुवर्णा मारू, न्यू लिरिक्स : सीए भाग्यश्री चांडक, डांस कोरियोग्राफी : हिमांशु शुक्ला जी)

डांसर्स: श्रीमती सपना लाहोटी, श्रीमती मनीषा सोमानी, श्रीमती गरिमा गट्टानी, सीए विनिता डाड)

मीडिया सपोर्ट : श्रीमती अमृता सारडा

इस प्रस्तुती के माध्यम से संचार सिद्धा समिति ने साइबर frauds में फंसने के बाद किस तरह की सावधानी बरतनी चाहिए इस की जानकारी दी।

इस प्रस्तुती पर आधारित Google quiz रखी गई थी जिसमें 45 वर्ष से कम की कैटेगरी में टेक्नो स्टार बनी श्रीमती अंजली माहेश्वरी (प उ प्र)।

55 वर्ष से कम की कैटेगरी में श्रीमती नीलम परतानी (प उ प्र) एवं 55 वर्ष से ऊपर की कैटेगरी में श्रीमती सुनिता राठी (उत्कल)।

इस विशेष प्रस्तुति के विडियो को समाज के विभिन्न क्षेत्रों में प्रसारित कर जागरूकता का अभियान शीर्ष नेतृत्व के आदेश और सहमति से करना और जन जन को जागरूक करना हमारा कर्तव्य ही नहीं बल्कि दायित्व रहेगा।

रूख हवा का बदलने की घड़ी आ गई है
तूझे उड़ान भरने की जरूरत आ गई है
बस कर लो तैयार अपने आप को इस तरह
अब साइबर क्राइम पर जीत पाने की हमने ठान ली है

आइए एक प्रण करें–हमारे आसपास हुआ साइबर क्राइम बस आखिरी होना चाहिए बस कर लो तैयार अपने आप को इस तरह आगे कभी साइबर क्राइम होना नहीं चाहिए

इसी आशा और विश्वास के साथ

सी.ए. भाग्यश्री चांडक, राष्ट्रीय समिति प्रभारी

श्रीमती उर्मिला कलंत्री, राष्ट्रीय समिति प्रदर्शक

संस्कृतिसिद्धा अध्यात्म व परंपरा समिति द्वारा

वर्चुअल सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

एक शाम प्रभु श्री राम के नाम

अयोध्या के निर्माण की, इस पावन बेला में,हम सब मिल राम कथा का, करें मंचन उद्घाटन बेला में।

रामायण संवाद स्पर्धा

डिजिटल दुनिया में, जुड़े हम सब एक साथ,रामायण के पात्रों का, करें आज गुणगान। हनुमान की भक्ति, अटूट और अनुपम,विभीषण का धर्म, सत्य का प्रतिबिंब।शबरी का भाव, निष्कलंक और पावन,जटायु का त्याग, न्याय की अगवान। केवट की सेवा, निश्छल और निर्मल,इन सभी की कथा, हमारे हृदय को करे हलचल। पाँचों अंचलों को रामायण के विभिन्न पात्रों के साथ भगवान राम के संवाद को प्रस्तुत करना है। प्रतिभागी चयनित संवाद लेकर उसे कविता, नृत्य, गद्य, गद्य अथवा किसी भी अन्य कलात्मक रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। संवाद का चयन इस प्रकार से होना चाहिए कि वह रामायण के गहरे आध्यात्मिक और नैतिक संदेश को दर्शाता हो। इस स्पर्धा का मूल उद्देश्य रामायण के महान पात्रों और उनके संवाद की गहराई को पुनर्जीवित करना है। सभी प्रस्तुतियाँ मौलिक होनी चाहिए और पात्रों के बीच के संवाद को नवीनता के साथ प्रस्तुत करना होगा। रचनात्मकता और अभिनव विचारों का स्वागत है।

रामायण के विभिन्न पात्रों में से पाँच पात्र और उनके संवाद:

1. राम और केवट : पश्चिमांचल नदी पार करने की घटना, जहां केवट राम के पादुका प्रक्षालन की अनोखी श्रद्धा प्रदर्शित करता है।

2. राम और शबरी : उत्तराँचल शबरी के बेर खिलाने का दृश्य, जो भक्ति और समर्पण की मिसाल पेश करना हैं।

3. राम और जटायु : मध्यांचल सीता हरण के समय जटायु का साहस और बलिदान, जो धर्म के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाता है।

4. राम और हनुमान : पूर्वांचल हनुमान की राम के प्रति भक्ति, जब वे राम को सीता के बारे में समाचार लाते हैं, उनकी निष्ठा और सेवा का गहरा दर्शन होता है।

5. राम और विभीषण : दक्षिणांचल विभीषण की लंका में शरणागति, जिसमें राम द्वारा उन्हें आश्रय दिया जाता है, और धर्म की रक्षा के लिए भाई विरोधी बनने का संदेश मिलता है।

ये घटनाएँ न केवल रामायण की गहराई को दर्शाती हैं, बल्कि भावनात्मक गहराई और नैतिक संदेश के साथ सभी के हृदय को छूने की क्षमता रखती हैं।

रामायण संवाद स्पर्धा कार्यक्रम के नियम– सदस्य – 6– 12, समय सीमा 15 मिनट अंचल स्तर पर यह प्रतियोगिता रहेगी।

इस प्रतियोगिता में रा.पदाधिकारी,रा.समिति प्रभारी, आंचलिक सह प्रभारी,प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश सचिव भाग नहीं ले सकते । बाकी सभी के लिए मान्य हैं।

सभी प्रदेशों द्वारा तैयार किए गए कार्यक्रम के विडिओ मर्ज करके देना है। आपको अपना विडिओ मोबाइल को आडा करके Landscape करके लेना है। सभी को अपने कार्यक्रम का विडिओ 6 से 10 जनवरी तक दे देना है। प्रतियोगी को अपनी फोटो नाम के साथ भेजनी है आंचलिक सह प्रभारी को। आंचलिक सह प्रभारी को भी अपनी फोटो अपने अंचल के नाम के साथ भेजनी है। सभी अपने कार्यक्रम का विडिओ अपने उपाध्यक्ष या संयुक्त मंत्री को मेल या वी ट्रान्सफर के द्वारा भेजें।

प्रतियोगिता की हर श्रेणी के अलग अलग पुरस्कार दिए जाएँगे,जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय और दो सांत्वना पुरस्कार होंगे। प्रस्तुति में आपकी वेषभूषा, प्रोप्स,हाव भाव, क्रीएटिविटी , थीम ,पृष्ठभूमि पर भी अंकन किया जाएगा।

प्रतियोगी की उम्र कम से कम 15 वर्ष होनी चाहिए।

मंजु बांगड़	प्रेमा झंवर	ज्योति राठी
रा .अध्यक्ष	समिति प्रभारी	रा .महामंत्री

ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति के अन्तर्गत

''काव्य कौशल'' का हुआ दिग्दर्शन

भगवान बुद्ध की पावनस्थली सांची में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के त्रयोदश सत्र के अंतर्गत प्रथम कार्यकारिणी एवं द्वितीय कार्य समिति बैठक रखी गई, जिसमें काव्य कौशल आंचलिक प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता समिति पथ प्रदर्शक मंजु जी मानधना के सुझाए गए पथ पर अग्रसर होती हुई राष्ट्रीय प्रभारी अनुराधा जी के कुशल प्रबंधन का परिणाम है। पांचों अंचलों का प्रतिनिधित्व करती सह प्रभारी– अर्चना जी लाहोटी, सरोज जी मालपानी, मीनू जी झंवर, प्रभा जी जाजू व सरोज जी गट्टाणी के मिले जुले अथक सहयोग से काव्य कौशल का पथ सुगम हो, अपने गंतव्य तक पहुंच पाया। अगस्त 2023 को समिति ने 27 प्रदेश अध्यक्ष व सचिव के संग ज़ूम बैठक की। काव्य कौशल आंचलिक प्रतियोगिता हेतु उन्हें अपने प्रतिनिधि चुनने को कहा। प्रदेशों के पूर्ण सहयोग से समिति को सितंबर माह में 27 प्रदेशों में से 25 प्रतिनिधि मिले। उनके साथ 15 सितंबर से 15 दिसंबर 3 माह तक अनवरत ज़ूम कोचिंग की गई । विभिन्न प्रदेशों से आए इन नगीनों को तराशने में समिति ने एड़ी चोटी का जोर लगाया है। विशेष बात यह भी थी कि सभी 25 प्रतिभागियों की सुविधा–असुविधा, पर्व–त्योहार की व्यस्त दिनचर्या, शादी ब्याह के दिनों को ध्यान में रखते हुए समय तालिका बनाई गई। सभी का पूर्ण और सर्वोत्तम सहयोग रहा। सभी अंचलों के संगठित प्रयास से फलत प्रतियोगिता अपनी सफलतम श्रेष्ठतम उच्चत्तर उंचाई के स्तर को छू पाई। समिति ने हर पहलू का सूक्ष्म अवलोकन किया।

भगवती सरस्वती के वरद् हस्त को प्राप्त ज्ञान सिद्धा अनुराधा जी की मधुर वाणी व मंच संचालन से सभागार मधुरमय हो गया था। इंद्रधनुषी रंग सप्त स्वर लहरी बन थिरक रहे थे। दर्शक दीर्घा में विराजे करीब 500 श्रोताओं ने खूब आनंद लिया। मुक्त कंठ से प्रतियोगिता को सराहा। हमारे प्रतिभागियों के साथ–साथ समिति दल का भी उत्साह वर्धन हुआ। समिति आभारी है। समिति ने श्रोताओं को भी हिंदी साहित्य से जुड़े प्रश्न पूछे। विजेताओं को उपहार स्वरूप डायरी भेंट की गई ।डायरी में एक कविता सप्त सरिता के माध्यम से समिति ने अपना परिचय दिया।

वहीं आंचलिक रंगों की चूड़ियां खनका कर समिति ने प्रत्येक प्रतिभागी व खुद की कलाइयां को सजाया। जी हां! चूड़ियां पहने हाथ सक्षम हैं। आज हर क्षेत्र में अग्रसर हैं। समिति ने कविताओं के आधार की वस्तुओं की पोटली तैयार की। आंचलिक प्रतियोगिता को आंचलिक रंगों से रंगने का समिति ने प्रयास किया। जन–जन ने इसे सराहा। समिति ने शेश, वेजेस से पार्टिसिपेंट्स को सम्मानित किया।

अपनी गोपनीयता और निरपेक्षता के लिए साहित्य समिति प्रश्नोत्तरी को बंद लिफाफों में लेकर आई। समिति ने पूर्ण रूप से सजग हो काव्य कौशल को सजाया। प्रतियोगिता का स्वरूप–**''यशोधरा''**, **''कामायनी''**, **''रश्मिरथी''**, **''शकुंतलम्''**, **''पद्मावत''** उपाधियों से सजा पांचों अंचलों के मध्य प्रतियोगिता को तीन पड़ाव दिए गए।

प्रथम पड़ाव ''काव्याधर'', द्वितीय पड़ाव ''काव्यगति'', तृतीय पड़ाव ''काव्य भ्रम''।

''जहां न पहुंचे रवि वहां पहुंचे कवि'' कवि का हृदय अपने आसपास या अपनी कल्पना में समाहित वस्तुओं पर दृष्टिगोचर हो ही जाता है। तब उसकी लेखनी एक नवीन रचना कर उठती है कुछ ऐसा ही प्रयास समिति ने प्रथम पड़ाव यानी कि काव्याधार में किया है । प्रतिभागियों को काव्यसंपत्ति के कुछ विषय ,कुछ वस्तुएं दी गई। उन वस्तुओं या प्रॉप्स को

आधार मानकर उन्हें हिंदी साहित्य के प्रख्यात कवियों की कविताओं की आवृत्ति करनी थी । काव्य आवृत्ति के लिए समय सीमा 3 मिनट रखी गई ।

द्वितीय पड़ाव था द्वितीय श्रेणी ''काव्य गति'' हम काव्य समृद्धि के रचनाकारों के बारे में जाने , उन्हें समझें उनकी जीवनी से परिचित हो। समिति ने इस राउंड में कवियों की जीवनी से संबंधित प्रश्नोत्तरी को माध्यम बनाकर रैपिड फायर राउंड खेला समय के लिए प्रतिबद्ध साहित्य समिति ने इसे 1 मिनट एक काव्यांचल के लिए रखा।

दर्शक दीर्घा का जोश देखने योग्य था। तृतीय पड़ाव था तृतीय श्रेणी ''काव्य भ्रम'' में समिति ने एक अनूठा प्रयास किया।इसे दो भागों में बांटा गया था।राष्ट्रीय प्रभारी अनुराधा जी जाजू ने अथक परिश्रम, प्रयास और तकनीकी माध्यम से इस भ्रम राउंड को नौ कड़ियों में पिरोया। कवियों की पहचान कर, उनकी कविता का गायन करना था। दूसरे भाग में गाई जा रही कविता के कवि का नाम बताना था। यह बज़र राउंड था, समिति की पैनी निगाह बज़र के बजने पर केन्द्रित थी। सभी ने अपनी योग्यता व जानकारी के आधार पर बज़र बजाकर खेला।

काव्य कौशल का उद्देश्य हमारी अथाह काव्यसागर, अनमोल काव्यसंग्रह को जन–जन तक पहुंचाना था। समिति को इसमें आशातीत सफलता मिली। चुंकि ये प्रतियोगिता के रूप में सजी थी, किसी को तो विशेष स्थान पाना था।

इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान को सुशोभित किया है **''काव्य शिरोमणि''** की उपाधि से उत्तरांचल **(कामायनी)** ने। प्रतिभागियों के नाम है : जयश्री जी भंडारी, कृष्णा जी कोठारी, राधिका जी मूंदड़ा, शकुंतला जी बागरी, कविता जी माहेश्वरी।

प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान को सुशोभित किया है **''काव्य रत्न''** की उपाधि से मध्यांचल **(रश्मिरथी)** ने। प्रतिभागियों के नाम हैं : रश्मि जी लोया, अंजलि जी लखोटिया, मीनू जी भट्टड, टीना जी नारायणीवाल, शोभना जी कासट।

प्रतियोगिता में तृतीय स्थान पर **''काव्य विभूषण''** की उपाधि प्राप्त की है दक्षिणांचल **(पद्मावत)** ने। प्रतिभागियों के नाम है : पायल जी राठी, दीपाली जी रांदड़, कंचन जी राठी, चंदा जी देवपुरा , वंदना जी भैया।

चतुर्थ स्थान पर **''काव्य भूषण''** प्राप्त करने वाले पश्चिमांचल **(शाकुंतलम्)** के प्रतिभागियों के नाम इस प्रकार है : विनीता जी लाहोटी, छवि जी भदादा, भावना जी माहेश्वरी, डॉ. नूपुर जी मोदानी, स्वाति जी मानधना।

पंचम स्थान पर **''काव्य श्री''** प्राप्त करने वाले पूर्वांचल **(यशोधरा)** के प्रतिभागियों के नाम इस प्रकार है : कविता सादानी, पुष्पा सोनी, रुचि सारडा, संतोष जी मंत्री, राधिका जी बाहेती समिति समाज के सम्मुख पच्चीस तराशे हुए हीरों का हार देकर गौरवान्वित महसूस कर रही है।

सौ. मंजू मानधना, देहली, रा.साहित्य समिति प्रदर्शक
डॉ. अनुराधा जाजू, हैदराबाद, रा.साहित्य समिति प्रभारी

दूसरा गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर राष्ट्रीय संगठन को बधाई

योग सोपान प्रकल्प हेतु त्रयोदस सत्र में यह दूसरा गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने में संस्कार सिद्धा समिति की राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती अंजलि तापड़िया समिति प्रदर्शक श्रीमती अनुसूया मालू आंचलिक सह प्रभारी श्रीमती अनुराधा मालपानी, श्रीमती चंचल राठी, श्रीमती हंसा चितलांगिया, श्रीमती आभा बेली, श्रीमती सुमन जाजू, श्रीमती ज्योति बाहेती का विशेष योगदान रहा। इस बैठक में बाल व किशोरी विकास समिति प्रभारी श्रीमती अंजलि जी तापड़िया तथा सह प्रभारी दक्षिणांचल अनुराधा जी मालपानी द्वारा आगामी मई 2024 में संगमनेर में आयोजित किशोरी संस्कार शिविर सिद्धि सृजन का डिजिटल प्रेजेंटेशन देते हुए संबंधित विशेष जानकारी से अवगत कराया जिसको सभी ने खूब सराहा। राष्ट्रीय महिला संगठन की ओर से समिति का बहुत–बहुत आभार, बधाई तथा साधुवाद।

ज्ञान सिद्धा समिति

मंथन के मोती ... 1

ज्ञानसिद्धा–राष्ट्रीय साहित्य समिति की प्रथम प्रतियोगिता कहानी लेखन 30 सितंबर को निश्चित की गई समयावधि में सम्पन्न हुई। सभी 27 प्रदेशों से प्रविष्टियां आई, लेखिकाओं ने अत्यंत उत्साह पूर्वक इस प्रतियोगिता में भागीदारी दी । विगत सत्र के समापन के बाद काफी लंबे अंतराल पर नवीन सत्र में यह प्रतियोगिता पटल पर आई है, तो विचारों की मंदाकिनी किलोल करती हुई लेखनी के माध्यम से कागज़ पर उतर गई और प्रतियोगिता की सफलता का कारण बनी।

साहित्य समिति लेखिकाओं के लेखन स्वरुप, व्याकरण, शब्द चयन और सटीक रूप से विषय वर्णन, नियमावली के पालन एवं समय की प्रतिबद्धता पर विशेष ध्यान देती है, हमें इससे किंचित मात्र भी सरोकार नहीं है कि प्रतिभागी अपनी रचना को दृश्य चित्रों से सजाएं, रचना को बॉर्डर, बूटों, बेलों से सवारें। हमारा उद्देश्य केवल और केवल सुंदर परिष्कृत भाषा शैली में उत्कृष्ट रचनाओं को सबके समक्ष लाना है और इसके लिये हम पूर्ण रूप से प्रयासरत हैं। सादगी, सरलता, समय की प्रतिबद्धता के प्रति साहित्य समिति विशेष आग्रही है।

सार संक्षेप में कहूं तो हमारे अटूट प्रयासों और लेखिका वर्ग द्वारा अपना सर्वोत्तम देने की उत्कट आकांक्षा के परिणाम स्वरुप मानस की चौपाइयों को समाहित करते हुए कहानी – लेखन जैसी कठिन विधा में भी इस बार कई शानदार, जानदार प्रस्तुति आई। लेखिका वर्ग की हिंदी भाषा, साहित्य के प्रति उत्तरोत्तर जाग्रत होती अभिरुचि, परिमार्जित भाषा, परिष्कृत होते विचारों और लेखन के सतत प्रयासों के परिणाम स्वरुप प्रतियोगिता नवीन आयामों को छूती है। हमारे निर्णायक मंडल का भी विशेष आभार, जिनकी तत्परता के चलते समिति समय से पहले ही परिणाम घोषित करती है और सफलता के अनूठे मापदंड स्थापित कर पाती है।

मंजु मांधना (राष्ट्रीय साहित्य समिति प्रदर्शक)

अनुराधा जाजू (समिति प्रभारी)

ज्ञानसिद्धा – राष्ट्रीय साहित्य समिति कहानी लेखन प्रतियोगिता के परिणाम

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत ज्ञानसिद्धा – साहित्य समिति की राष्ट्रीय स्तर की प्रथम प्रतियोगिता कहानी लेखन के परिणाम निम्नलिखित हैं–

प्रथम स्थान – श्रीमती शशि लाहोटी, वृहत्तर कोलकाता प्रदेश । द्वितीय स्थान – श्रीमती सारिका बाहेती, अमरोहा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश । तृतीय स्थान – श्रीमती डा. सूरज माहेश्वरी, जोधपुर, पश्चिमी राजस्थान प्रदेश ।

चतुर्थ स्थान – श्रीमती स्नेह माहेश्वरी, पूर्वी उत्तर प्रदेश। पंचम स्थान – श्रीमती किरन माहेश्वरी, इंदौर, पश्चिमी मध्य प्रदेश। षष्ठम स्थान – श्रीमती मंजुमाहेश्वरी, जयपुर, पूर्वोत्तर राजस्थान प्रदेश। सप्तम स्थान – श्रीमती आत्मजा कासट, विरार, महाराष्ट्र प्रदेश। अष्टम स्थान – श्रीमती पल्लवी टावरी, बालोद, छत्तीसगढ प्रदेश ।

उपरोक्त पुरस्कारों के अतिरिक्त कई प्रतिभागियों ने बहुत अच्छे प्रयास किये व राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचे। वे निम्नानुसार हैं–

श्रीमती स्नेहलता मालपानी, कालीकट, तमिलनाडु प्रदेश। श्रीमती कृष्णा जांवधिया, हमीरपुर, मध्य उत्तर प्रदेश। श्रीमती सुनीता सारडा, सिवनी, मालवा, पूर्वी म.प्र.। श्रीमती शीतल लखोटिया, फरीदाबाद, हरियाणा पंजाब प्रदेश । श्रीमती वीणा चांडक, मुंबई प्र.। श्रीमती सुमन मोहंता, वृहत्तर कोलकाता प्रदेश। श्रीमती विनीता धूत मूंदड़ा, गुवाहाटी, असम प्रदेश। श्रीमती मालती माहेश्वरी, हिंद मोटर, वृहत्तर कोलकाता प्रदेश। श्रीमती विनीता तापड़िया, बंगाईगांव, असम प्रदेश। श्रीमती सीमा माहेश्वरी, रेवाड़ी, हरियाणा पंजाब प्रदेश।श्रीमती दुर्गा असावा, जामनगर, गुजरात प्रदेश। श्रीमती अंजू लखोटिया, ब्यावर, मध्य राजस्थान प्रदेश।

प्रथम

एक सन्देश ऐसा भी

मयंक आज बहुत ही उत्साहित था । बाल्यकाल से जिस स्वप्न को देखते हुए बडा हुआ मानो वह पूरा होने जा रहा हो। बहुत कुछ पीछे छूट गया था इस दिवस के लिए ।

चन्द्रमा के साथ उसका बचपन से ही लगाव रहा। आज उसी चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान- 3 उतरने वाला था। वह भी उस समूह का अहम भाग था ।

बाल्यकाल में ही उसने बाबा को खो दिया था। जब भी माँ से उनके बारे में बात करता तो माँ चन्द्रमा को दिखा कहती कि बाबा वहाँ गए हैं। तब बड़े भोलेपन से कहता, मुझे बाबा को बहुत सारा प्यार भेजना है, मुझे भी चन्द्रमा पर पहुँचना है।

जौं लरिका कछु अचगरि करहीं । मन भरहीं ।

(बालकाण्ड, दोहा संख्या-276, दूसरी चौपाई)

माँ अपने लाल निश्छल बातें सुन हर्षित हो उसे गले लगा लेती।

इसी अभिलाषा के साथ मयंक बड़ा होता गया । आज लग रहा था जैसे चंद्रयान-3 के माध्यम से माँ-बाबा के पास अपना स्नेह भेज रहा है। कोविडकाल में उसकी माँ भी तो बाबा के पास चली गई थी। तब से वह चन्द्रमा में ही अपना अस्तित्व ढूँढता था ।

रोशनी, उसकी पत्नी की अलग ही दुनिया थी, मयंक की इस भावना से स्वयं को जोड़ ही नहीं पाई। कभी भी मयंक की रोशनी बनने का प्रयास नहीं किया। प्रायः मयंक से इस बात को लेकर झगड़ा करती कि न तो घर पर समय देता है, न ही उसको कहीं घूमाने ले जाता है। जब वह अपनी सहेलियों को उनके पति के साथ घूमने के चित्र सामाजिक माध्यम से देखती तो और अधिक उग्र हो जाती। चंद्रयान- 3 अभियान से जुड़ने के बाद तो झगड़े बढ़ते ही गए ।

तुम समझती क्यों नहीं, चंद्रयान-3 मेरा सपना है ।

तुम्हारा सपना और मेरे सपनों का क्या? मैं पत्नी हूँ तुम्हारी । बस, तुमसे समय ही तो मांग रही हूँ ।

रोशनी, तुम्हें मेरा काम और जिम्मेदारी समझनी होगी, तुम्हें धैर्य से काम लेना होगा। मैं कैसे समझाऊं.....

संतोष काम साहीं । काम अछत सुख सपनेहुँ नाहीं ।

(उत्तरकाण्ड, दोहा संख्या-89, प्रथम चौपाई)

जिस अभियान से अभी जुड़ा हुआ हूँ मैं तुम्हें समय नहीं दे सकता। एक बार... एक बार यह सफल हो जाए, मुझे लगेगा जैसे मैं माँ बाबा से मिलकर आया हूँ।

आए दिन इस तरह की वार्ताएं दोनों के बीच होने लगी और एक दिन रोशनी क्रोधित होकर मयंक को छोड़कर चली गई। मयंक और उस अभियान से जुड़े सभी साथियों पर एक ही धुन सवार थी, यह अभियान सफल हो जाए। कानों में कवयित्री शशि लाहोटी की लिखी कविता की पंक्तियाँ गूँजती थी।

निज लक्ष्य पर ही ध्यान रख, साथी सतत बढ़ते रहो।
चलते रहो तुम सूर्य सा रोशन जगत करते रहो... ।

फिर वह दिवस भी आया जब चंद्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण हुआ। प्रत्येक कार्य योजना के अनुसार भलीभाँति चल रहा था। पूरे समूह की दृष्टि नियंत्रणकक्ष से चंद्रयान-3 पर सतत लगी हुई थी।

23 अगस्त, 2023 संध्याकाल का समय, दूरदर्शन के सभी चैनल पर चंद्रयान-3 के सफलतापूर्वक उतरने की चर्चा थी। गौरवमयी उपलब्धि पर बधाइयों का तांता लग गया। कुछ संवाददाता तो वैज्ञानिकों के जीवन के संघर्ष की कहानी दिखा रहे थे । उनका बचपन, परिवार, इसरो तक पहुँचने की यात्रा, आम जनता तक पहुँच रही थी। भारतवर्ष ही नहीं, पूरा विश्व भारत के वैज्ञानिकों के लिए तालियाँ बजा रहा था।

रोशनी भी दूरदर्शन पर अपनी दृष्टि लगाए हुए थी। अचानक एक चैनल पर मयंक को देखकर जड़वत सी वहीं ठहर गई । संवाददाता और मयंक की ही बातचीत चल रही थी।

आप इस अभियान के बारे में कुछ कहना चाहते हैं ।

हाँ, यह मेरी वर्षों की साधना थी जो आज सफल हुई है कुछ और भी जो आप कहना चाहते हैं । कोई संदेश...

कहते हैं ना कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है । मुझे गर्व है कि मैं इस अभियान का भाग बना । सफलता के इस क्षण में जहाँ पूरा राष्ट्र मेरे साथ खड़ा है वहाँ कोई है जो मुझे छोड़ कर चला गया है। मुझे आज भी किसी की प्रतीक्षा है....

यह कहते-कहते मयंक का गला भर आया और चुप हो गया। इधर रोशनी के नयनों से अश्रु कण झर-झर बहने लगे। यह मैंने क्या किया।

मयंक जिससे इतना प्यार करती थी, कैसे उसे अकेला छोड़ दिया। एक बार भी उसकी दृष्टि से नहीं सोचा। स्वयं से बतियाती रोशनी मयंक से मिलने के लिए व्याकुल हो उठी।

बस होहीं। चकई साँझ समय जनु सोहीं।

(अयोध्याकाण्ड, दोहा संख्या-120, प्रथम चौपाई)

अब मुझे ही भूल को सुधारना होगा, मैं आ रही हूँ मयंक

मयंक घर में अकेला बैठा, चन्द्रमा से बतिया रहा था, माँ बाबा, मेरा प्रणाम स्वीकार कीजिए। आज आप दोनों बहुत स्मरण आ रहे है, स्वयं को बहुत एकाकी अनुभूत कर रहा हूँ.

अचानक द्वार खटखटाने की आवाज से मयंक चौंक गया । ज्योंही मयंक ने द्वार खोला, सामने रोशनी खड़ी थी पश्चाताप के अश्रु लिए, सजल नेत्रों से मौन वार्ता ने बहुत कुछ कह दिया। आज की रात्रि कुछ अलग ही थी । मयंक अपनी रोशनी के साथ चन्द्रमा को निहार रहा था। अचानक उनको आभास हुआ, माँ बाबा चन्द्रमा से उनके लिए आशीर्वाद भेज रहे है।

अजर अमर गुननिधि सुत होहू । करहँ बहुत रघुनायक छोहू ।।

(सुंदरकाण्ड, दोहा संख्या-16, दूसरी चौपाई)

हमें तुम पर अभिमान है, ऐसे ही उन्नति के पथ पर सदैव आगे बढ़ो। सहसा कुछ पंक्तियों की गूँज का आभास होने लगा। भूलना आधार को, मात पिता के प्यार को । उनसे मिले संस्कार को, अनंत शक्ति के सार को।

नतमस्तक हो आशीर्वाद ग्रहण कर रहे थे।

लेखिका : शशि लाहोटी, कोलकाता, 9830427927

द्वितीय

मूकदर्शिता

'क्या किसी के साथ हो रहे अन्याय को वाणीहीन बने देखते रहना मनुष्यता है ? ' ये सोचते हुए कब रात के दो बज गए, वेदांत को पता ही नहीं चला क्योंकि आज हुआ उसने उस बारहवर्षीय बालक को भीतर तक झकझोर दिया।

जो कुछ दिनों से वेदांत के आवासस्थल के बाहर बने मंदिर के आगे एक निर्धन महिला सविता अपनी दसवर्षीया पुत्री केशरी के साथ फूलमाला बेचने आती थी। एक आलीशान बस्ती के पास गंदे फटे कपड़ों में किसी का भी बैठना वहाँ के निवासियों को पसंद नहीं आया। लेकिन ये बस्ती उसके घर के निकट थी व यहाँ के वासी धनाढ्य थे । अतः वह अकिंचन उस मन्दिर के आगे बैठकर, फूलादि बेचकर अपने परिवार का पालन करती थी ।

आज दिवाली थी। इसलिए सविता विशेष प्रकार के गुलदस्ते, हार व माँ लक्ष्मी का प्रिय कमलपुष्प भी लायी थी। आज उसका पुत्र केशव भी आया था । सविता आनन्दित थी... आज उसको उत्तम आय की अपेक्षा थी। मनुष्य बस कल्पनाएं ही तो कर सकता है ... किन्तु होता तो वही ही है जो ईश्वर चाहते है। अगर मानव की अभिलाषा के अनुसार ही सब कार्य होते, तो इस संसार का मानचित्र कुछ और ही होता ...

होइहि सोइ जो राम रचि राखा । को करि तर्क बढ़ावै साखा ।।

(बालकांड 5152)

प्रतिदिन की भाँति आज भी सूर्यदेव भूलोक का भ्रमण करते हुए धरती के दूसरे छोर पर जाने लगे। लेकिन यह क्या? दिन बढ़ने के साथ ही सविता की चिंताए भी बढ़ रही थी क्योंकि आधा दिन बीत चुका था किन्तु अभी तक उसका एक भी फूल नहीं बिका था। उसकी टोकरी में रखा सामान अभी

तक तो नहीं मुरझाया था पर सविता का चेहरा मुरझाने लगा : हे भगवान ! आज दिवाली की रात को भी क्या सिर्फ पानी पी कर ही सोना पड़ेगा?

अकेली स्त्री के लिए परिवारपालन सरल नहीं होता। सविता के लिए भी कुछ भी आसान नहीं था । प्रायः ही उसे व उसकी बेटी को छेड़छाड़ व अभद्र भाषा का सामना करना पड़ता था। किंतु उसके विरोधपूर्ण स्वरों का दमन कर दिया जाता था । आज भी वही हो रहा था जो बहुधा होता था। फूलमाला लेने के बहाने से वहाँ के अध्यक्ष का पुत्र मयंक व उसके कुछ दोस्त सविता के पास आए व फूलमाला के मूल्य को लेकर मोलभाव करने लगे। सविता का बताया दाम अधिक लगने पर वे संस्कारहीन लड़के उससे बहस करने लगे। अपने पिता की धन-सम्पत्ति का अहंकार सविता को दिखाते हुए उसके सामान को पददलित करने लगे। सविता गिड़गिड़ाई, बाबू, ये हार व गुलदस्ते मैंने रातभर जागकर बनाए हैं। मेरी मेहनत व आज की कमाई को बर्बाद ना करो। कुछ ही पलों में मृतिका से जन्मे रंग-बिरंगे फूल माटीमय हो गए। इस बीच मयंक ने सविता की टोकरी के समीप पटाखों की लड़ी लगा दी । केशव ने इसका विरोध किया तो वे लड़के उसको अपशब्द कहने लगे। उसे पीटते हुए जेल में डलवाने की धमकी देने लगे। साथ ही कुछ लडके केशरी को परेशान करने लगे। सविता चिल्लायी, अरे! मेरा सारा सामान धन दिये बिना ही ले जाओ। मेरे बेटे को ना मारो। हमारे साथ दुर्व्यवहार ना करो... शोर सुनकर वहाँ के निवासी, राहगीर, निकट प्रतिष्ठानो के प्रबंधक आदि अनेक लोग एकत्रित हो गए। सविता हाथ जोड़कर, रोती-बिलखती सबसे सहायता मांगने लगी। किन्तु उस निर्धन की पुकार किसी का भी पाषाण हृदय द्रवित न कर पायी। अब ईश्वर ही उसकी एकमात्र आस थे :

दीन दयाल बिरिदु संभारी । हरहु नाथ मम संकट भारी ।।

(सुंदरकांड 26 - 27)

किन्तु विधाता की लेखनी तो अमिट है। उस व्यतिहार में मयंक ने केशव को धक्का दे दिया। केशव का सिर मंदिर के पास वाले बिजली के खंभे से टकराया व केशव धरती पर गिर गया। उसके सिर से रक्तिम धार बहने लगी। वह मासूम धराधाम की यात्रा समाप्त कर अनंतयात्रा पर निकल पड़ा । देखते ही देखते एक खुशहाल परिवार दुख व आँसू के समुद में डूब गया। मन्दिर एक व्यस्त मार्ग पर स्थित था । सड़क पर असंख्य लोग मौजूद थे। लेकिन कोई भी किसी अन्य के विवाद का भाग नहीं बनना चाहता है। किसी ने भी, वेदांत के माता-पिता ने भी, उन तीनों की सहायता नहीं की, न ही उनके साथ हो रहे अनाचार के विरोध में बोलने की हिम्मत की। सब मूकदर्शक बने तमाशा देखते रहे।

दिवाली की सजावट व रोशनी की झिलमिल के बीच मंदिर के पास वाले स्तम्भ पर लगे रक्तचिन्ह तथा वहीं बिखरे पंखुड़ियां व पत्ते दिन में हुई वह त्रासदी अभी भी सुना रहे थे। वेदांत सोचने लगा कि शक्तिशाली दुर्बल का उत्पीड़न क्यों करते हैं? क्यों कोई भी अन्याय होता देखकर भी सहायता के लिए नहीं आता ? क्या ये न्यायसंगत है? निश्चित रूप से नहीं ।

सबसे बड़ा धर्म मानवता ही तो है .पर हित सरिस धर्म नहिं भाई ।
पर पीड़ा राम नहिं अधमाई ।। (उत्तरकांड 40 41)

व मूकदर्शिता इस धर्म के पालन में सबसे बड़ी अवरोधक।

ये सब मंथन करते हुए नन्हे वेदांत ने स्वयं से प्रतिज्ञा की कि बड़ा होकर वह किसी के भी प्रति होने वाले अत्याचार व अनीति के विरुद्ध अपना स्वर भी बुलंद करेगा व अन्याय करने वालों को सबक भी सिखाएगा। वह देश का एक सजग नागरिक बनेगा व समाज को जागरूक करने का हरसंभव प्रयास करेगा जिसका आरंभ वह अपने परिवार की सोच बदलने से ही करेगा।

परहित बस जिन्ह के मन माहीं । तिन्ह कहुँ जग दुर्लभ कछु माहीं ।।

(अरण्यकांड 30 - 31)

परिवर्तन की जिस क्रांति का अंकुर वेदांत के मन में पल्लवित हो रहा था, वह भविष्य में एक वृक्षस्वरूप विकसित होगा । निश्चित रूप से, बड़ा होकर, वेदांत एक मूकदर्शक कभी नहीं बनेगा !

लेखिका : सारिका बाहेती, अमरोहा
09045102999

तृतीय

लय जीवन की

शाम के छः बज रहे थे । लालजी और गीताजी रोज़ की तरह बरामदे में आकर बैठ गए थे। मेहनत से लगाई अपनी बगिया को निहार रहे थे। बेटा रवि और बहू शालिनी ऑफिस से आने ही वाले थे।

लालजी का छोटा सा मध्यमवर्गीय परिवार था । पत्नी गीताजी, दादी माँ जो सदैव पूजा–पाठ और पोथी पढने में ही व्यस्त रहती थी, बेटी मोना जो बारहवीं में पढ़ रही थी और बेटा बहू। रवि की शादी हुए चार महीने ही हुए थे। बहू शालिनी और रवि एक ही कंपनी में काम करते थे।

शालिनी सुघड गृहिणी थी। कभी शिकायत का मौक़ा नहीं देती थी फिर भी गीताजी को उसका कामकाजी होना अखरता था। दबी ज़बान में वह पति के आगे कह भी देती पर लालजी अक्सर उसकी बात को अनसुना कर देते ।

रवि और शालिनी आ गए। हाथ–मुँह धोकर दोनों भी बरामदे में आ गए। शालिनी के हाथ में चाय की ट्रे थी। रवि ने माँ को उनका चश्मा देते हुए पूछा– 'मोना नहीं आई अभी तक?' चश्मा पहनते हुए गीताजी बोली– 'आती ही होगी। ' फिर शालिनी ओर देखकर बोली– ' अरे बहू, कल मोना का जन्मदिन हैं, बताओ क्या उपहार दे उसे, अंगूठी ठीक रहेगी क्या ?'

अंगूठी की क्या जरूरत है माँ!' सभी शालिनी की ओर देखने लगे।

'मैं यह कहना चाहती हूँ कि इन सब चीजों से अच्छा है कि हम मोना के लिए एक लैपटॉप खरीद ले' – शालिनी ने कहा। लालजी और गीताजी प्रश्नवाचक दृष्टि से शालिनी की ओर देखने लगे ।

शालिनी की आंखें शांत और निश्छल थी । 'पिताजी; मुझे पता है कि मोना को कविता–कहानी लिखने पढ़ने का बेहद शौक है। कुछ पूरी कुछ अधूरी रचनाएँ तन्मयता से लिखते हुए मैं मोना को कई बार देख चुकी हूं। लेकिन आपको पसंद ना होने से वह छुप–छुपकर लिखती हैं ।

एक–दो बार मोना ने अपनी इच्छा ज़ाहिर भी की थी कि उसे लिखना है । बहुत लिखना है । पर पिताजी के सामने उसकी एक न चली। उन्होंने तो बस एक ही वाक्य में अपना फैसला सुना दिया था, 'क्या करोगी लेखिका बनकर? तुझे तो इंजीनियर बनना है बस !' रवि भी उस समय पिताजी को कुछ नहीं कह पाया ।

'पिताजी पढ़ाई के साथ–साथ मोना अपना शौक भी पूरा करे तो कितना अच्छा होगा। मेरी पहचान के एक संपादक है। उन्हें मोना की चार–पाँच रचनाएँ मैंने भेजी थी। उन्होंने अपनी पत्रिका में उन रचनाओं को प्रकाशित तो किया ही, प्रशंसा भी की। उसने पत्रिका पिताजी के सामने रख दी । लालजी आश्चर्यमिश्रित खुशी से एक छोटे बालक की तरह देखने लगे। भावविभोर हो कर बोले– 'अच्छा हुआ बेटी तुमने ये बात मुझे इतने अच्छे से समझा दी, वरना बाद में सिर्फ पछतावा ही रह जाता' ।

मोना भी आ गई थी । सारी बातें उसने सुन ली थी। 'ओ! मेरी भाभी, आप कितनी अच्छी हो ?' उसने चहकते हुए कहा । अरे पगली, लैपटॉप तेरी कविताएँ और पढ़ाई दोनों में काम आएगा।'

शालिनी ने अब गीताजी की तरफ़ देखा और मुस्कुराते हुए बोली– ' और हां माँ, आप भी तो बड़ी छुपी –रुस्तम हो। अपनी शादी से पहले आपने तो बाकायदा हारमोनियम सीखा था । बहुत गज़ब सुर साधती थी न आप, मासी ने बताया था मुझे । '

पुराने घाव ताज़ा हो उठे। माँ की आँखों से अतीत की विवशता के साथ खुशी के आँसू गंगा–जमुना की तरह बहने लगे ।

घर–गृहस्थी के फेर में मन की गाँठ कभी खोल ही न पाई थी गीताजी । वह अतीत में खो गई। हारमोनियम के साथ जब गाती थी, सभी कितना पसंद करते थे ।

लालजी भी मानो आँखों आँखों में कह रहे थे – 'माफ़ करना गीता, कभी समय ही नहीं मिला कि तुम्हारे लिए, अपने लिए सोच सकूँ।'

वाकई में उनके कंधे, परिवार की जिम्मेदारियों तले

झुक गए थे। बच्चों की पढ़ाई–लिखाई, भरण–पोषण में समय कैसे बीत गया पता ही नही चला। पिताजी स्नेहपूर्वक बोले, ' धन्य हो बेटी तुम और तुम्हारे माता–पिता जिन्होंने इतने अच्छे संस्कार दिए ।

'पिताजी,जब मैं विदा होकर आई थी तब माँ ने, भाभी ने यही तो कहा था कि घर को मंदिर बनाकर रखना'।

सासु ससुर गुर सेवा करेहू । पति रुख लखी आयसु अनुसरेहू ।
अति सनेह बस सखी सयानी । नारि धरम सिखवहिं मृदु बानी ।

(बालकाण्ड पृष्ठ319 दोहा 333के बाद)

शालिनी ने देखा कि पति के होठों पर प्रशंसात्मक मुस्कान थी। उन्हें अपलक निहारते देख वह लजा गई । 'अरे भई अब भूख लग रही है। घर एक मंदिर तो है, पर आज्ञा हो तो प्रसाद मेरा मतलब खाना खाने चले।' वह शरारत से बोला ।

सुनि जानकी परम सुख पावा। सादर तासु चरन सिरु पावा।।
तब मुनि सन कह कृपानिधाना। आयसु होइ जाऊँ बन आना।।

(अरण्यकांड पृष्ठ 627 सो. 5 (ख) के नीचे)

तभी लालजी बोल पड़े, चलो, आज हम सभी बाज़ार चलते हैं। खाना भी बाहर ही खाएंगे। लैपटॉप और हारमोनियम भी तो खरीदना है। और शालिनी बेटी तुम्हारी भावनाओं का पूरा सम्मान होगा, ये हम सबका वादा है । है न गीता ? अंदर के कमरे से दादीमाँ के पढ़ने की आवाज सुनाई दी...

मैं पुनि पुत्रबधू प्रिय पाई। रूप रासि गुन सील सुहाई ।।
नयन तरि करि प्रीति बढ़ाई । राखेऊँ प्रान जानकिहिं लाई ।।

(अयोध्याकांड पृष्ठ392दोहा 58 के बाद)

माँ ने शालिनी को गले लगाया तो वह चरणों मे झुक गई। खूब खुश रहो बेटी!' आगे के शब्द हिचकियों में खो गए। अरे ऐसे नही माँ! अब तो हारमोनियम के साथ सुरीला आशीर्वाद चाहिए मुझे !

मोना भी चहक पड़ी, ' चार पँक्तियाँ सुनानी है अपनी, अगर सभीकी इजाज़त हो स्वागत है ! सभी ने एक स्वर में कहा । – तो सुनो... गीत खुशी के गाया कर, मन का राग सुनाया कर, नदिया है तो प्यास बुझा, पेड़ अगर है तो छाया कर।

वाह ! वाह! सभी ने एक साथ दाद दी। लालजी ने देखा उनकी बगियां के पेड़, पौधे,पक्षी आज ज्यादा सुंदर लग रहे थे। सुंदर बन कुसुमित अति सोभा । गुंजत मधुप निकर मधु लोभा ।

कंद मूल फल पत्र सुहाए । भए बहुत जब ते प्रभु आए ।

(किष्किन्धाकाण्ड पृष्ठ 695 दोहा 12 के बाद)

बाहर निकलते हुए शालिनी ने घर के तोते के पिंजरे का दरवाज़ा धीरे से खोल दिया और मन ही मन बोली – ' जा तू भी नाप ले अपने मन का आकाश...'

आज सबके जीवन की लय सध गई थी.....

लेखिका : डॉ. (श्रीमती) सूरज माहेश्वरी, जोधपुर
8696026496

R.B.I. में मैनेजर पद पर पदस्थ होने पर आशय बियाणी का माहेश्वरी समाज इन्दौर द्वारा स्वागत, अभिनंदन

श्री माहेश्वरी समाज इंदौर जिला द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह मे श्री आशय बियाणी (सुपुत्र श्री आनंद नम्रता जी बियाणी) का IIT Bombay से ग्रेजुएशन कंप्लीट कर R.B.I.ऑफिसर की परीक्षा क्लियर कर R.B.I. मुंबई में मैनेजर के पद पर पदस्थ होने पर न्यायमूर्ति श्री उमेशचन्द्रजी माहेश्वरी समाज अध्यक्ष श्री रामस्वरूप जी धूत प्रदेश अध्यक्ष श्री पुष्प जी माहेश्वरी समाजसेवी श्री राजकुमार जी साबू ने अभिनंदन किया। इस दौरान उपस्थिति समाज के सभी पदाधिकारीयों, समारोह के संयोजकों एवं गणमान्य लोगों ने श्री आशय बियाणी को बधाईयां दी।

युगल सिद्धा के अंतर्गत

इन्दौर में आयोजित परिचय सम्मेलन से अभिभावक काफी सन्तुष्ट हुए

माहेश्वरी विवाह प्रकोष्ठ सेवा ट्रस्ट इंदौर द्वारा परिचय सम्मेलन में, मध्यांचल युगल सिद्धा गठबंधन समिति सह प्रभारी श्रीमती शांता जी मंत्री के मार्गदर्शन में युवक व युवती के बायोडाटा दिखाना, उन्हें गांव की उपयोगिता बताना, जिससे छोटी जगह के प्रति उनका विचार सकारात्मक रहे व अभिभावकों को आपस में मिलवाने का कार्य किया गया । इससे अभिभावक काफ़ी सन्तुष्ट भी हुए। इस प्रयास से बहुत संबंध होने की संभावना है । इसमें सुलेखा जी मालपानी पश्चिमी मध्य प्रदेश संयोजिका, सरिता जी मालपानी पूर्वी मध्य प्रदेश संयोजिका तथा अन्य बहनों ने अपने सकारात्मक विचार से युवा पीढ़ी को सही रास्ता दिखला रहे थे ।

संजीवन सिद्धा समिति के अंतर्गत

हार्ट अटैक से कैसे बचें पर वेबिनार सम्पन्न

अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की संजीवन सिद्धा (स्वास्थ समिति) ने 10 अक्तूबर को ज़ूम पर हार्ट अटैक से कैसे बचें पर वेबिनार लिया जिसमें 850 से अधिक लोगो ने लाभ लिया । महेश वंदना एव दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का आगाज राष्ट्रीय मंत्राणी श्रीमती ज्योतिजी राठी द्वारा किया गया । राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ द्वारा स्वागत उद्बोधन व शुभकामनाएं दी गई । सूत्र संचालन श्रीमती कुंतलजी तोष्णीवाल ने बखूबी किया । मुख्य वक्ता डॉ. कपिलजी राठी (मुंबई) का परिचय सह प्रभारी अर्चनाजी तापड़िया ने दिया। डॉ. कपिलजी ने बहुत ही सरल भाषा में हार्ट अटैक के कारण, लक्षणों को पहचान कर निवारण की रणनीति

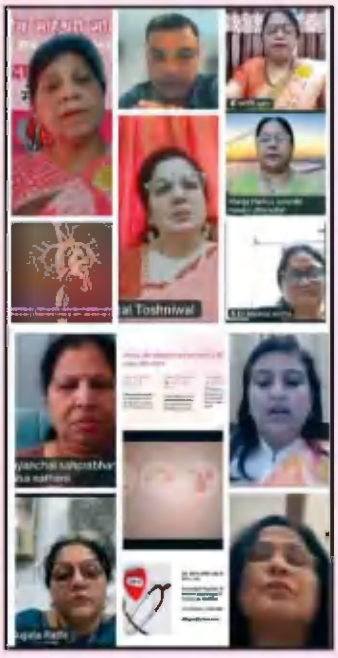

बताई। संतुलित आहार, व्यायाम व तनाव रहित रहकर इससे कैसे निजात पाई जा सकती है, उदाहरण सहित समझाया । कार्यक्रम की सटीक समीक्षा डॉ. अल्पनाजी लड्ढा ने की। सह प्रभारी सुजाता राठी, प्रतिभा नत्थानी व रीना राठी द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर देकर डॉ. कपिलजी ने सभी की जिज्ञासा शांत की। समिति प्रदर्शक श्रीमती मंजुजी हरकुट के आभार ने सभी का दिल जीत लिया । राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गई ।

समिति प्रभारी–कुंतल तोषनीवाल, चित्तौड़गढ़

संस्कार सिद्धा बाल एवं किशोरी विकास समिति

उत्सव के रंग कला के संग राष्ट्रीय आयोजन ''रेनबो''

निखारे सँवारे नव पीढ़ी को,उन्नत करे स्वाभिमान।
संस्कृति का पोषण करें, देकर कला का ज्ञान ।।

उपरोक्त उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत संस्कार सिद्धा बाल एवं किशोरी विकास समिति द्वारा पंच दिवसीय कार्यशाला **''रेनबो''** उत्सव के रंग कला के संग का आयोजन 20 अगस्त 2023 से दिनांक 17 सितंबर 2023 तक प्रत्येक रविवार को किया गया।

ज़ूम सभागार में उपस्थित एक हजार बालिकाएँ एवं किशोरियाँ इस अनोखी कार्यशाला से लाभान्वित हुई ।इस कार्यशाला के समापन के दिन सम्माननीय अतिथि के रुपमें चार चांद लगाये राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड ने । कला विचारों को मूर्त रूप में परिणत कर देती है ।वह हमारी संस्कृति और परम्परा की संवाहक बन उत्सव के आनंद को द्विगुणित करती है । यह कहकर मंजुजी ने कला का महत्व ज़ूम सभागार मे उपस्थित सभी श्रोतागणों को बहुत सुंदर शब्दो में बताया। सावन में आनेवाले सभी त्योहारों की शुभकामना देते हुए उन्होंने कहा कि जिंदगी में कभी उदास ना होना, कभी किसी बात पर निराश ना होना,ये ज़िंदगी एक संघर्ष है चलती रहेगी, कभी त्योहारों संग ख़ुशियों भरा जीने का अंदाज़ ना खोना। इतना महत्वपूर्ण जीवन का मूलमंत्र देकर रेनबो के सुंदर,सुखद आयोजन के लिये मंजुजी ने समिति की प्रशंसा की।

उनके प्रेरक वक्तव्य से एवं उच्च विचारों से सभी प्रभावित हुए। रेनबो की प्रथम कार्यशाला में दि.20 अगस्त को श्रीमती चंचल राठी (गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज) ने पुष्पों द्वारा झूला सजाने एवं लड्डू गोपाल की पोशाक बनाने का नवीन कल्पनाओं द्वारा प्रशिक्षण दिया। जन्माष्टमी के दिन कई प्रशिक्षित किशोरियों ने अपने-अपने घर में झूले सजाये। ख्याति नाम रेझीन आर्टिस्ट श्रीमती आयुषी माहेश्वरी ने रेझीन की सुंदर राखियों एवं राखी प्लेटों का प्रशिक्षण दिया जिसे बाल एवं किशोरियों ने बड़े मनोयोग से सीखा। इस कार्यशाला की दूसरी सभा रविवार दिनांक 27 अगस्त को आयोजित की गई। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती मोनाली काबरा ने पिंडा डेकोरेशन के कई प्रकार सिखाये एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रंगोली आर्टिस्ट कुमारी प्रगति सुधा के द्वारा रंगोली का अनोखा प्रशिक्षण दिया गया ।

कला का कारवां आगे बढ़ा दि.3 सितंबर को भारत की लोकप्रिय कुकिंग एक्सपर्ट लिम्का एवं गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर श्रीमती शोभा इंदानी ने स्वादिष्ट प्रसाद बनाना सिखाया एवं राष्ट्रीय समिति प्रभारी श्रीमती अंजलि तापड़िया की वैविध्यपूर्ण सुंदर आरती थाली डेकोरेशन ने सभीका मन मोह लिया ।

10 सितंबर को सभी बाल एवं किशोरियाँ उत्साहित थी श्रीमती अमृता बियानी का सान्निध्य पाकर जो अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त अनेक कलाओं मे पारंगत हैं । उन्होंने कॉफी पेंटिंग के गुर सिखाए एवं इको फ्रेंडली गणपति मूर्ति बनाने का सहज-सरल तरीका सिखाया। सभी सदस्यों ने भी कॉफी पेंटिंग बनाने का आनंद लिया। रा.महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी ने अपने वक्तव्य में संस्कारसिध्दा समिति के कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि समयानुसार सांस्कृतिक विभिन्न पर्वों पर आवश्यक कार्यशालाएं रोचक ढंगसे समिति ने आयोजित की है एवं बाल कलाकारों के जीवन को निखारने का अनोखा कार्य समिति कर रही है। समय के साथ परिवर्तन तो आता ही है, किन्तु अपने संस्कार एवं संस्कृति को जीवित रखने का महत्वपूर्ण प्रयास समिति द्वारा सम्पन्न हो रहा है। उनके प्रेरक वक्तव्य से सभी प्रभावित हुये।

पंचम सोपान के रूप में 17 सितंबर 2023 की कार्यशाला तीन प्रशिक्षकों के सान्निध्य में संपन्न हुई। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त श्रीमती माधुरी सुधा ने बारीकियों के साथ रंगोली के आसान तरीके सिखाये। श्रीमती अनुराधा मालपानी ने गिफ्ट पैकिंग का अत्यंत उपयोगी ज्ञान दिया एवं श्रीमती अंजलि तापड़िया ने आकर्षक गिफ्ट बॉक्सेस बनाने सिखाए। प्रत्येक अंचल ने एक-एक कार्यशाला का आतिथ्य किया। दक्षिणांचल के आतिथ्य में संपन्न कार्यशाला में दीप प्रज्ज्वलन उपाध्यक्ष श्रीमती अनुसूया मालू एवं संयुक्त मंत्री श्रीमती रेणू सारडा ने किया, पश्चिमांचल के आतिथ्य में उपाध्यक्ष श्रीमती मधु बाहेती एवं संयुक्त मंत्री श्रीमती शिखा भदादा ने माल्यार्पण किया,उत्तरांचल के आतिथ्य में उपाध्यक्ष श्रीमती मंजु मान्धना एवं संयुक्त मंत्री श्रीमती मंजुहरकुट ने दीप प्रज्ज्वलन किया। पूर्वांचल में माल्यार्पण एवं पूजन किया उपाध्यक्ष श्रीमती गिरीजा सारडा एवं संयुक्त मंत्री श्रीमती निशा लड्ढा ने। समापन के दिन मध्यांचल में श्रीमती उर्मिला कलंत्री एवं संयुक्त मंत्री श्रीमती अनिता जावंधिया ने किया।

रा. समिति प्रभारी : **अंजलि तापड़िया**

अष्टसिद्धा व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति

पुस्तिका ''मानस मंथन'' का विमोचन

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की अष्टसिद्धा व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति द्वारा पुस्तिका मानस मंथन का विमोचन सांची में कार्यकारी मंडल की बैठक कौशलेंद्रम में संपन्न हुआ। महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु जी बांगड़, महामंत्री ज्योति जी राठी, महासभा के सभापति श्री संदीप जी काबरा , महामंत्री श्री अजय जी काबरा, युवा संगठन के अध्यक्ष श्री शरद जी सोनी, मध्यांचल के उपसभापति श्री विजय जी राठी, महिला संगठन की कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण जी लड्ढा, संगठन मंत्री श्रीमती ममता जी मोदानी, निवृत्तमान अध्यक्ष श्रीमती आशा जी माहेश्वरी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुशीला जी काबरा, समिति प्रदर्शक श्रीमती मधु जी बाहेती, समिति के सभी आंचलिक सह प्रभारी एवं गणमान्य की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

ज्ञान का दीपक यूं ही जलता रहेगा,
अंधेरा हरदम हाथ मलता रहेगा

रुकेगा नहीं यूं मंझधार में कभी काफिला,
मानस मंथन से यूं ही चलता रहेगा ।

यदि किसी क्षेत्र में महारथ हासिल करनी हो तो उसके लिए ज्ञान और कौशल दोनों का होना आवश्यक है , मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि ज्ञान कौशल पर आधारित मानस मंथन आपको अपने पद की जिम्मेदारियों के गरिमापूर्ण निर्वहन हेतु एक मार्गदर्शक सिद्ध होगी ।

डॉ. नम्रता बियाणी, राष्ट्रीय समिति प्रभारी

मकर संक्रांति का महत्व

मकर संक्रांति लोक संस्कृति का पावन पर्व हमारे देश में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। बंगाल में इस दिन स्नान पूजा कर मंदिर जाते हैं। परिवारों के साथ मिलकर वन भोज करने जाते हैं। खिचड़ी मुख्य भोजन बनता है।

कुछ जगहों में इस विशु भी कहते हैं। आदिवासी बादना बुलाते हैं। बिहार में इसे दहीचूड़ा, तो महाराष्ट्र में मकर संक्रांति, असम में बिहू कहते हैं। पंजाब में लोहड़ी की धूम है। तमिल इसे पोंगल बुलाते हैं तो मध्य प्रदेश में घुघोलिया।

नेपाल में भी यह त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। थारू समुदाय का ये विशेष पर्व है। उत्तर प्रदेश में तिल गुड़ तो गुजरात में इसे उत्तरायण बुलाया जाता है। खूब जोर-जोर से पतंग का उत्सव मनाया जाता है। राजस्थान में इसे चलित भाषा में संक्रांत कहते हैं। इस दिन घर की बहू से विशेष नेगचार करवाये जाते है। नवीन कपड़े पहनते हैं। 14 वस्तुओं का दान किया जाता है। इसे हम तेरुंडा कहते हैं। गाय को गुड़ खिलाते हैं। तिल गुड़ के लड्डू दान दिए जाते हैं। यह महापर्व श्रद्धा और आस्था का है तथा इसका बड़ा महत्व है।

इसी दिन से सूर्य नारायण उत्तरायण में प्रवेश करते हैं। मकर संक्रांति के नाम की व्याख्या करें तो मकर शब्द का अपना विशेष स्थान है। यह जल जंतुओं में सर्वश्रेष्ठ है। जो गंगा जी का वाहन है। मकर को नौ निधियों में से एक माना गया है। मकर एक राशि है। सूर्य देव संक्रांति पर्व में मकरस्थ होते हैं।

संक्रांति इस दिन सूर्य का 12 राशियों में संक्रमण होता है। शनि देव यानी कि सूर्यपुत्र के प्रकोप से बचने के लिए इस दिन सूर्य उपासना के साथ गायत्री मंत्र के जाप का विधान है। नदियों के बहते निर्मल जल में स्नान करने की हमारी चिर पुरातन लोक मान्यता है। इस दिन तिल, गुड़, गर्म वस्त्र इत्यादि दान देने का विधान है। शीत के प्रकोप से बचने के लिए धूप सेवन अच्छा है। तिल, घी , गुड़ इत्यादि का सेवन करने के लिए हमारे विद्वान कहते हैं। स्नान से जहां तन मन और वाणी की पवित्रता आती है, वहीं अपने धन के कुछ अंश को सुपात्र को दान देने से मानसिक शांति भी मिलती है। इस दिन ज्ञान दान भी करें।

भारतवर्ष में पूरे साल ऋतुओं, तिथियां, और राशियों आदि के अनुसार त्योहारों को मनाने की अपने एक विशेष परंपरा रही है। जिन्हें आदिकाल से हमारे विद्वानों ने, हमारे मुनियों ने सब के हितार्थ और सब के लिए कल्याणकारी माना है। पर्वों को मनाया भी है। मकर संक्रांति के दिन पवित्र गंगा मैया के द्वारा भागीरथ के पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति हुई।

फलस्वरुप कपिल मुनि के आश्रम में गंगासागर में बहुत बड़े मेले का आयोजन होता है। कहते हैं कि-''सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार''। यही वह स्थान है जहां गंगा समुद्र से मिलती है ।हमारे देश में विविधता में एकता का सुंदर उदाहरण मकर संक्रांति का पर्व है। यह सुदूर उत्तर से दक्षिण के अंतिम छोर तक और पूर्व में अरुणाचल से पश्चिम में गुजरात तक जोर-जोर से व उत्साह से मनाया जाता रहा है। नाम भले ही अलग-अलग पुकारे जाते रहे हो, पर पर्व में आनंद एक ही रहता है। हमारे शरीर को रोग प्रतिरोधक बनाने में निश्चय ही हमारे पर्व और त्योहार भी सहायक सिद्ध हुए हैं। हमारा सनातन धर्म विश्व को अपना कुटुंब मानते हैं। सारा संसार ही ऐसी आनंद लहरी में डूबे और रोग मुक्त हो प्रसन्न रहें।

सरोज मालपानी, बोलपुर (शांति निकेतन) प. बंगाल

स्वाद के साथ सेहत का भी वर्धन करने वाली व्यंजन विधियाँ

डेट एण्ड नट पिकल

सामग्री : 1/2 किलो खजूर (धोकर महीन काट लें), 1/2 कप बारीक कटे काजू, 1/2 कप कटे बादाम, 1/4 कप कटा हुआ अखरोट, 1/4 कप बीज निकाली मुनक्का, 1 चम्मच काले तिल, 1/4 कप नींबू का रस,2-3 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, नमक, घी।

विधि : खजूर को 2 चम्मच घी में सेंक लें। नम्र होने तक सेकें। आवश्यकता पड़ने पर पानी मिला दें। नींबू का रस मिलाकर सारी सामग्री मिला दें। चमक आने तक पकाएं। अब इसे बरनी में भरकर रखें। चपाती और ब्रेड के साथ खाएं।

कुकुंबर कैनोपीज

सामग्री : 1/2 किलो ककड़ी (थोड़ी मोटी), 2 कप उबला राजमा, 1 कप सालसा सॉस, 1/2 चम्मच काली मिर्च पाउडर (ऐच्छिक), पोदिना के पत्ते, नमक

सॉलसा सॉस की सामग्री : 1 प्याज, 2 टमाटर, 3 शिमला मिर्च, 1/2 चम्मच ओरेगानो, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच टमाटर सॉस, 2-3 बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक स्वादानुसार, तेल।

विधि : बारीक प्याज काट लें। टमाटर को कांटे में फंसाकर गैस पर सेंक लें। ऊपर की स्कीन फटते ही उसे निकाललें। स्कीम और बीज निकालकर बारीक काट लें। शिमला मिर्च के चीज निकालकर बारीक कांटे। अब 2-3 चम्मच तेल गर्म करें। पहले प्याज गुलाबी होने तक भुने। अब टमाटर, शिमला मिर्च मिलाकर पकने दें। गाढ़ा होने पर सॉस, मिर्च, ओरेगानो, नमक मिलाकर रख दें।

ककुंबर केनोपीज बनाने की विधि : कड़ाही में सॉलसा सॉस डालकर राजमा भी मिला दें। अच्छी तरहर सेंककर ठंडा होने दें। अब ककड़ी को छीलकर एक इंच मोटाई में काट लें। एक तरफ से स्कुपर से स्कुप करके अंदर से थोड़ा खोखला करें। उसमें राजमा का मसाला रखकर पोदिना या तुलसी के पत्ते से सजाएं। ठंडा करके परोसें।

मिनी स्पिनेच पिज्जा

सामग्री : 2 गड्डी पालक (उबलते हुए पानी में डालकर निकाल लें, पानी निथारकर बारीक काट लें) आधा-आधा कप पनीर और चीज (कद्दूकस किए हुए), 2 टी स्पून ग्रीन चिली सॉस, आधा टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, नमक, काली मिर्च पाउडर और पिज्जा मसाला स्वादानुसार, थोड़ा सा बटर, 10-14 मिनी पिज्जा बेस।

विधि - कटा हुआ पालक, पनीर, चीज, चिली सॉस, नमक, काली मिर्च पाउडर, हरी मिर्च का पेस्ट मिला लें। पिज्जा बेस पर बटर लगाए। पालक पनीर का मिश्रण फैला दें। कद्दूकस किया हुआ चीज डालकर अवन में चीज पिघलने तक गिल कर लें। पिज्जा मसाला छिड़ककर सर्व करें।

दीप प्रज्वलन

पारम्परिक स्वागत व अगुआई के साथ सदन में रा.अ. व मंत्री का प्रवेश

रा.अ. मंजुजी आशीर्वचन देते हुए

रा. महामंत्री ज्योति राठी सचिवीय प्रतिवेदन देते हुए

अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन

मध्यांचल उपा. श्री विजयजी राठी का स्वागत

मुख्य अतिथि विपिनजी माहेश्वरी का सम्मान

गोल्डन बुक रिकार्ड प्रमाण-पत्र

गीताजी का सम्मान

रा.अ.सौ. मंजुजी बांगड़ का स्वागत

रा. महामंत्री ज्योतिजी का स्वागत

रा. कोषाध्यक्ष का स्वागत

निवृत. अ. आशाजी माहेश्वरी का सम्मान

ममताजी मोदानी का सम्मान

शक्ति वंदनम् सम्मान

वि.अतिथि राजेश माहे. उद्बोधन देते हुए

अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट की बैठक में सम्मान नये ट्रस्टी का

मां रत्नीदेवी कावरा मेले का शुभारंभ करते हुए

कौशलेन्द्रम् का दिग्दर्शन

साईबर क्राइम से बचाव नाटिका द्वारा

गठबंधन समिति द्वारा नाटक मंचन

कठपुतलियों के माध्यम से सुंदर एवं प्रस्तुति

कौशलेन्द्र - रम्यम् का मंचन

युगल सिद्धा द्वारा नृत्य प्रस्तुति

'रामसेतु' रघुकुल रीत सिद्धा की टीम

विलुप्त होती रौनकें तथा विलुप्त होते संस्कार

भारत वर्ष के पर्वों का यदि समय और महत्व देखा जाये, तो इनकी महत्ता स्वयंसिद्ध है। बुराई पर अच्छाई/अंधेरे पर प्रकाश/अज्ञानता पर ज्ञान का प्रतीक ही तो है ये पंचदिवसीय दीपोत्सव पर्व।

देश की संस्कृति को प्रतिबिंबित करता हर पर्व ,हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा है–साथ ही प्राचीन काल एवं परंपराओं से जुड़ाव के महत्वपूर्ण कारक हैं।

पर्व हमारे जीवन में तनाव मुक्ति द्वारा उत्साह,उमंग और नवीनता को प्रत्यारोपित कर वर्ष पर्यंत ऊर्जान्वित करते हैं। जिस तरह सम्मेलनों का आयोजन परिपाटी बनते जा रहे हैं–उससे ये उत्सव सामाजिक एकता के स्रोत का भी सर्वोत्तम आधार बन चुके है। बच्चों का भी सांस्कृतिक विकास कार्यक्रमों के माध्यम से होता ही है।

किसी भी बड़े कार्य का शुभारम्भ,किसी बड़ी वस्तु का क्रय त्योहारी अवसरों पर शुभ माना जाता है,जिससे एक सकारात्मक सोच को बल मिलता है अर्थात प्रारंभ किया कार्य असफलता के क़द को न्यून करता है।

बाज़ारों की रौनक़ें,व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि,नवीन उत्पादों द्वारा क्रयकर्ताओं की संतुष्टि–आर्थिक नीति को विकसित करते हैं। वर्तमान में गहनता से चिंतन का एक विचारणीय विषय उभर कर आया है –पर्व तो वही हैं ,किंतु उनके परिवर्तित प्रारूप से पर्वों की रौनक़ें विलुप्त प्राय हैं। अवकाश लेकर परिवार के साथ सम्मिलित होना कहीं खो सा गया है। मित्रों के साथ मौज मस्ती, ताश पार्टी, सिनेमा, बाहर से ऑर्डर कर खाना मंगाने की कुप्रथा या सप्ताहांत घर से कहीं दूर चले जाना–नई संस्कृति के रूप में विकसित हो रही हैं और ये तब हो रहा है जब ये नयी पीढ़ी जानती है कि उनके वंशज –उनका अनुसरण कर रहे है।

अपनी जीवन –यात्रा में परिवर्तनों के कई दौरों से गुजर कर–हमारी सशक्त और क्षमतावान पीढ़ी–नवीन विचारधारा में घुल–मिल कर,उनकी ख़ुशियों में सम्मिलित होकर,अपने लिए सुख–शांति बिछौना बना लेते हैं,किंतु नयी पीढ़ी संभवतया इतनी मज़बूत सोच और इरादे वाली नहीं हो, जो ये समझ सके कि–

इन पर्वों को परिवार और परिजनों के साथ सम्मिलित रूप से मनाना हमें कितना कुछ सिखाता और दे जाता है।

कविता माहेश्वरी (मथुरा)

लक्ष्मीजी को निमंत्रण कैसे दें?

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार मानव ने लक्ष्मीजी को निमंत्रण दिया। लक्ष्मी माँ आप हमारे घर पधारे। लक्ष्मीजी ने कहा–हे मानव मैं सूरज की रोशनी में नहीं आ सकती रात को ही मेरा आगमन होगा। मानव ने रात में लक्ष्मीजी को अपने घर आने का निमंत्रण दे आया। अपने घर को रंगाया, पुताया, मांडना, रंगोली बांदरवाल से सजाया, स्वादिष्ट पकवान बनाए, नए–नए वस्त्र धारण किए और लक्ष्मीजी का इंतजार करने लगा। इधर लक्ष्मीजी भी मानव के घर जाने के लिए सज–धज के तैयार हुई। जैसे ही कदम आगे बढ़ाया चंद्रमा की तेज लालिमा से भयभीत हो गई और वापिस लौट गई मानव इंतजार करता रहा, लक्ष्मीजी नहीं आई। अगले दिन मानव लक्ष्मीजी के पास गया और कहा आप हमारे घर नहीं आई, लक्ष्मीजी ने कहा–चांदनी रात में नहीं आ सकती जिस रात आसमान में चंद्रमा नहीं

होगा उस रात आऊंगी। मानव ने उसी रात का निमंत्रण दे दिया वो समय भी आ गया। मानव ने अपने घर को रंगाया पुताया, सजाया पकवान बनाए, नए वस्त्र धारण किए और लक्ष्मीजी का इंतजार करने लगा। इधर लक्ष्मीजी भी सज–धज के तैयार हुई और जाने लगी घनघोर अंधेरा में एक पत्थर से टकराते हुए भयभीत हो गई और वापिस लौट कर चली गई। मानव भी रात भर इंतजार किया, लक्ष्मीजी नहीं आई फिर लक्ष्मीजी के पास गया और कहा–आप हमारे घर क्यों नहीं आई लक्ष्मीजी ने कहा–इतना भयानक घनघोर अंधेरा में नहीं आ पाऊंगी। मानव निराश हुआ जाकर अपनी पत्नी को सारी बात बताई। पत्नी ने कहा–आप निराश मत हो इस महीने में कार्तिक की अमावस्या पर आप लक्ष्मीजी को निमंत्रण दे आओ। मानव ने जाकर कार्तिक की अमावस्या को आने का निमंत्रण दे दिया। मानव की पत्नी कुम्हार के पास गई, छोटे छोटे दीपक के साथ एक बड़ा दीपक भी लेकर आई, घर को सुंदर सजाया, नए वस्त्र धारण किए, स्वादिष्ट पकवान बनाए और दीपक जलाने के लिए रुई की बाती बनाई। सभी दीपक में लगाकर वरुण देवता से प्रार्थना की हे वरुण देवता आज मेरे घर लक्ष्मीजी आने वाली है आप शांति बनाए रखना और जिस राह से लक्ष्मी जी आने वाली हैं उन राहों पर छोटे छोटे दीपक जला दिए। एक बड़ा दीपक अपने घर के आंगन में जला कर रख दिया। इधर लक्ष्मी जी ने भी सज–धज के बड़े ही उत्साह के साथ मानव के घर की तरफ कदम बढ़ाए। पूरी राह में दीपक की रोशनी देखकर प्रसन्न मन से दीए की आड़ मे चलने लगी। आगे एक आंगन के पास रुक गई, जहां बड़ा सा दीपक जल रहा था। उसकी रोशनी देखकर सोचा की जरूर ये ही मानव का घर हैं और घर मे प्रवेश किया। इधर वरुण देवता ने भी माता लक्ष्मी जी के दर्शन किए और अपने आपको रोक नहीं पाए। जोरों की हवा चलने लगी, तेज हवाओं से मानव के घर के द्वार बन्द हो गए, और लक्ष्मीजी मानव के घर सदा के लिए बिराजमान हो गई। और आज भी मान्यता यही हैं की इस दिन हम लक्ष्मी जी को आमंत्रित करते है,और इस खुशी मे दीपावली मनाते है।

सौ. शशी डोंगरा, कटक (उड़ीसा)

बुजुर्ग जनों पर सुंदर विचार

बूढ़े न हों, वरिष्ठ बनें, दोनों के अंतर को समझें, और जीवन का आनंद लें।
इंसान को उम्र बढ़ने पर बूढ़ा नहीं, बल्कि वरिष्ठ बनना जरूरी हैं।
बुढ़ापा अन्य लोगों का आधार ढूँढता है, वरिष्ठता लोगों को आधार देती है।
बुढ़ापा छुपाने का मन करता है, वरिष्ठता उजागर करने का मन करता है।
बुढ़ापा अहंकारी होता है वरिष्ठता अनुभवसंपन्न, विनम्र व संयमशील होती है।
वरिष्ठता युवा पीढी को बदलने समय के अनुसार, जीने की छूट देती है, सही विचारधारा को।
बुढ़ापा नई पीढ़ी पर अपनी राय थोपता है, वरिष्ठता तरुण पीढ़ी की राय समझाने का प्रयास करती है।
बुढ़ापा जीवन की शाम में अपना अंत ढूंढ़ता है, वरिष्ठता जीवन की शाम में भी एक नए सवेरे का, इंतजार करती है
यह सब युवा बच्चों की स्फूर्ति से प्रेरित होती है
वरिष्ठता और बुढ़ापे के बीच के अंतर को गम्भीरता पूर्वक समझकर जीवन का आनंद पूर्ण रूप लेने में सक्षम बने
उम्र कोई भी हो, सदैव फूल की तरह खिले रहिए, उमंग उत्साह में रहिए, और दूसरों के जीवन के लिए प्रेरणा बनिए।
हम सबके अपने बड़े बुजुर्ग हमारे घर की शोभा है, शान है, इनका सम्मान करना हमारा कर्तव्य है, यह हमारे सुरक्षा कवच है।

मोटिवेशन टिप्स विद–**सुमन जाजू**

मंदिर जाने के 31 फायदे, जाने उनका महत्व

मंदिर में कदम रखते ही हमें ईश्वर की भक्ति के अलावा कई चौमुखी लाभ मिलते है जिनका विवरण नीचे की पंक्तियों मे किया गया हैं।

1. मंदिर जाने से हमारा सुबह ब्रह्म मुहुर्त में जगने का नियम बनता हैं और हम उठते ही अपने नित्य कर्म जैसे उषापान, शौच, दन्त धावन, स्नान आदि से निवृत हो जाते है।
2. पास के मंदिर पैदल जाने से हमारा भ्रमण व्यायाम होता हैं, प्राण वायु मिलती हैं और उगते हुए सूर्य की दिव्य लालिमा का अवलोकन होता हैं।
3. मंदिर के घंटी की 7 सेकंड की टन्कार पर ध्यान केन्द्रित होने से हमारा मन सभी संसारिक विषमताओं से हट कर प्रभु के चरणों मे अर्पित हो जाता है।
4. हम मंदिर में भगवान को अर्पित फूलों की खशबू से हमें स्वास्थ्य लाभ मिलता है और उत्साह वर्धन होता हैं।
5. मंदिर में अर्पित भिन्न भिन्न फूलों के विविध रंगों से हमारे अन्तरमन को सुकून मिलता है।
6. मंदिर में कपूर और अगरबत्ती की दिव्य सुगंध से हमारी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती हैं और नकारात्मकता समाप्त होती है। हाल ही में फैले स्वाइन फ्लू/कोरोना के जैविक संक्रमण से बचने मे कपूर की अहम भूमिका की बहुत चर्चा हुई थी।
7. मंदिर में अपने जीवन के उद्देश्यों को दोहराते है और ईश्वर से सफलता का आशीर्वाद माँगते हैं।
8. सुबह उठते ही हम उस दिन की कार्य सूची का ध्यान करते हैं और मंदिर में वहाँ उन सभी कार्य को पूरा करने हेतू कठोर परिश्रम का संकल्प लेते हैं।
9. जब हम मंदिर में आरती और कीर्तन के दौरान ताली बजाते है तो हमें इस एक्यूप्रेशर से स्वास्थ्य लाभ मिलता है।
10. आरती मे बजाये जाने वाली छोटी घंटी से हमारा पित्त दोष सन्तुलित होता है। शायद इसी कारण से गऊमाता के गले मे भी घंटी बाँधी जाती है क्योंकि ये सर्वमान्य है गाय मे पित्त ज्यादा होती हैं।
11. आरती के दौरान चालीसा के जाप से हमारी वाणी मे दिव्यता आती है। ओम् के उच्चारण से हमारा चित्त एकाग्र होता हैं।
12. आरती के बाद शंख बजाया जाता जो श्रद्धालुओं के लिए बहुत सुखदायी और स्वास्थ्य वर्धक है।
13. आरती के बाद हम भारत माता की, गंगा मैया की जय बोलते है जिससे हमारी देश भक्ति जागृत होती है।
14. हर मंदिर में आरती के बाद गौ रक्षा और गौ हत्या बंद होने का संकल्प ज़रूर दोहराते है।
15. आरती के बाद हम ज्योति पर अपना हाथ घुमा कर अग्नि स्पर्श करते है। इससे हमारी कोशिकाओं को दिव्य उष्णता मिलती हैं और हमारे भीतर पल रहे सभी जीवाणु संक्रमण समाप्त हो जाते है।
16. ज्योति पर हाथ फेरने के उपरान्त हम अपनी ऊष्म हथेलियों को आंखों से लगाते हैं। यह गर्माहट से हमारी आँखो के पीछे की सूक्ष्म रक्त वाहिकाओं को खोल देती हैं और उन में ज्यादा रक्त प्रवाहित होने लगता हैं जिससे हमारी आँखो कि ज्योति मे वृद्धि होती है।
17. ज्योति पर हथेली रखना हमारे द्वारा हुई सभी भूल चूक के प्रायश्चित का भी प्रतीक है।
18. आरती के बाद हम दण्डवत हो कर माथा धरती पर लगाते है। तो हमारा घमण्ड चूर चूर होकर धरती मे समाहित हो जाता है।
19. मंदिर में भगवान के दर्शन के बाद हमें तुलसी, चरणामृत

और प्रसाद मिलता है। चरणामृत एक दिव्य पेय प्रसाद होता है जिसे गाय के दुग्ध, दही, शहद, मिश्री, गंगाजल और तुलसी से बना कर विशेष धातु के बर्तन में रखा जाता है। आयुर्वेद के मुताबिक यह चरणामृत हमारे शरीर के तीनों दोषों को संतुलित रखता है।

20. चरणामृत के साथ दी गई तुलसी हम बिना चबाए निगल लेते हैं जिससे हमारे सभी रोग ठीक हो जाते हैं।
21. मंदिर में पूजा अर्चना के बाद जब हम भगवान की मूर्ति की परिक्रमा करते है। पूरे ब्रह्मांड की दैवीय ऊर्जा गर्भस्थान के शिखर पर विद्यमान धातु के कलश से प्रवाहित हो कर ईश्वर की मूर्ति के नीचे दबाई गई धातु पिंड तक जाती है और धरती में समा जाती है। गर्भस्थान की परिक्रमा के दौरान हमें इस ब्रह्मांडीय उर्जा से लाभ मिलता है।
22. मंदिर की भूमि को सकारात्मक ऊर्जा का वाहक माना जाता है। यह ऊर्जा भक्तों में पैर के जरिए ही प्रवेश कर सकती है। इसलिए हम मंदिर के अंदर नंगे पांव जाते हैं।
23. मंदिर से बाहर आते हुए फिर से घंटी बजा कर हम सांसारिक जिम्मेदारियों में वापिस आ जाते हैं।
24. मंदिर में सूर्य को जल अर्पित करने से हम उसकी आलौकिक किरणों से लाभान्वित होते हैं।
25. पीपल,बड़, बरगद को जल अर्पण करने से हमे वहाँ फैली खास तरह की ऑक्सीजन मिलती है। ये सभी एक दिव्य वृक्ष है जो बहुत अधिक मात्रा में प्राणवायु को चारों और विसर्जित करते हैं। इसके पत्ते इतने संवेदनशील होते है कि वे रात्रि मे भी चंद्रमा की किरणों से आक्सीजन पैदा करते हैं।
26. मंदिर में हम तुलसी के पौधे और केले के पेड़ को भी जल देकर तृप्ति अनुभव करते है।
27. मंदिर मे बाहर आकर हम वहाँ मौजूद ज़रूरतमंदों को दान पुण्य करते है जिससें हमारे मन मे शान्ति आती है।
28. मंदिर के माध्यम हम अपनी कमाई का दशम सामाजिक कार्यो में लगाते है और समाज में समरसता और सौहार्द आता है।
29. आजकल शहर में घरों में गौ माता रखने का प्रवधान नही है पर हम मंदिर जा कर गौ ग्रास देकर अपने संस्कारों को जारी रख सकते है।
30. मंदिर नित दिन जाने से हमारा नये धार्मिक लोगों से परिचय होता है।
31. मंदिर जाने से हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा बढती है।

मंदिर जाने से वहाँ के पुरोहित जी से आशीर्वाद मिलता है और हमें पंचांग आदि जैसी कई ज़रूरी सांस्कृतिक जानकारी मिलती है। पंचांग के श्रवण या पठन से हमें अपनी धार्मिक ज़िम्मेदारियों का पालन करने में मदद मिलती है और हमारा कल्याण होता है।

मंदिर में सभी वेद, पुराण, गीता, रामायण, महाभारत, आदि होते हैं जिन्हें पढ़ कर हम अपना जीवन सफल कर सकते है।

जीवन मे उपयोग में लायें और पचायें

दूध ना पचे तो	सोंफ
दही ना पचे तो	सोंठ
छाछ ना पचे तो	जीरा व काली मिर्च
अरबी व मूली ना पचे तो +	अजवायन
कड़ी ना पचे तो	कड़ी पत्ता
तेल, घी, ना पचे तो	कलौंजी
पनीर ना पचे तो	भुना जीरा
भोजन ना पचे तो	गर्म जल
केला ना पचे तो	इलायची
ख़रबूज़ा ना पचे तो	मिश्री का उपयोग करें

''आस्था-मकर संक्रांति पर्व की''

मकर संक्रांति प्रतिवर्ष जनवरी के 14 या 15 तारीख को आती है। यह उत्सव समूचे भारत में मनाया जाता है । यह सूर्य आराधना पर्व है । इसे सौरमास भी कहा जाता है। इस दिन से सौर वर्ष की शुरुआत मानी जाती है जब की सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में गति करने लगता है ।उत्तरायण सूर्य धनु राशिसे मकर राशीमे गमन करने लगता है।इसीलिए इसे मकर संक्रांति कहते है। इसी के साथ दिन बड़ा होने लगता है और रात छोटी होने लगती है । सूर्य प्रकाश ज्यादा देर तक मिलने से हमारी क्षमता और कार्य शक्ति बढ़ जाती है। इसे अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला त्योहार भी कहां जाता है । यह पर्व भारत के अलग-अलग प्रांतों में अलग अलग नाम से मनाया जाता है।

दक्षिण भारत में पोंगल के नाम से मनाया जाता है।आसाम में बिहू के नाम से, बिहू में लोकगीत और नृत्य की लय में थिरकते युवा युवतियां बडे प्यारे लगते हैं ।पंजाब में लोहरी नाम से मनाया जाता है। पंजाब की कुडियां ढोल नगाड़े की गूंज पर जब भांगडा करती हैं तो वह नजारा, वह जोश देखने लायक होता है । संक्रांति को पतंग उत्सव भी कहा गया है । छत पर , खुले मैदानों पर पतंगबाजी होती है तब हमें खुली हवा के साथ सूर्य प्रकाश की किरणोंका लाभ मिलता है जो हमें डी विटामिन देता हैं और हड्डियों को मजबूत भी करता हैं। संक्रांति में नदी स्नान का महत्व माना गया है । इस पर्व में नदियों को अधिक देर तक सूर्य प्रकाश मिलने के कारण नदियाँ ज्यादा भांप निर्माण करती है , ऐसे पानी में नहाने से हम रोगमुक्त होते है । संक्रांति में तिल और गुड़ से बनी मिठाई तथा खिचड़ी खाई जाती है , जो शरीर को पोषक तत्व देती हैं और पाचन शक्ति को बढ़ाती हैं ।सर्दियों में शरीर का तापमान गिर जाता है ।तिल और गुड़ के सेवन से शरीर गर्म रहता है और बाहरी तापमान से अंदरूनी तापमान का आदान-प्रदान होता है। तिल में कॅल्शियम, आयरन जैसे अनेक महत्वपूर्ण घटक प्रचुर मात्रा में पाए जाते है ,जो हमें ऊर्जा प्रदान करते हैं। तिल और गुड़ से बनी मिठाई संक्रांति के दिन हम एक-दूसरे को बांटते है और हम एक दूसरे से मीठी बोली की कामना करते हैं। महाराष्ट्र में तो ''तिळगुळ घ्या, गोड गोड बोला'' संक्रांति का मंत्र ही माना गया है । याने तिल लो और मिठा मिठा बोलो।तिलगुल बांटने से आपसी स्नेह भाव बढ़ता है, पुराने गिले-शिकवे-शिकायत भुलाए जाते हैं और दोस्ती का हाथ आगे बढ़ता है। इस उत्सव को दान पर्व भी कहां गया है। दान अर्थात ज़रूरतमंदों की सहायता, बिना किसी अपेक्षा से करना । यह दान हमें सामाजिक कर्तव्य का बोध कराता है। संक्रांति त्योहार हमें कितने अच्छे अच्छे विचार देता है , कितनी अच्छी-अच्छी बातें सिखाता है। तो अबकी बार जब संक्रांति आएगी तब हम इन सभी बातों को याद करके खूब आनंद से और सजगता से यह त्योहार मनाएंगे।

''शुभस्य शीघ्रं को अपनायें ।''

- सौ. अंजलि तापड़िया, पुणे

उत्तरांचल

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

त्यौहारों के रंग में बहनों ने किया दीप दान एवं हरिद्वार में बारहमासी स्नान तथा डांडियां

त्यौहारों के रंग – सखियों के संग–अक्टूबर – नवम्बर महिने में रही पर्वों की बहार, सेवा कार्यों, भजन कीर्तन, रास गरबा–डांडिया, दीवाली मिलन के साथ गोवर्धन पूजा,अन्नकूट छप्पन भोग तथा दीपदान करके दर्शाया सभी ने उत्साह से।

दार्जिलिंग निवासी युवा कृष्णा पेड़ीवाल के इलाज़ हेतु अखिल भारतीय महिला संगठन द्वारा चिकित्सा सहयोग की अपील कार्यक्रम अन्तर्गत दिल्ली प्रदेश की बहनों द्वारा 1,43,800/– की सहयोग राशि राष्ट्रीय अकाउंट में जमा करवाई गई। जरुरतमंद परिवार की कन्या के विवाह में 15000/– नक़द तथा दायज़ा का सामान दिया गया।

चंद्रग्रहण तथा कार्तिक एकम के दिन 28 बहनों के साथ हरिद्वार बारहमासी स्नान के पांचवे महिने का स्नान किया गया। प्रदेश के षष्ठम सत्र की टीम के पद, फ़ोन नंबर के साथ फ्लिप डायरेक्टरी बनाई गई।

दिल्ली में कार्यरत सभी वर्किंग बच्चों तथा बहन बेटियों के डाटा संकलन करके ''स्वयंसिद्धा'' नाम से फ्लिप बुक बनाई गई जिसका ऑनलाइन विमोचन राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजूजी बांगड़ द्वारा करवाया गया।

फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस त्रिदिवसीय वर्कशॉप करवाई गई जिसमें बहुत ही सरल शब्दों में धन संचयन, अर्थ ना जाएं व्यर्थ, 50/30/20 का सिद्धांत, लाइफ/मेडिकल इंश्योरेंस, सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लानिंग, रिटायरमेंट प्लान के साथ जोख़िम की महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत करवाया। प्रदेश माहेश्वरी सेवार्थ फंड के अंतर्गत एक जरूरतमंद बच्चे की पढ़ाई हेतु प्रति माह 2500/– की सहायता दी जा रही है।

शारदीय नवरात्रि पर्व पर प्रदेश के सभी क्षेत्रों द्वारा माता रानी के सामूहिक भजन, कीर्तन, भंडारा, गौ सेवा तथा प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित। नवरात्रि में बेस्ट डांसिंग जोड़ी, बेस्ट कॉस्ट्यूम, मोस्ट एनर्जेटिक परफॉर्मर तथा और भी बहुत सारी प्रतियोगिता तथा आकर्षण के साथ धूम धाम के साथ रास गरबा, फन गरबा तथा डांडिया महोत्सव आयोजित किए गए।

श्राद्ध पक्ष सर्वपितृ अमावस्या पर पितरों के नाम से बहनों ने गौ माता की 108 परिक्रमा के साथ 1000 रोटी, चारा तथा दलिया सवामणि कर गौ सेवा पुण्यार्जन किया।

बच्चों का दादी मां के संग Educational Bank tour,

जिसमें बैंक प्रणाली, कैश डिपॉजिट तथा विड्रॉल, डिजिटल पेमेंट, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, लॉकर ऑपरेशन इत्यादि के बारे में ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त हुई।

''आओ फिर बचपन की मीठी यादों में खो जाएं, उम्र से तो बड़े हो गए, पर अपने अन्दर के बच्चें को जगाएं।''

बच्ची बनी महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ पुराने जमाने के गेम्स तथा इमली, नींबू रस तथा संतरे की फांके खाकर 55 में बचपन वाली मस्ती का आनन्द लिया। त्यौहारों के मौसम में परिवार के सदस्य साथ मिलकर खेल का मज़ा ले अतः 5 हफ़्ते का Big Boss का मेला रखा गया। बदलते मौसम में स्किन को हेल्थी तथा शाइनी रखने हेतु मेकअप आर्टिस्ट द्वारा विंटर केयर टिप्स पर वर्कशॉप करवाई गई।

प्र.अध्यक्ष : श्यामा भांगड़िया * प्र.सचिव : लक्ष्मी बाहेती

हरियाणा पंजाब प्रादेशिक महिला संगठन

भजनों पर नृत्य कर, गौशाला को भी भक्ति मय बना दिया

हरियाणा पंजाब प्रदेश के फरीदाबाद संगठन द्वारा 2 अक्टूबर को 40 वां स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड़ की गरिमायी उपस्थिति रही । भगवान महेश की पूजा अर्चना के बाद महेश वंदना का आगाज हुआ तथा अतिथियों का उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया। मंजुदीदी के उद्बोधन की शैली इत्र की खुशबू सी ऐसी फैली कि तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा ऑडिटोरियम गुंजायमान हो गया और राममय हो गया।

1000 समाज बंधुओं की उपस्थिति कार्यक्रम में चार चांद लगा रही थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु बागड़ द्वारा प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम शेड्स आफ बॉलीवुड थीम की रंगारंग प्रस्तुति संपन्न हुई। स्वादिष्ट भोजन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

3 अक्टूबर को फरीदाबाद महिला संगठन अध्यक्ष पुष्पा जी झंवर के द्वारा उनके निवास स्थान पर पूरी महिला संगठन के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया गया।

मंजुजी बांगड़ द्वारा प्रदेश अध्यक्ष सीमा मूंदड़ा और फरीदाबाद संगठन अध्यक्ष पुष्पा झंवर को रामजी की फोटो और पद चिन्ह की भेंट देकर उनका सम्मान किया गया। आपने कविता रूपी शब्दों से बहनों को कुछ इस तरह समझाया कि सभी वहां भाव विभोर हो गए।

प्रदेश अध्यक्ष सीमा जी मूंदड़ा द्वारा भी मंजूजी बांगड़ का स्वागत किया गया। तत्पश्चात गौ कुटीर चिकित्सालय में मंजु दीदी का भ्रमण करवाया गया। गायों को हरा चारा खिलाया गया वह राष्ट्रीय अध्यक्ष का तुलादान भी करवाया गया। आपके साथ अन्य बहनों ने भजनों पर नृत्य कर गौशाला को भक्ति मय बना दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजूजी का फरीदाबाद आगमन एक अविस्मरणीय यादगार बन गया।

संस्कृति सिद्धा समिति के अंतर्गत करवा चौथ और कार्तिक माह में कार्तिक प्रश्नोत्तरी और करवा क्विन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्कृति सिद्धा समिति पथ प्रदर्शक निशा जी लड्ढा,पश्चिमांचल उपाध्यक्ष मधु जी बाहेती अतिथि स्वरूप पधारे। निशा जी ने ऑनलाइन प्रतियोगिता को बहुत सराहा। लुधियाना संगठन की बहन प्रेमलता माहेश्वरी को बसंती देवी चांडक पुरस्कार से आकोला में सम्मनित किया जाएगा।

सुमन जी जाजू को झज्जर जिले से बीजेपी के महासचिव के पद पर नियुक्त किया गया। ये प्रदेश के लिए गर्व की बात है। दिवाली पूरे प्रदेश में बड़ी ही धूमधाम से मनाई गई एवं दिवाली मिलन के कार्यक्रम रखे गए।

कोलकाता के कृष्णा पेरिवाल के इलाज हेतु प्रदेश द्वारा 28,500 की राशि भेजी गई।

अध्यक्ष–सीमा मूंदड़ा * सचिव–अनु सोमानी

पूर्वी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

''मानवता की सेवा ही जीवन का सर्वोत्तम कार्य है''

''मानवता की सेवा ही जीवन का सर्वोत्तम कार्य है'' इस सूत्रवाक्य का अनुसरण करते हुए माहेश्वरी महिला संगठन,वाराणसी द्वारा सेवा माह के अंतर्गत आदिवासी क्षेत्रों से अत्यंत निर्धन परिवारों की बच्चियों के उत्थान और उन्नयन के लिए सेवा कार्य किया गया।

सेवाकार्य में संगठन की कई सदस्याओं द्वारा मुक्तहस्त से दैनिक उपयोग की सामग्रियों जिनमें मल्टीपर्पज बॉक्स में पेस्ट , ब्रश, फेशवास, मॉस्चराइज़र, कंघी, क्रीम, हेयर आयल, शैम्पू, शोप अन्य सामग्री तथा सेनेटरी पैड्स के पैकेट्स सहित 2 माह के भोजन के लिए चावल, दालें, मसाले, मैदा, बेसन, चूड़ा, सूजी, बिस्किट, टॉफी, आलू प्याज, फल सहित विभिन्न खाद्य सामग्री, नए कपड़े पर्याप्त मात्रा में अनुदान स्वरूप आश्रम प्रबंधन को दी गई ।

इस अवसर पर आश्रम की 30 बच्चियों ने स्वागत गीत गाये। महिला संगठन की सदस्याओं को अपने बीच पाकर बच्चियों की खुशी का ठिकाना न रहा। अत्यंत उल्लासित माहौल में सभी ने सेवाकार्य का आनंद लिया तथा आगे भी 2 माह बाद पुनः सेवा सहायता के लिए आने का आश्वासन दिया। दार्जिलिंग निवासी युवा कृष्णा पेड़ीवाल के इलाज हेतु अखिल भारतीय महिला संगठन द्वारा चिकित्सा सहयोग की अपील कार्यक्रम अन्तर्गत ,प्रदेश की बहनों द्वारा 21000 की सहयोग राशि प्रदान की गई।

''जीवन साथी से जीवन सखा बनने की यात्रा'' कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता श्री रमेश जी परतानी ने जीवन को सुखमय बनाने के लिए मानसिक एवं आत्मिक एकता के सूत्र दिए, एवं बहनों की सभी शंकाओं का समाधान किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी एवं युगल सिद्धा, प्रभारी श्रीमती शर्मिला जी राठी उपस्थित थी। ज्योति जी ने अपने मन के भावों से बहनों को लाभान्वित किया एवं शर्मिला जी ने भी युगल सिद्धा समिति की पूरी जानकारी दी एवं सभी को प्रेरित किया।

''त्योहारों का आनंद परिवार के साथ'' मिर्जापुर माहेश्वरी समाज के द्वारा डांडिया गरबा नाइट का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि अ.भा. मा. महासभा के महामंत्री श्री अजय काबरा एवं श्रीमति उषा काबरा थे। इसमें समाज के बच्चे, बड़े,महिलाएं एवं पुरूषों ने पूर्ण भागीदारी दिखाई। सभी उपस्थित सदस्यो एवं अतिथियों ने कार्यक्रम मे एक से एक मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी को आनंदित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत बेस्ट ड्रेस, बेस्ट डांस, बेस्ट एकल डांस, बेस्ट कपल डांस,बेस्ट बच्चो के डांस प्रतियोगिता एवं ड्रेस के साथ लकी ड्रा भी निकाला गया।

वाराणसी, भदोही,लखनऊ मे भी स्थानीय संगठन के द्वारा नवरात्रि मे सपरिवार डांडिया का आयोजन किया गया। नवरात्रि के उपलक्ष में अलग अलग स्थानो पर माताजी के विभिन्न स्वरूपों पर नृत्य नाटिका करवायी गई। राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रथम कहानी लेखन प्रतियोगिता में श्रीमती स्नेह माहेश्वरी चतुर्थ स्थान प्राप्त किया ।

अध्यक्ष –भारती करवा * सचिव–पुष्पा धूत

पश्चिमी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

प्रादेशिक कार्य समिति बैठक ''मैथिली'' का भव्य आयोजन
बताया हिंदू रीति रिवाजों का वैज्ञानिक तथ्य

पश्चि.उ.प्र. माहे.म. सं. के अंतर्गत जिला बुलंदशहर द्वारा प्रादेशिक कार्य समिति बैठक ''मैथिली'' का भव्य आयोजन 29 अक्टूबर 2023 को अलका मोटेल में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़, स्वागत अध्यक्ष श्री एस एन चांडक जी, विशिष्ट अतिथि संस्कृति सिद्धा राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती प्रेमा जी झंवर अतिथि डॉक्टर संजय जी शर्मा बुलंदशहर उपस्थित थे। दीप प्रज्वलन, महेश वंदना, गणेश वंदना और स्वागत नृत्य के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम का संचालन प्रदेश सचिव मनीषा राठी द्वारा किया गया। नगर अध्यक्ष आभा जी माहेश्वरी द्वारा शाब्दिक स्वागत करके, सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती मोनिका जी माहेश्वरी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि पश्चिमी उत्तरप्रदेश का स्वरूप एक वृक्ष की तरह है जिसकी मजबूत जडें हमारे प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी गण, शाखाएं हमारी कैबिनेट, पत्ते, फल, फूल सभी कार्यकारिणी के समान है, जो कि पूर्ण विश्वास के साथ हरपल सहयोग देती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ ने अपने वक्तव्य में कहा की कैसे बहनों के कुशल नेतृत्व का विकास किया जा सकता है। दीदी ने बताया कि कार्यकर्ता में कभी मैं का भाव नहीं होना चाहिए, मैं नहीं हम को अपनाइए। दीदी का वाक्य लघुता में महत्ता को पहचान कर महत्तम की ओर पहुंच जाएंगे सभी के मन को बहुत छू गया। बच्चों को शब्द संस्कार का वातावरण देना चाहिए।

रा. अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ एवं श्रीमती प्रेमा जी झंवर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतिभागियों को संयुक्त 5100 की धनराशि प्रदान। विशिष्ट अतिथि प्रेमा जी झंवर ने बहनों को बताया कि हिंदू रीति रिवाज का हमारे जीवन में क्या महत्व है और इन के वैज्ञानिक तथ्य क्या है। पूर्व दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री एस.एन. चांडक ने सभी का मार्गदर्शन किया उन्होंने बताया कि कैसे मेहनत से कर्म करके जीवन में बुलंदियों को छुआ जा सकता है। संस्थापक अध्यक्ष रेखा जी माहेश्वरी के आशीर्वचनों से सबको मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। एवं उनके 75वें जन्मदिवस पर एवं कार्य समिति विनीता जी राठी व प्रदेश संरक्षिका कांता जी गगरानी को संगठन की बहनों को मोटिवेट करने हेतु शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया ।

सौ. विनीता जी राठी द्वारा सफलता के मूल मंत्रों पर प्रकाश डाला गया। कांता जी गगरानी द्वारा सेवा कार्यों की मूल्यांकन के संबंधित जानकारी दी गई। बुलंदशहर के डॉ संजय शर्मा कार्डियोलॉजिस्ट ने अपने वक्तव्य में कहा ''कम खाइए गम खाइए, स्वस्थ रहिए, मस्त रहिए''। अष्ट सिद्धा समिति के अंतर्गत 24 संगठनों द्वारा थाल करवा सज्जा का सुंदर प्रदर्शन। डिबाई संगठन द्वारा रिश्तों पर आधारित पारिवारिक नाटिका कहानी घर घर की का सुंदर मंचन। सुंदर स्वागत गान तथा बुलंदशहर संगठन की बहुओं द्वारा त्योहारों की छटा बिखेरता रंगारंग नृत्य कार्यक्रम व सभा में उपस्थित 200 बहनों द्वारा श्री रामचंद्र जी की झांकी की दीपकों से आरती की, जिससे पूरा माहौल राममय हो गया। प्रदेश से 114 बायोडाटा प्राप्त। संकल्प सिद्धा बेसहारा वृद्ध जनों का सम्मान। सभी प्रतियोगिताओं के पारितोषिक प्रदेश द्वारा प्रदान किए गए।

प्र.अध्यक्ष–मोनिका माहेश्वरी * प्र. सचिव–मनीषा राठी

बिना संघर्ष कोई महान नहीं होता,
बिना कुछ किये जय-जयकार नहीं होता,
जब तक नहीं पड़ती हथौडे की चोट,
तब तक कोई पत्थर भी लोगों के लिए
भगवान नहीं होता।

दक्षिणांचल

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

''हमारे त्यौहारों की कहानी, किशोरियों की जुबानी'' के माध्यम से निखारी प्रतिभाएँ

संस्कार सिद्धा बाल एवं किशोरी विकास समिति–खास और सिर्फ किशोरीयो के लिए आयोजित प्रतियोगिता। हमारे त्योहारों की कहानी किशोरियों की जुबानी हमारे किशोरियों का हुनर खुलकर सामने आया है। सभी ने अपनी सूझबूझ का प्रमाण दिया है। प्रथम विजेता अविशी मनोजकुमार अट्टल धुले, द्वितीय विजेता–हर्षदा भराडीया अंबाजोगाई, स्वाती संजयजी दहाड, जलगांव। तृतीय विजेता–दिपीका शाम लोहीया, आचल सुजीतकुमारजी मुंदडा हिंगोली। चतुर्थ विजेता पायल सुरेंद्रजी चेचाणी जालना। पंचम विजेता–वैष्णवी सागरजी मानधने मालेगांव–चार दिवसीय दीवाली धमाका वर्कशॉप 27, 28, 30 एवं 31 अक्टूबर को रखा गया। क़रीबन हर वर्कशॉप में 300 से 350 लोगो कि उपस्थिति रही। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता कहानी लेखन में महाराष्ट्र के विरार के आत्मजा जी कासट ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त कर महाराष्ट्र को गौरवान्वित किया।

संस्कृति सिध्दा आओ पंचांग सीखे–दिनांक – 23 अक्टूबर 2023 प्रथम चरण। प्रमुख अतिथी के रूप में आ. विमलाजी साबू (पू. रा. अध्यक्ष) थीं। वक्ता के रूप में आ. अनुसयाजी मालू (द. उपाध्यक्ष) 240 लोगों कि उपस्थिति रही। नवंबर में दूसरा चरण लिया गया।

संकल्पसिध्दा ग्रामीण विकास एवं राष्ट्रदोय समिति–की ओर से 2अकटूबर, गांधी जयंती निमित्त, भारत स्वच्छता अभियान इस विषय पर आधारित पोस्टर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रदेश के 23 जिलों में से 19 जिला ने अपने अपने जिला मैं स्थानीय प्रतियोगिता लेते हुए ,दो सर्वश्रेष्ठ पोस्टर एवं विडियो भेजे ,सभी प्रतिभागि बहनों ने इतने विचारणीय स्लोगन एवं इतनी कलात्मकता दिखाते हुए बहुत ही बढ़िया पोस्टर बनाएं। इस प्रतियोगिता के नतीजे इस प्रकार है रहे– प्रथम स्थान – डा सौ संजनाजी बाहेती, तहसील – सेलु , जिला परभणी , विभाग – मराठवाड़ा। द्वितीय स्थान –श्रेयाजी झंवर , जिला – जलगांव , विभाग – खानदेश। तृतीय स्थान –सौ निलमजी करवा – नासिक रोड – जिला–नासिक , विभाग – खानदेश। उत्तेजनार्थ पुरस्कार–प्रथम उत्तेजनार्थ–सौ सपनाजी बाहेती – जिला –भाईंदर ,कोकण– विभाग, द्वितीय उत्तेजनार्थ, कु सिध्दी साबु –तहसील– जितुंर , जिला – परभणी , विभाग –मराठवाडा। तृतीय उत्तेजनार्थ–सौ मंगलजी मर्दा, तहसील –संगमनेर , जिला –अहमदनगर, खानदेश विभाग। चतुर्थ उत्तेजनार्थ–सौ कोमल सारडा – जिला सांगली ,प.महाराष्ट्र*

युगलसिध्दा गठबंधन समिति–राष्ट्र पर 3 सगाई का काम हुआ। हर जिल्हे से नये नये बायोडाटा का आदान प्रदान हो रहा है। ऑक्टोबर महिने मे नए 136 बायोडाटा का आदान प्रदान हुआ।

संजीवन सिध्दा–स्वास्थ्य संबंधित जन जागृति पत्रक निकाले गए।

प्र.अध्यक्ष–सुनीता पलोड * प्र. सचिव–सौ सुनीता चरखा

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

मंदबुद्धि बच्चों के आश्रम में जरूरत का सामान दिया एवं गौशाला में अन्नकूट किया

संस्कृति सिद्धांत व पर्व समिति के अंतर्गत कार्तिक माह के उपलक्ष में गुलेदगुड़ , सोरापुर में बहनों मंगला आरती व श्रृंगार आरती में भक्ति भाव से भाग लिया।

बागलकोट , गुलेदगुड़ , विजयपुर , सोरापुर, बनहट्टी में मंदिर में अन्नकूट किया गया व समाज के सभी बंधुओ को प्रसाद वितरित किया गया। गोपाष्टमी के निमित्त विजयपुर ,बनहट्टी में गौशाला में अंकूट किया गया। बेंगलुरु में आंवला नवमी के अवसर पर 50 बहनों ने कावेरी नदी में स्नान करके पूजा कर कर कहानी सुनी वह वन भोज किया। एकादशी के दिन तुलसी अर्चना वह प्रभात फेरी की गई ।

दीपावली के निमित्त बैंगलोर, दांडेली, बागलकोट, गुलेदगुड़, विजयपुर, बनहट्टी मे सभी बहनों ने रामसामा किया। बागलकोट की बहनों ने तुलसी तीर्थ व पचतीर्थ्या की। संकल्पसिद्धा ग्राम विकास एवं राष्ट्रोदय समिति द्वारा दीपावली के अवसर पर मंद बुद्धि बच्चों के आश्रम में दोपहर का भोजन करवा कर उनको आवश्यकता अनुसार सामान का वितरण किया । युगलसिद्धा समिति द्वारा विवाहयोग्य बच्चों के बायोडाटा का आदान प्रदान किया जाता है।

अध्यक्ष–सरोज कासट * सचिव–सुनीता लाहोटी

तमिलनाडु केरल पुडुचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

किडनी पेशेंट्स के लिए किया दवा का वितरण एवं नहर की करी सफाई टॉक शो का किया आयोजन ''नई पीढ़ी की दशा कैसी हो''

स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत कोयंबटूर में अध्यक्ष ममता दमानी के नेतृत्व में कालिया पेरूमल कुटई एरिया में लेक क्लीनिंग प्रोजेक्ट में 508 kg कचरा साफ किया गया। चेन्नई में पूर्व अध्यक्ष शोभा जी सादानी द्वारा टॉक शो रखा गया, जिसका शीर्षक था ''नई पीढ़ी की दशा कैसी हो'' दिशा जिसमें प्रदेश की 100 से भी अधिक बहने व भाइयों ने भाग लिया। श्रीमती शकुंतला जी करनानी को वैष्णव गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कंप्यूटर समिति की दक्षिणांचल सह प्रभारी सपना जी लाहोटी द्वारा स्मार्ट यूज़ ऑफ स्मार्टफोन कार्यशाला ली गई जिसमें बहनों ने फ्लेयर, पोस्टर, बैनर, कोलाज, वीडियो कैसे बनाया जाए यह सीखा। कोयंबतूर में 206 महिलाओं की मेडिकल

जांच की गई। कैंसर, डायबिटीज, बीपी सर्वाइकल कैंसर, मैमोग्राम टेस्ट लिए गए। ट्रांसफॉर्म योर सेल्फ माधुरी जी सारड़ा, भंडारा द्वारा कार्यशाला ली गई। 22 अक्टूबर को फ्लुएड आर्ट वर्कशॉप कुमारी कृति सुदा द्वारा ली गई जिसमें बहनों ने बहुत ही कलात्मक फ्लुएड आर्ट की टेक्निक्स सीखी। 14 अक्टूबर को RY- कॉस्मो में किडनी पेशेंट्स के लिए 10000 वर्थ की दवा का वितरण किया गया । पितृपक्ष में महामंत्र की माला और महिषासुर मर्दिनी स्तोत्र का पाठ सामूहिक रूप से किया गया। सभी स्थानों पर परिवार सहित नवहां पारायण के पाठ किए गए। चार दिव्यांग लोगों को 4 व्हीलचेयर प्रदान किए गए। एक ब्राह्मण की लड़की की शादी के लिए नगद 50000, कपड़े और आवश्यक सामान प्रदान किए गए । डॉ. स्वप्नाली बजाज द्वारा हेल्दी एंड फिट जॉइंट्स नमक कार्यशाला ली गई। ज्ञान सिद्धा समिति द्वारा विकसित होता भारत नवनिर्माण भविष्य सुरक्षित नाम से लेखन प्रतियोगिता रखी गई और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। 3 नवंबर को प्रदेश संरक्षिका शकुंतला जी मोहता के घर कार्यकारिणी और कार्य समिति बैठक रखी गई जिसमें प्रदेश की कार्यकारिणी बहने व समिति के सदस्य ने भाग लिया। सभी समितियां ने उनकी समिति द्वारा किए गए कार्यों की रिपोर्ट पढ़ी व आगामी प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। हैदराबाद की प्रसिद्ध वास्तु ऐक्सपर्ट पूजाजी काबरा द्वारा ऑनलाइन सेशन रखा गया समाधान और समृद्धि जिसमें 100 से भी अधिक बहनों ने ज्वाइन किया। पूरे प्रदेश में दीपावली, भाई दूज ,आंवला नवमी देवउठनी ग्यारस बड़े ही धूमधाम से मनाई गई । इरोड में प्रदेश अध्यक्ष ममता दमानी द्वारा बहुत ही रोचक बॉलीवुड अंताक्षरी कराई गई जिसे सभी लोगों ने बहुत सराहा। गोपाष्टमी के उपलक्ष्य में सभी स्थानों पर गौ सेवा और दान दिए गए। पूरे प्रदेश में 100000 से अधिक राशि गौ शालाओं में दान दी गई।

प्र.अध्यक्ष–ममता दमानी * प्र.सचिव–उर्मिला कोठारी

तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

नवरात्रि पर 9 दिन नव अलंकार विविध विधाओं के कार्यक्रम हुए सम्पन्न
जरूरतमंद बेटियों को दिया गृहस्थी का सामान

तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा विभिन्न समितियां के प्रांगण में बहुत ही सुंदर कार्य हुए नवरात्रि के पावन पर पर 9 दिन तक लगातार नव अलंकार कार्यक्रम विभिन्न विधाओं के साथ संपन्न हुआ। गाय के गोबर से बने दिए के 200 बॉक्स का आर्डर लेकर बहनों को रोशनी करने के लिए प्रेरित किया। ''कुमकुम भरे कदमों से लक्ष्मी जी आएंगे आपके द्वार'' बहुत ज्ञानवर्धक व्याख्यान ज्योतिषी विषारद अनसूयाजी मालू द्वारा। अनाथालय में जाकर 450 बच्चों को मिठाई नमकीन पटाखे दीपक का वितरण करके साथ में दीपावली मनाया 14 नवंबर चिल्ड्रन डे के उपलक्ष में बच्चों को बाल आश्रम में स्टेशनरी मार्च पास बैंड का वितरण। कामकाजी बहनों के लिए डिजिटल फोन डायरेक्टरी बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया। करवा चौथ का सिंजारा कार्यक्रम रंगारंग मनाया गया वर्तमान परिपेक्ष्य में लक्ष्मी का स्वरूप जूम पटल पर डॉक्टर अनुराधा जी जाजू द्वारा प्रेरणादायक व्याख्यान। 2 जरूरतमंद बेटियों के विवाह में गृहस्थी में काम आने वाली एवं सभी श्रृंगार का सामान दिया गया। गवर्नमेंट प्रसूति गृह में गर्म पानी की थैली एवं फ्रूट्स का वितरण बहनों के स्वास्थ्य के रक्षा के लिए कैंप लगाया गया। **प्र.अ.–रजनी राठी * प्र.सचिव**

मध्यांचल

पूर्वी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

भ्रमण राष्ट्रीय पदाधिकारियों का, समितियों की दी जानकारी

राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजूजी बांगड़,राष्ट्रीय मंत्राणी ज्योतीजी राठी,राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री मध्यांचल अनिताजी जावंधिया का विदिशा जिला के आतिथ्य में राष्ट्रीय पदाधिकारियों का भ्रमण दौरा संपन्न। विदिशा जिले की रिपोर्ट सभी पदाधिकारियों को सुनाई गई। रघुकूल सिद्धा की संयोजिका रेखाजी ने समिति के व्दारा होने वाले कार्यक्रम की जानकारी से उन्हे अवगत कराया।

आदरणीय मंजु दीदी, ज्योति दीदी ने विदिशा जिले की बहुत प्रशंसा की। मंजु दीदी ने अपने वक्तव्य मे 10 समिति की जानकारी दी। भगवान राम को ये सत्र समर्पित है तो उनके सेवक हनुमान जी की जो अष्टसिद्धियाँ है उस पर हमारी समिति के नाम है। नेतृत्वकर्ता को किस तरह कार्य करना चाहिए इस पर प्रकाश डाला। वीणा के मधुर आवाज के तरह अपने कार्यकर्ता से बात करे अपनी वाणी मे मिठास रखे हरबहन आपका कार्य पहले से पहले करके देगी।

गरीब बस्ती में जाकर उनके घर दीप जलाए एवं मिठाइयां व नए वस्त्र बांटे

सजावट ,श्रद्धा ,भक्ति और याचना से भरपूर महीने की शुरुआत, दीपावली का स्वागत।

जिसमे चांद से रूप को चुराया, अंधेरे को दीप की रोशनी से जगमगाया, अन्नकूट एवं भाई को तिलक लगाकर पर्व मनाया।

समिति द्वारा रामायण के पात्रों पर नेतृत्व कर्ता के गुण कैसे होना चाहिए इस पर प्रतियोगिता ली गई। कोई राम के पात्र पर तो किसी को कैकई के पात्र पर किसी ने भरत के ऐसे सुंदर-सुंदर वीडियो द्वारा विचार रखें। इस समिति द्वारा 17 नवंबर को चुनाव में महिला संगठनों ने जागरूकता रैली निकाली।

संस्कार सिद्धा-14 नवंबर को बाल दिवस मनाया गया। स्कूल में जाकर बच्चों को गेम खिलाए। कविता व कहानी सुनाई उन्हें हेल्दी फूड, जूस दिए। निर्धन बस्ती के बच्चों के साथ और इटारसी मे मुस्कान छात्रावास में बच्चों के साथ में दिवाली का त्यौहार ग्वालियर एवं मुरैना जिले के छात्रावास में मिठाई एवं कपड़े देकर मनाया गया।

स्वयं सिद्धा समिति पर्व एवं त्योहार पर घर की शुद्ध मिठाइयां और नमकीन जरूरतमंद बहनों द्वारा बनाई गई और आकर्षक पैकिंग में दिया त्योहारों के लिए गिफ्ट पैक भी करके दिए और उनको एक रोजगार हमने उपलब्ध करवाई।

संस्कृति सिद्धा-एक मिट्टी का दिया संगठन के नाम पर्यावरण बचाओ रखो प्रकृति का ध्यान। प्रदेश के समिति द्वारा प्रकाश पर्व का त्योहार दीपावली पर महिला संगठन ने गरीब बस्ती में जाकर उनके घर दीप जलाए एवं मिठाइयां नए वस्त्र दिए उन्हें राशन भी दिलवाया मिट्टी के दिए, तेल, बाती सभी चीजों को दिये में भर के रोशन करवाया। गोपाष्टमी के दिन गौशाला जाकर गायों की पूजा की। हरा चारा, फल, अच्छी सब्जी, गायों को दी पशु आहार भी किया गया। वहां जो गौरक्षक का सम्मान किया तो कहीं पर गोपाष्टमी त्यौहार

संतों के प्रवचन भी रखवाए। गायों की शोभा यात्रा आंवला नवमी पर पूजा अर्चन कर आंवला के वृक्ष का महत्व बताया। प्रबोधिनी ग्यारस को बहुत से जगह पर तुलसी विवाह किए गए। पुण्य सलीला मां नर्मदा के किनारे चुनरी मनोरथ भी करवाया। अन्नकूट भी करवाया गया सुहाग का सामान देते हुए गायों की गोद भराई की।

ज्ञान सिद्धा समिति–सांची में आयोजित काव्य कौशल कार्यक्रम के लिए प्रदेश से चयनित प्रतिभागी का नाम आगे भेजा।

रघुकुल रीतसिद्धा–करवा चौथ पर वीडियो के द्वारा प्रतियोगिता ली गई। परिवार के साथ एवं सहेलियों के साथ वीडियो लिया गया जिसमें त्यौहार पर चार पंक्तियां बोलना इन पर प्रतियोगिता ली जिसमें 25से 30 वीडियो प्राप्त हो गऐ। राम सेतु के लिए चयनित प्रतियोगी के नाम आगे भेजें।

संकल्प सिद्धा कार्तिक पूर्णिमा पर्व पर नदियों के तट पर सफाई अभियान किया एवं स्वच्छता अभियान का संदेश दिया। पूर्णिमा पर भंडारे का आयोजन ग्रामवासियों एवं परिक्रमा वासियों संस्कृत पाठशाला के बच्चों को भोजन करवाए। गौशाला में 5100 की राशि भेंट की।

युगल सिद्धा–बायोडाटाओं के आदान–प्रदान मे 5000 अभिभावक जुड़े हैं । इसमें से एक संबंध भी पक्का हो गया है। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को तुलसी विवाह के चढ़वे की राशि गरीब बेटी के कन्यादान में दी।

संजीवन सिद्धा–मुंबई से आई हुई डॉक्टरों की टीम द्वारा सीपीआर का (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) एक जीवन रक्षक प्रक्रिया है जिसका उपयोग वयस्कों के लिए किया जाता है। इसका प्रशिक्षण दिया गया और उससे बहुत से लोग लाभान्वित हो गए।

प्र.अध्यक्ष–सौ.रंजना बाहेती * प्र.सचिव–सौ.राजश्री राठी

पश्चिमी मध्य प्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

तुलसी विवाह धूमधाम से हुआ आयोजित, स्वसुरक्षा पर सेमिनार

अद्भुत सामर्थ्य से परिपूर्ण शुभ ,संकल्पित व श्रेष्ठता के साथ संपन्न हुए नवरात्रि, दशहरा, करवा चौथ, शरद पूर्णिमा, सेवा–सहयोग, दीप पर्व व 56 भोग, अन्नकूट महोत्सव,दीपावली मिलन समारोह के अनेक आयोजन ।

विशेष रुप से प्रदेश की बहनों के सहयोग से दार्जिलिंग निवासी कृष्णा पेड़ीवाल को 50 हजार का स्वास्थ्य सहयोग। इसी सेवा कार्य से प्रेरित होकर प्रदेश के राजगढ़ जिले में बहनों ने आर्थिक सहयोग से एक माहेश्वरी परिवार के मुखिया पैरालिसिस से प्रभावित होने पर परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद नाज़ुक थी, उन्हें 50 हजार रु.का सहयोग प्रदान किया है । प्रदेश में नवरात्रि पर कन्या भोज में 1000 बहनों के पग पूजन के साथ ही, स्वसुरक्षा हेतु सेमिनार व गुड टच –बेड टच की जानकारी बालिकाओं को दी गई। भारतीय लोकतंत्र के महापर्व में बहनों ने सहभागिता की एवं परिवार के साथ मतदान में भाग लिया।

नवरात्रि पर्व पर गरबा रास प्रतियोगिता, करवा चौथ,शरद पूर्णिमा, विजय दशमी पर्व, उद्यमी बहनों के द्वारा मेले में स्टाल लगाए।सांची मिटिंग हेतु वाद–विवाद, काव्य–कौशल, लक्ष्मण रेखा के लिए प्रतिभागी बहनों का चयन वर्चुअल प्रतियोगिता आयोजित कर किया गया।

दीप पर्व पर घरों में दीपों की अवली सजाई गई। 56भोग का आयोजन कर अन्नकूट महोत्सव भी प्रदेश में स्थानीय स्तर तक आयोजित किए। इस अवसर पर भजन प्रतियोगिता, तुलसी विवाह भी धूमधाम से आयोजित हुए।

आगामी आयोजन में प्रदेश के सभी जिलों का वर्चुअल भ्रमण आयोजित कर वहां की बहनों से रुबरु बात–चीत कर संगठन की मजबूती को बढ़ावा देना व नवीन आयोजन पर जानकारी लेना व देना, ताकि संगठन कि बहनें नए विचारों से अवगत हो,कार्य को गति प्रदान करने में सहायक बनें।

उषा सोड़ानी अध्यक्ष * शोभा माहेश्वरी सचिव

माहे. महिला मंडल महू ने लिया विशाल ''संकल्प'' किया उद्यमी मेले का आयोजन

श्री माहेश्वरी महिला मंडल महू के द्वारा वर्ष 2023 में किए गए विभिन्न प्रोजेक्ट–23 मई को मध्य भारत अस्पताल में 50 गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को पोषक आहार, बेबी किट, वस्त्र, बेग, डायपर प्रदान किए और डॉक्टर के द्वारा गर्भावस्था के बारे में जानकारी दी गई।

जल संरक्षण पर आधारित बच्चों की स्लोगन एवं चित्र प्रतियोगिता करवाई गई एवं पुरस्कार दिए गए। जून में बच्चों का योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं को भी सिखाया गया एवं श्रेष्ठ बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

20 जुलाई को महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत एक अपाहिज महिला को रोजगार की व्यवस्था हेतु सिलाई मशीन दी गई साथ ही वस्त्र एवं घरेलू उपयोग की सामग्री प्रदान की गई। वृक्षारोपण एवं तुलसी के पौधों का वितरण किया गया

8 अगस्त को स्थानीय हाई स्कूल में लड़कियों को गुड टच एवं बेड, टच सेल्फ डिफेंस की जानकारी नाटक के द्वारा दी गई साथ ही सेनेटरी पैड का वितरण किया गया करीब 100 बालिकाएं उपस्थित थी।

25 अगस्त को बालिकाओं को राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया। राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन कर पुरस्कार दिए गए करीब 50 बच्चों ने प्रशिक्षण लिया। शिक्षक दिवस पर पांच महिला शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया।

1 अक्टूबर को सफाई अभियान में श्रमदान किया गया। 6 अक्टूबर को स्थानीय कैंटोनमेंट जनरल अस्पताल में करीब 100 गर्भवती महिलाओं को आयरन टेबलेट व फ्रूट्स वितरित किए गए तथा डॉक्टर द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। 8 अक्टूबर को विशाल ''संकल्प'' उद्यमी मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती गीता जी मूंदड़ा थी साथ ही मेले में डॉक्टर द्वारा निशुल्क दंत परीक्षण भी किया गया। वृद्ध आश्रम में 5000 की राशि स्वाति शारदा की सौजन्य से प्रदान की गई। इंदौर में मरीजों के भोजन हेतु 5000 की राशि प्रदान की गई।

6 नवंबर को ब्लाइंड बच्चों की स्कूल में लैपटॉप हेतु 10000 की राशि प्रदान की गई। 15 अक्टूबर नवरात्रि के उपलक्ष में आदिवासी छात्रावास की करीब 90 बालिकाओं को भोजन करवाया गया।

कहानी लेखन प्रतियोगिता में अखिल भारतीय स्तर पर पुरस्कार पाने वाली महू की किरण माहेश्वरी और पदमा जी सोडाणी का सम्मान किया गया। महू माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर महेश नवमी सातुड़ी तीज करवा चौथ एवं शरद पूर्णिमा के कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

अध्यक्ष–स्वाति शारदा * सचिव–रजनी सोडाणी

उज्जैन महिला मंडल द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का सुंदर आयोजन स्वामीजी श्री माधवप्रपन्नाचार्यजी की वाणी से

धनुर्मास के पावन अवसर पर श्री माहेश्वरी महिला मंडल – श्री लक्ष्मीनृसिंह मंदिर, छोटा सराफा, उज्जैन (म.प्र.) के सत् संकल्प से जन मानस के बौद्धिक विकास एवं भगवत चिंतन की दिशा में भगवान श्री लक्ष्मीनृसिंह की असीम कृपा से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन मार्गशीर्ष शुक्ल चतुर्थी से मार्गशीर्ष शुक्ल दशमी पर्यंत (दिनांक 16 दिसम्बर से 22 दिसंबर 2023 तक) किया गया।

व्यास पीठ पर विराजमान श्रीस्वामी डॉ. माधवप्रपन्नाचार्यजी श्रीयुवराज स्वामीजी, श्रीरामानुजकोट, उज्जैन के मुखारविंद से सैकड़ों भक्त श्रोताओं ने इस भागवत कथा का रसास्वादन किया। कथा स्थल छोटा सराफा स्थित श्री लक्ष्मीनृसिंह मंदिर के नव निर्मित भवन के प्रथम तल पर रखी गई एवं कथा हेतु भव्य सुसज्जित मंच तैयार किया गया, मंदिर में श्री लक्ष्मीनृसिंह भगवान के सम्मुख 10 मूल पाठ

करने के लिए पंडित विराजमान थे। भागवत ज्ञान यज्ञ कथा के मुख्य यजमान श्रीमती मंगला आनन्द जी बांगड़, श्रीमती कृष्णा ब्रह्मस्वरूप जी जाजू, श्रीमती रेखा नरेंद्र जी लड्ढा, श्रीमती उषा गिरीश जी भट्टड़, श्रीमती लता घनश्याम जी भंडारी रहे। महिला मंडल की सदस्यों की व्यवस्था में भरपूर भागीदारी रही एवं सभी के तन मन धन के सहयोग से भगवत कार्य सानन्द संपन्न हुआ।

श्रीमद्भागवत कथा की मुख्य रूपरेखा श्री माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती रेखा लड्ढा सचिव श्रीमती उषा भट्टड कोषाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा कोठारी ने तैयार की एवं मुख्य संयोजक के रूप में श्रीमती सुनीता लड्ढा, श्रीमती आशा भट्टड, श्रीमती किरण अटल एवं श्रीमती माधुरी बांगड़ ने अपना कार्य भार बखूबी निभाया।

दिनांक 16 दिसंबर को प्रातः 9.30 बजे भव्य सुसज्जित कलश शोभा यात्रा निकाली गई महिलाओं ने चूंदड़ी एवं पुरूषों ने श्वेत वस्त्र धारण किया एवं गाजे-बाजे के साथ महिलाओं ने नृत्य किया शोभा यात्रा का समापन कथा स्थल श्री लक्ष्मीनृसिंह मंदिर छोटा सराफा पर हुआ।

कलश शोभा यात्रा के यजमान श्रीमती किरण रूपनारायण झंवर एवं श्रीमती किरण दामोदरदास अटल रहे।

द्वितीय दिवस की कथा पर वराह अवतार की कथा तथा भेद अभेद बुद्धि के साथ विराट पुरुष के अंगों के लक्षण बताए । यजमान श्रीमती रीता महेंद्र जी लखोटिया रहे।

प्रह्लाद चरित्र एवं श्री नृसिंह अवतार की कथा पर माया का विस्तार एवं 24 तत्वों की व्याख्या की गई। यजमान श्रीमती मनोरमा शरद जी बजाज रहे। दिनांक 19 दिसंबर को वामन अवतार, श्री कृष्ण जन्मोत्सव एवं नन्दोत्सव के संयुक्त यजमान सौ. संगीता हरीश जी सोमानी एवं श्रीमती सुधा सुशील जी बागड़ी रहे।

20 दिसंबर को श्रीकृष्ण बाल लीला तथा सोलह संस्कारों की महत्ता की व्याख्या, गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग के यजमान श्रीमती लेखा महेशजी लड्ढा रहे ।

21 दिसंबर महारास लीला तथा कथा का सार देह अभियान के त्याग द्वारा श्रीहरि से एकत्व भाव महिलाओं द्वारा नृत्य एवं पुष्प वर्षा, रूक्मिणी विवाह के यजमान श्रीमती प्रभाजी केला रहीं। 22 दिसंबर को सुदामा चरित्र कथा तथा भागवत मनन से मृत्यु के भय का नाश की व्याख्या पूर्णाहुति के साथ कथा समापन हुआ। यजमान श्रीमती तारा जी कोठारी रहीं।

सौ. श्वेता बजाज, उज्जैन

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

छप्पन भोग के साथ चौमासा उद्यापन, दीपदान, तुलसी विवाह भी संपन्न

सांची में होने वाले कार्यक्रम के लिए प्रतियोगियों को तैयार किया गया और तैयारी करवाई जा रहीं है..

माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित मांडना व रंगोली सजाओ कंपटीशन में प्रत्येक जिला ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अष्ट सिद्धा प्रदेश के अलग-अलग संगठन मे रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन कर महिलाओं के व्यक्तित्व को निखारने का प्रयास किया गया।

स्वयं सिद्धा-घरों में बनाए जाने वाले नाश्ता एवं मिठाइयों जो महिला घर पर बनाकर अपना और परिवार का खर्च वहन कर रहीं है का प्रचार एवं समाज की बहन से लेने के लिए अनुरोध किया गया। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा

संस्कृति सिद्धा–पांच दिवसीय दीपावली पर्व, दिवाली मिलन, 56 भोग,आंवला नवमी पूजन व भोग, चौमासा उद्यापन, दीपदान, तुलसी विवाह, बैकुंठ चतुर्दशी कार्तिक स्नान कथा एवं पूजा सभी त्योहारों को रीति रिवाज के साथ मनाते हुए सभी ने हर्ष उल्लास के साथ दिवाली मनाई।

संकल्प सिद्धा–गौ माता पूजन गोपाष्टमी पर गाय को चारा व गुड, चुनरी ओढ़ा कर पूजा की गई।

संचार सिद्धा–प्रतिमाह अनुसार कैलेंडर का प्रचार ,पोस्टर ,वीडियो ,टिप ऑफ़ द वीक ,बर्थडे कार्ड का कार्य यथावत।

संजीवन सिद्धा–आंवला नवमी के उपलक्ष्य पर आंवले

के पेड़ की पूजा कर इस वृक्ष की आयुर्वेदिक महता एवं इसके उपयोग से फायदे बताएं।

प्रदेश अध्यक्ष– शशि गट्टानी * प्रदेश सचिव– रूपा मुंधडा

भगवान श्रीहरि लक्ष्मी नारायण का किया सिंगार तथा किया दीपदान

रहे सुख समृद्धि खुशहाली मिलकर.. दीप मालिका सजाये
पावन पर्व बैकुंठ चतुर्दशी आओ देव दीवाली मनाये।।

रायपुर जिला माहेश्वरी महिला समिति द्वारा कार्तिक मास बैकुण्ठ चतुर्दशी के पावन अवसर पर बाबा हटकेशवर मंदिर, महादेव घाट खारून नदी तट पर दीपदान उत्सव श्रध्दा भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

राष्ट्रीय महामंत्राणी आदरणीय ज्योति जी राठी, प्रदेश पदाधिकारी नंदा जी भटटर, प्रदेश संरक्षिका पुष्पा जी राठी , प्रदेश विशेष सलाहकार संतोष जी चांडक, जिला अध्यक्ष पुष्पा जी लाहोटी, संगठन मंत्री रमा जी मल्ल के आगमन से रायपुर जिला हर्षित एवं शोभायमान हुआ। अतिथि बहनों ने भगवान उमा महेश का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सुमधुर भजनो से बहनो की खुशी और रामायण मनका हौजी काफी रोचक एंव सराहनीय रही। राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा बाल कृष्ण भजन वीडियो प्रतियोगिता के सभी विजेताओं , निर्णायक गण एंव प्रायोजक सीता जी राठी का सम्मान किया गया। ज्योति जी

राठी के आशीष वचनों से जिला गौरवान्वित हुआ।

श्रीफल, वस्त्र, मिष्ठान एंव दक्षिणा भेंट कर ब्राह्मण देव पूजन एंव भगवान श्रीहरि लक्ष्मी नारायण का सिंगार कर आरती ज्योति जी राठी द्वारा की गयी। तत्पश्चात सभी बहनो ने 101 दीप प्रज्वलित कर गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो का जाप करते हुये तट पर दीपदान किया। योजना प्रकल्प प्रभारी देवकी जी लड्ढा की दीपदान उत्सव योजना शानदार रही। जिला सहसचिव करूणा जी पेडीवाल ने शानदार संचालन किया। सभी बहनो की निष्ठा और संगठन की शक्ति से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जिला अध्यक्ष–पुष्पा लाहोटी * जिला सचिव–वर्षा लाहोटी

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

''परिवार मंगलम्'' वैवाहिक समस्याओं पर कार्यक्रम का आयोजन

प्रांतीय संचारसिद्धा के अंतर्गत गुजरात स्तर पर 'एक्सेल सीरीज' के वीडियोज प्रेषित किये। गु. प्रा. युगलसिद्धा समिति द्वारा आयोजित वेबिनार 'परिवार मंगलम' में 61 सदस्यों की उपस्थिति में वैवाहिक समस्याएं और समाधान पर चर्चाएँ हई एवं समिति संयोजिका कुमकुम बियानी द्वारा 2 वैवाहिक रिश्ते जोड़े। ज्ञानसिद्धा – लेखन प्रतियोगिता में प्रांत प्रविष्टि को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली । अमदाबाद में 2 नए संगठनों का गठन कर प्रदेश में जोड़ा गया। गुजरात के 2 माहेश्वरी खिलाड़ियों ने एशियाई पैरा ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैडल जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया।

सूरत जिला संगठन द्वारा भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ । श्राद्धपक्ष में सिलवासा, वलसाड जिला, अंकलेश्वर, सूरत, अहमदाबाद आदि संगठनों द्वारा जरूरतमंदों को सहायता । अंकलेश्वर संगठन द्वारा बाढ़ग्रस्त गावों में 500 लोगों को मदद पहुंचाई। सूरत एवं मोरबी में बच्चो के लिए विविध कार्यशालाओं के ऑयोजन। पुरे गुजरात में नवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया जिसमें सूरत, अहमदाबाद, जामनगर, वलसाड, भरूच, अंकलेश्वर, मोरबी सभी सगठनों में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, गरबा प्रतियोगितायें, कन्याभोज, आदि कार्यक्रमों के आयोजन । अहमदाबाद के पद्मावती, नारायणी, सखी संगठन, वलसाड जिला, भरूच, आदि संगठनों में सामूहिक करवाचौथ उद्यापन । शरदपूर्णिमा पर अंकलेश्वर और पद्मावती संगठन में रंगारंग कार्यक्रम हुए। दाहोद में लाभपंचमी पर छप्पनभोग महाप्रसादी का आयोजन । सूरतमेन मंडल में गीतापाठ के साथ सामूहिक दीपदान एवं मा. प्रगति मंडल अहमदाबाद में आंवला नवमी पर सामूहिक दीपदान हुआ।

अध्यक्षा – मंजुश्री काबरा * सचिव–कांता मोदानी

विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''अपनी संस्कृति अपना जतन'' का आयोजन, बहनों को बनाया ''स्वयं सिद्धा''

सितंबर ऑनलाइन कार्यकारिणी सभा–225 बहने, 137 बहने उपस्थित रहीं।

17 अगस्त 2023 को अकोला मे कौशल्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें नेतृत्व कौशल, संगठनात्मक कौशल, वित्तीय कौशल, समय सूचक कौशल पर नम्रताजी बियाणी, माधुरीजी मोदी एवं नीताजी मुंदडा द्वारा मार्गदर्शन हुआ। लाभार्थी 225 बहनों ने आनलाइन ट्रेनिंग प्रोग्राम अटेंड किया।

ऑनलाईन मीटिंग में रा.उषा. उर्मिलाजी कलंत्री एवं रा. सं.मंत्री अनिताजी जावंधीया की उपस्थिति में जिला रिपोर्ट प्रतियोगिता रखी गई। दोनों ने जजमेंट कर समीक्षा की तथा मार्गदर्शन किया। सुषमाजी बंग ने सभी समितियों के अंतर्गत कौनसा कार्य करना इसपर मार्गदर्शन किया। लाभार्थी 137 बहने।

योगसोपान के लिये प्रदेश की ओर से सबसे ज्यादा स्कुल में प्रशिक्षण के लिये प्रथम पुरस्कार – वाशिम जिला और द्वितीय पुरस्कार यवतमाल जिला को विदर्भ प्रदेश की मिटींग में सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय प्रभारी अंजली जी तापडिया द्वारा नागपुर के सेवासदन स्कुल में स्वामी विवेकानंद के जीवनी पर मार्गदर्शन तथा प्रश्नोत्तरी रखी गयी। 215 बच्चे लाभार्थी।

स्वयंसिद्धा करेंगे मार्ग प्रशस्त–प्र.पुर्वाध्यक्षा डॉ. ताराजी माहेश्वरी को प्रदेश मिटींग मे उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों के लिए जीवन गौरव अवार्ड रो सम्मानित किया।

प्रदेश के कार्यक्रम **''मैं हूं स्वयं सिद्धा''** के तहत बहनों को घर बैठे स्वयंरोजगार देने, कंज्यूमर तक डायरेक्ट सेल करने हेतु स्नेहाजी भट्टड़ द्वारा मार्गदर्शन दिया गया साथ ही सभी जिलों मे जरूरतमंद बहनो को गृह उद्योग शुरू करने हेतु सहयोग। अकोला जिला की चंचल धूत को उद्योग करने हेतु फाल पिको मशिन डोनेट की।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता कहानी लिखो हेतु - ग्रास रुट तक बहनो के लिए पत्रक निकाले गए। प्रदेश की ओरसे जिलास्तरीय प्रतियोगिता लेकर उत्कृष्ट 3 प्रविष्ठियां भेजी गई। अधिक माह में राम से बडा राम का नाम चित्र बनाओ स्पर्धा का आयोजन किया। 11 जिला से 3 एज गृप में 33 बहनों ने हिस्सा लिया। 23 अगस्त राखी वेबिनार ऑनलाईन कार्यशाला आयोजित की। दिल्ली की शालीनीजी बेरीवाल द्वारा मार्गदर्शन। 150 बहने लाभार्थी।

अधिक मास के उपलक्ष में प्रदेश पदाधिकारी ने अपने-अपने जिला के साथ यात्रा की। विदर्भ सचिवा द्वारा यवतमाल से 60 बहनों के साथ 7 दिवसीय काशी, प्रयाग, अयोध्या , चित्रकुट की सफल यात्रा की। साथ ही अमरावती, बुलढाणा, नागपुर, अकोला, वर्धा कि बहनोने काशी, चित्रकूट, प्रयाग की संगठन यात्रा का आनंद लिया।

परिवार में मिलकर सत्तु सजाओ और अकोला में आयोजित मिटींग में लेकर आओ स्पर्धा का आयोजन रखा गया। हरेक जिलो से 2 एंट्री ली गई। श्रेष्ठ 3 को पुरस्कृत किये गये। प्रथम-यवतमाल ओर द्वितीय वाशिम जिला को दिया गया।सभी प्रतिभागियों को गिफ्ट दिया।

नवहरीतीमा मेगा मेडीसीनल ट्री प्लाटेशन में प्रदेश में ज्यादा पौधारोपण करने वाले जिला को पुरस्कार दिया गया। यवतमाल जिला प्रथम, वाशिम जिला द्वितीय रहा। समिति संयोजिका तथा सहसंयोजिकाओ द्वारा सभी को जन्मदिन , विवाह दिन, त्योहारों का महत्व के साथ शुभकामनाएं भेज रहे है। 5 सितंबर शिक्षक दिन, 15 सितंबर हिंदी दिन, कृष्ण जन्माष्टमी पर विडियो बनाकर सुंदर संदेश दिया।

अधिक मास के उपलक्ष में प्रदेश के बहनों ने मिलकर ब्राह्मण के बेटी का कन्यादान किया जिसमें विदर्भ प्रदेश सचिव निलीमा मंत्री ने सोने के कानके, नाक का काटा, पायल तथा बहनों ने बिछिया, साड़ियां, गृहस्थी मे लगने वाले बर्तन, 4 बेडशिट भेट दिये। व्हाट्सएप द्वारा 104 बायोडाटा का आदान प्रदान हुआ तथा निरंतर शुरू है। 2 संबध हुए। विदर्भ सहसंयोजिका डॉ. मंगला राठी द्वारा कैंसर जागरूकता पर मार्गदर्शन रखा। 105 बहने लाभार्थी। रोगनिदान शिबिर तथा आँखो के जांच का शिबिर का आयोजन किया। 50 महिला लाभार्थी । गर्भ संस्कार शिबिर का आनलाइन आयोजन रखा गया। उपस्थित बहनें - 230 राष्ट्रीय स्तर के लिए गए प्रोजेक्ट में सहभागिता।

नवहरितीमा - 11जिला से 13121 पौधारोपण हूए। योगसोपान - सभी जिलों के 40 तहसीलोंमें 101स्कुल में प्रशिक्षण कार्यशाला ली। 45000 बच्चे लाभार्थी। पार्थिव शिव पूजा व शिव तांडव स्त्रोत प्रशिक्षण में सभी जिलों के बच्चों की सहभागिता।

हरियाली तीज पर पारिवारिक वीडियो बनाओ रा. प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों (कूल 58 विडीओ) ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्रेष्ठ 3 राष्ट्रीय स्तर पर भेजे गए - विदर्भ प्रदेश की मनिषा बागडी, यवतमाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। मेरा देश मेरा गौरव रचनात्मक फोटो मे 11 जिला ने सहभागीता दर्शायी। ज्योति जी सारडा, उमरेड (नागपुर जिला) द्वारा भेजे गए। फोटो का चयन सर्वश्रेष्ठ फोटो में हुआ। सुनीताजी सोनी 51000 देकर महिला सेवा ट्रस्ट कि मेंबर बनी है।

विशेष-नव हरीतिमा मेगा प्लांटेशन में पौधारोपण महासभा के महामंत्री श्री अजय जी काबरा के प्रमुख उपस्थिति में नागपुर तथा वाशिम में किया गया। रा. कार्यसमिती मिटींग मे विदर्भ प्रदेश से 7 पदाधिकारीयो ने प्रशिक्षण मे हिस्सा लिया। प्रदेश को राष्ट्रीय स्तरपर 3 माह रिपोर्टिंग के लिए कोहिनुर अवार्ड से नवाजा गया। प्रदेश की परिचय पुस्तिका संचय कमल का विमोचन कार्यकारिणी सभा में किया गया।

प्र.अध्यक्ष-सुषमा बंग * प्र.सचिव-नीलिमा मंत्री

पूर्वांचल

पूर्वोत्तर (असम) माहेश्वरी महिला संगठन

गौशाला में गोदान एवं गांव में सफाई अभियान व वृक्षारोपण तथा किया वाटर फिल्टन का अनुदान

विनीता तापड़िया व विनीता मुंदडा कहानी लेखन प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत हुई। पूरा कार्तिक मास भक्ति रस से सरोबार हुआ पूर्वोत्तर। 101दिवसीय पद यात्रा में चंचलजी राठी द्वारा बाबा का श्रृंगार एवं सहचरी बन सहयोग । छात्रा को वकालत की पढ़ाई हेतु 10000/की धनराशि सहयोग। नृत्य, डांडिया व गरबा कार्यशालाएं। गुड टच बैड टच,बच्चों के लिए विभिन्न मंत्रोचारण व पितृपक्ष क्यों महत्वपूर्ण कार्यशालाएं। धार्मिक संस्कार व गीता पाठ पठन शिविर। बालदिवस पर विभिन्न सामग्री वितरण। आंगनबाड़ी में बच्चों संग दीपवाली। धनोपार्जन हेतु दीपावाली मेले, लॉटरी ड्रॉ। शिक्षकगण व संचालिकाएं सम्मानित। कहानी लेखन में दस बहनों की भागीदारी। स्थानीय शाखाओं में माता की चौकी, कन्या व भैरव पूजन, भेंट सामग्री वितरण। कार्तिक मास के सभी पर्व धूम धाम से संपन्न। डांडिया कार्यक्रम, सुंदरकांड पाठ, भजन कीर्तन, जीवंत झांकियां, सिंदूर खेला, रामायण पाठ, जल सेवा। गांधी जयंती पर प्रतियोगिताएं। सभी शाखाओं में दीवाली मिलन समारोह। छप्पन भोग, मिंगसर थाली, ब्राह्मण भोज, दीपमालिका, प्रसाद वितरण। वंदनवार, दीपक सजाओ, पूर्वोत्तर स्तरीय आओ घर सजाएं दीपोत्सव मनाए प्रतियोगिताएं। माहेश्वरी पारिवारिक संगठित कार्यक्रम। गौशाला में गौ दान,रोटी, दान पेटी,दलिया सवामणि, चारा, गुड, 12300/की धनराशि सहयोग। वृद्धाश्रमों में खाद्य सामग्री वितरण। गांवों में सफाई अभियान व वृक्षारोपण। स्कूल में कुर्सियों का अनुदान। मोबाइल की जानकारी कार्यशाला। कैंसर अस्पताल में वाटर फिल्टर अनुदान। दवाई हेतु धनराशि सहयोग। आंवला वृक्ष आयुर्वेदिक महत्व जानकारी।

प्रदेश अध्यक्ष–पूनम

नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन

''अपनों के संग दिवाली–घर आई मां लक्ष्मी'' कार्यक्रम सम्पन्न

नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन की दसों समितियां द्वारा दीपावली उत्सव बड़े धूमधाम से दीपावली मेगा प्रोजेक्ट के नाम से मनाया गया। संगठन की साहित्य समिति की संयोजिका श्रीमती किरण जी अटल को श्रेष्ठ शब्द शिल्पी व

साहित्य प्रेरक सम्मान से सम्मानित किया साथ ही उनके द्वारा लिखी गई लेख ''आई दीपावली'' को प्रकाशित किया गया।संगठन के अंतर्गत दीपावली मेगा प्रोजेक्ट में गूगल मीट पर डाइटिशियन प्रीति जी बाहेती,करनाल द्वारा हेल्दी मिठाइयां सिखाई व जूम के द्वारा दो दिवसीय वर्कशाप आयोजित कर बच्चों व बड़े को चॉकलेट,कपकेक,कार्ड व गिफ्ट बॉक्स बनाना सिखाया। इसी प्रकार दीपावली का मीठा खजाना जूम द्वारा श्रीमती रूबीजी चमरिया,बीरगंज द्वारा मिठाईयां बनाना सिखाई गई, इसी प्रोजेक्ट के तहत ''अपनों के संग दिवाली–घर आई मां लक्ष्मी'' कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने स्कूल व खेतों में पौधे लगाए व ग्रामीण माताओ से घर में गमलो व दिए पर कलर करवाया, विभिन्न परिवारों से जगमगाते दीप, रंग बिरंगी रंगोली व दिवाली पूजन के वीडियो व फोटोस प्राप्त किया, जुगल जोड़ी बांधे प्रतियोगिताआयोजित कर वीडियो कार्यशाला में शुभकामना संदेश कार्ड बनाना सिखाया। इस प्रकार पंचदिवसीय पर्व पर फ्लायर्स द्वारा संक्षिप्त विवरण प्रेषित किया। रूपंदेही मंच द्वारा श्याम बाबा का जन्मोत्सव मनाया व देव दीपावली पर मंदिर में दीपक जलाएं,विराटनगर मंच द्वारा आंवला नवमी पर सामूहिक कीर्तन व भोजन की व्यवस्था की गयी,संगठन द्वारा बैकुंठ चतुर्दशी पर जूम द्वारा भजनों के रस बरसाए। विराटनगर मंच द्वारा गोपाष्टमी पर गौशाला में सामूहिक पूजा व गौ सवामणी खिलाई गई। संगठन के अंतर्गत विश्व मधुमेह दिवस पर डायबिटीज को हटाने हेतु ज्ञानवर्धक वीडियो बनाकर प्रेषित किया गया।

अध्यक्ष–निशा महेश्वरी – सचिव–मल्लिका राठी

उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

जरुरतमंद लोगों को पुराने कपड़े, किताबें, खिलौने का वितरण

सभी जिले में बालक और बालिकाओं ने गरबा डांडिया नृत्य किया। मल्कानगिरी मे नव युवतियों द्वारा मतदान देना जरूरी है इस विषय पर रंगोली स्पर्धा मे भाग लेकर पुरस्कार प्राप्त किया। जाजपुर में नवरात्रि पर कन्या बुलाओ दर्शन पाओ, संबलपुर मे सामूहिक कन्या पूजन व भोजन कराया हनुमान मंदिर में 41 कन्या को गिफ्ट ज्युस फ्रूट चाकलेट व दक्षिणा दी।

सभी जिलों में महिलाओं द्वारा डांडिया सिखाया गया। मल्कानगिरी में महिला मंडल ने नौ दुर्गा का रूप धारण करके नृत्य प्रस्तुत किया। 28 अक्टूबर को वालेश्वर एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा आयोजित पथ उत्सव में समाज द्वारा स्टाल लगाया जिसमें महिला संगठन ने योगदान दिया।

ज्ञानसिद्धा–राष्ट्रीय समिति के अंतर्गत जूम के माध्यम से सीता माता मर्यादा और महानता की साक्षात प्रतिमूर्ति सीता चरित्र पर समिति प्रभारी अनुराधा जी जाजू द्वारा सुंदर विचारों से सब लाभान्वित हुए। 22 नवंबर को जूम सभागार में लक्ष्मी के स्वरूप का वर्णन सुंदर शब्दों में बताया गया।

अंगुल तालचेर ढेंकानाल, बड़बिल, ब्रजराज नगर, बालेश्वर, बारीपदा, कटक, जाजपुर, मल्कानगिरी, राउरकेला, संबलपुर में डांडिया, नृत्य गरबा आयोजन किया गया। गोपाष्टमी, आंवला नवमी, तुलसी पूजा,देव दिवाली सभी जिले में मनाई गई।

संकल्प सिद्धा–बालेश्वर में राहगीरी डे पर दान उत्सव के अंतर्गत जरुरतमंद लोगों को पुराने कपड़े, किताबें, खिलौने वितरण किए। गोपाष्टमी पर समिति संयोजिका विसाखा राठी द्वारा गाय के महत्व को बताते हुए एक मिनट का वीडियो भेजा। प्रतियोगिता प्रदेश स्तर पर करवाई गई। प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार दिया गया।

संचारसिद्धा–बालेश्वर जिले में 8 अक्टूबर को एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा राहगीरी डे मनाया, जिसका मकसद लोगों को साइबर क्राईम के प्रति जागरुक करना था व इसके अंतर्गत माहेश्वरी समाज द्वारा स्टाल लगाया गया।

युगलसिद्धा– गठबंधन समिति–35 नए सदस्यों को शामिल किया। ऐप में 20 बायोडाटा अपलोड किए व आदान

प्रदान किया गया।

संजीवनसिद्धा– कटक जिले में शिविर लगाया गया। डॉ. पूनम झंवर द्वारा हम ढलती उम्र मे कैसे स्वस्थ रहे, हार्ट, किडनी की सुरक्षा कैसे करें, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल को कैसे कंट्रोल में रखें खान–पान में क्या खाएं, कब और कितना जरूरी है इसकी जानकारी दी। डॉ. मोनिका मूंधड़ा द्वारा समय–समय पर स्वस्थ संबंधित टिप्स दिए जाते है।

10 तारीख को हार्ट अटैक से कैसे बचें जूम प्रांगण सेमिनार मे उत्कल प्रदेश ने अपनों सक्रिय भागीदारी निभाई। राष्ट्रीय स्तर पर श्री कृष्णा पेड़ीवाल के उपचार हेतु प्रदेश द्वारा 25 हजार की सहयोग राशि दी गई।

अध्यक्ष –अस्मिता मूंदड़ा, * सचिव –शशि डोंगरा

झारखंड बिहार प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

कैसे रहें–''घर की बहू एवं बच्चों से घुल मिलकर'' तथा ''उनसे नई टेक्नोलॉजी सीखे'' पर कार्यशाला का आयोजन

नवरात्रि के 9 दिनों के दौरान माता के 9 रूपों को पूरे विधि विधान से पूजा गया। कन्याओं भेंट इत्यादि देने की भी परंपरा है। इस अवसर पर देवघर, बोकारो, धनबाद, रांची, मुजफ्फरपुर, कटिहार, पटना, किशनगंज कर्ज़ाइन, गुलाबबाग, फारबिसगंज में कन्या एवं भैरो को भोजन करवा कर गिफ्ट पैक और टीका निकालकर दक्षिणा देकर आशीर्वाद लिया। कटिहार माहेश्वरी महिला संगठन ने नवरात्रि के पावन अवसर पर तीनगाछिया काली मंदिर मे 101 बच्चों को फ्रॉक टी–शर्ट दिया, गुमला में कन्या के पैरों में आलता लगा कर उपहार दिया गया । नवरात्रि के अवसर पर किशन गंज,गुमला, गुलाबबाग, देवघर, चाईबासा में डांडिया का आयोजन किया।

राष्ट्र द्वारा भेजे गए रामायण चौपाई युक्त कहानी लेखन प्रतियोगिता के लिए प्रदेश से कुछ बहनों ने अपनी कहानी लिखकर भेजी जिसमें से श्रेष्ठ तीन आगे राष्ट्र में भेजे गए । रा. संगठन की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती शोभा सादनी जी ने ज़िन्दगी एक U-TURN है, कैसे एक गृहिणी को घर परिवार बच्चे सब की जिम्मेदारी निभाते हुए अपने अंदर छुपे हुए प्रतिभा को कैसे बाहर लाना है, कैसे समय के साथ अपने आप को बदलना है, कैसे घर की बहु एवं बच्चों से घुल मिलकर रहना है नई टेक्नोलॉजी सीखनी चाहिए, आदि बहुत सी जानकारी दी। पूर्वांचल के सिक्किम प्रखंड में प्राकृतिक आपदा आने पर रिलीफ में प्रदेश से 5100/– की सहयोग राशि भेजी गई । स्वच्छता अभियान में सभी बहनों ने अपने आसपास के मंदिर परिसर, हॉस्पिटल, स्कूल, गली मोहल्ले, फैक्ट्री एरिया, गौ शाला में सफाई अभियान चलाया। त्यौहार का आनंद सबके लिए हो इस खुशी में कटिहार माहेश्वरी महिला संगठन ने आश्रम के छोटे प्यारे 120 बच्चों के साथ दीपावली मनाई। बच्चों के बीच नास्ता एवं जरुरत के सामान दिया, बच्चों के साथ दीये मोमबत्ती जलाकर पटाखे फोड़ कर दिवाली मनाई। देवघर माहेश्वरी महिला संगठन ने काली रेखा कुष्ठ आश्रम के लोगों के बीच मिठाई, पटाखे, मोमबत्ती, सलाई, दीपक और बाती का वितरण किया गया ।

प्रदेश के सभी जिलों में दिवाली मिलन, अन्नकूट का आयोजन किया गया। जिसमें सभी सदस्य,बहुएं एवं बच्चों सहित सभी ने कार्यक्रम का आनंद लिया। आस्था का लोकपर्व छठ के अवसर पर संगठन द्वारा छठ व्रती के लिए पूजा सामग्री, नारियल, फल आदि दिया गया। तुलसी विवाह के अवसर पर भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । श्रेष्ठ 3 विजेता घोषित किये गये । प्रदेश की सभी बहनों ने स्थानीय मंदिर में सामूहिक दीये जलाकर देव दीपावली का उत्सव मनाया ।

अध्यक्षा – निर्मला लड्ढा * सचिव – संगीता चितलांगिया

वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

छठ पूजा पर 75 जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियां एवं श्रृंगार का सामान भेंट

अस्पताल में दिया ऑक्सीजन कंसर्टर

कोलकाता प्रदेश प्रत्येक माह की 1 तारीख से 13 तारीख़ तक विभिन्न सेवा कार्य, दार्जलिंग निवासी कृष्णा पेड़ीवाल के इलाज हेतु निवृत्तमान अध्यक्ष श्रीमती निर्मला मल्ल व प्रदेश की बहनों व सभी जिलों के सहयोग से 1 लाख 80 हजार रुपे की सहायता प्रदान की। राष्ट्रीय कहानी लेखन प्रतियोगिता में प्रदेश से शशि जी लाहोटी को प्रथम स्थान प्राप्त एवं 2 प्रविष्टि अच्छे प्रयास के लिए राष्ट्रीय स्तर पर। गौ सेवा प्रत्येक अमावस्या को, दुर्गा पूजा के अवसर पर 11 पूजा समितियों को पूजा प्रेरक सम्मान में सम्मान पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित (बेस्ट ऑफ़ वेस्ट, बेस्ट मंडप, बेस्ट आइडल), देव दीपावली के अवसर पर प्रदेश एवं सभी जिलों द्वारा विभिन्न घाटों पर 3100 दीपक प्रज्वलित कर दीप दान, हावड़ा Children Hospital में 2 ऑक्सीजन कंसेर्टर दिया गया। शुभकामनाएं ई-कार्ड द्वारा प्रेषित, राष्ट्रीय द्वारा आये हुए टिप्स आफ द वीक सभी गुपो में प्रेषित ।

नवयुवती डांडिया में ग्रुप डांस में पुरस्कृत, करवा चौथ क्विन का खिताब, ब्राह्मण कन्या को सोने, चांदी, 51 हजार रुपए नकद के साथ उपयोग में आने वाले सामान करीबन4 लाख रुपए का दायजा दिया गया। दक्षिण कोलकाता 35 ब्राह्मणों को वस्त्र, फूड पैकेट एवं दक्षिणा, एक जरूरतमंद व्यक्ति को उसके बच्चे के जलने के उपचार हेतु 5 हजार रुपए दिए गए।

हिंदमोटर श्राद्ध पक्ष में 7 ब्राह्मणों को वस्त्र, फल, मिठाई एवं दक्षिणा। हावड़ा नवरात्रि पर्व पर सामूहिक सुंदरकांड पाठ, छठ पूजा पर्व पर 75 जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियां, श्रृंगार का सामान भेंट,49 विकलांग लोगों को फल एवं वस्त्र, लीली वृद्धाश्रम में 3 महीने का राशन। वीआईपी डांडिया पर्व करीबन 600 लोगों के साथ सफल, रोटी ऑन व्हील्स के द्वारा करीब 500 लोगों को रोटी सब्जी व मिठाई।। रिसडा 200 ज़रूरतमंद लोगों में जलेबी, सिंघाड़े का नाश्ता, 400 से भी अधिक लोगों की उपस्थिति में रास डांडिया। पूर्व कोलकाता श्राद्ध पक्ष में गायों के निमित 100000/- से ऊपर सेवा की गई, चाकुलिया गौशाला में 7 गायों को जीवन दिया। आसारी में गायों और जानवरों के स्वास्थ्य हेतु 50 हजार रुपए दिए गए। महावीर सेवा सदन में पांच व्यक्तियों को लिंब्स, एक जरूरतमंद परिवार की लड़की के विवाह पर सोने, चांदी के गहने, बर्तन एवं कन्या के उपयोग में आने वाले सामान, 5100 नकद, करीबन 1,50,000 का दायजा। बेलघरिया अध्यापीट गौशाला में गायों को फल सब्जी, रोटी, गुड इत्यादि। मध्य कोलकाता कन्या के विवाह पर 11 हजार की राशि सहयोग। दीपावली प्रीति सम्मेलन एवं अन्नकूट भोग सांस्कृतिक प्रोग्राम द्वारा आयोजित ।

प्रदेश अध्यक्ष-मंजु पेडीवाल * प्रदेश मंत्री-कुसुम मुंदड़ा

पश्चिम बंगाल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

माता की ज्योति, देव दिवाली, तुलसी विवाह, सुंदरकांड का आयोजन

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित क्षेत्र की सहायतार्थ फंड एकत्रित कर सहायता प्रदान की गई। कृष्णा पेड़िवाल के इलाज के लिए 149000/ से बड़ी राशि की मदद की गई। आई कैंप में 46 ऑपरेशन , मेडिकल कैंप में 150 लोगों

का उपचार कराया कराया गया। नियमित योग कार्यशाला, अल्पाहार व्यवस्था की गई। देश और पश्चिम बंगाल की आराध्या देवी मां दुर्गा के सिद्ध रूपों को शक्ति वंदनम कार्यक्रम के माध्यम से झूम प्रांगण में राष्ट्रीय व प्रादेशिक पदाधिकारी के आशीर्वचनों के साथ दर्शाया गया।

मोटिवेशनल निशा जी चांडक के वक्तव्य से सभी प्रभावित थे। बाल-वर्ग के लिए- चित्रकला प्रतियोगिता में 500 की उपस्थिति, संस्कार कार्यशाला, आयोजित की गई दुर्गा पूजा के पंडालों का भ्रमण कराया गया। शरद पूर्णिमा की विस्तृत जानकारी दी गई। बच्चों को रंगोली बनाना सिखाया गया। जरूरतमंद बाल वर्गों को छाता, स्कूल बैग और नए वस्त्र तथा भोजन वितरण किया गया। 50 वर्ष की बढ़ती हुई उम्र में सुनीता पलोड़ ने नेशनल इंस्टीट्यूट आफ सिक्योरिटी मार्केट में करेंसी की परीक्षा उत्तीर्ण की। लेखन प्रतियोगिता में निशा राठी की रचना को राष्ट्रीय लेखन में सराहनीय श्रेणी में रखा गया। दिवाली में मीना बाजार मेला में 40 से स्टॉल लगाए गए। आहर पर्व त्यौहार पर अन्नकूट, दीप माला, गरबा, माता की ज्योति, देव दिवाली, तुलसी विवाह, सुंदरकांड, रामायण की कथा, गाय को चारा सेवा गाय गौशाला में मदद की गई । 1600 से अधिक लोगों को भोजन, कांशिका भोज, भंडारा इत्यादि हर पर्व पर किया गया। अभिभावकों के साथ युगल सिद्धा ऐप में बायोडाटा आदन प्रदान की गई। ई - वेस्ट प्रोजेक्ट दिवाली के समय किया गया।

अध्यक्ष-रेखा लखोटिया * सचिव- सुधा कल्याणी

पश्चिमांचल

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''अपनी संस्कृति अपने जतन''

सभी बहनों द्वारा दीपावली उत्सव धूमधाम से मनाया गया। सभी ने दीपक सजोकर दिवाली उत्सव मनाया एवं तुलसी विवाह किया गया। कार्तिक पूर्णिमा पर दीप दान उत्सव रखा गया। त्योहारों की रौनक बढ़ाने ,एक दूजे संग परिवारों में अपनत्व की भावना जगाने हेतु लेकर ''अपनी संस्कृति अपने जतन'' संदेश देते हुए वीडियो बनाओ प्रतियोगिता रखी गई जिसमें आज के परिवेश में हिंदू सनातन धर्म कई जातियों में विभक्त होकर टूट रहा है। उसे एक सूत्र में पिरोने के लिए सनातन धर्म को जगाने व धर्म की राह नई पीढ़ी को उनकी भाषा में समझाना ही उद्देश्य है जिससे बच्चे हमारी सनातन धर्म के हर इष्ट देव को मानने लगे और हमारे हिंदू सनातन धर्म को प्रचारित करे।

विषय-भाग्य से बड़ा कर्म। मानव सेवा ही ईश्वर सेवा। त्योहारों की रौनक सबके साथ है। जिस घर में बुजुर्ग मुस्कुराते है, जैसे विषय लिए गए ।

महिलाओं द्वारा तीन दिवसीय डांडिया, गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। सरकारी अस्पताल में नवजात कन्या को ड्रेस, खिलौना व माँ को नारियल दिया गया। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्डियोलोजिस्ट डॉ कपिल राठी का सेशन हार्ट अटैक से कैसे बचा जाए ,अटेंड किया। साइबर क्राइम से कैसे बचा जाए कार्यशाला अटेंड की। सरकारी स्कूल की बेटियों को 100 टी शर्ट दी गई । महिलाओं को मतदान के लिए जागरूक किया गया उन्हें अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए कहा गया।

प्रदेश अध्यक्ष मंजुभरड़िया * प्रदेश मंत्री नीलम तापड़िया

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

500 माहेश्वरी बहनों ने एक साथ करवा चौथ माता की पूजा की

जोधपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा बाल शोभागृह में 50 बच्चों को खाना व कपड़े दिए गए। जोधपुर दक्षिणी क्षेत्र द्वारा एक माहेश्वरी बहन को आत्मनिर्भर बनाने हेतु एक सिलाई मशीन दी गई।

गोपाष्टमी पर्व के उपलक्ष में जोधपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गौशाला में जाकर गायों का पूजन कर उन्हें लापसी, चारा व गुड दिया गया । 11000 की राशि गायों की देखभाल के लिए दी गई एवं गायों की पूजा की गई। गायों की सुरक्षा हेतु 80000 की राशि देकर गेट बनवाया। गया गोपाष्टमी के उपलक्ष में बाड़मेर जिला संगठन द्वारा भी गायों की पूजा कर गायों को गुड़ खिलाया गया तथा आंवला नवमी पर आंवले के वृक्ष की पूजा की गई व सत्संग का आयोजन किया गया। जोधपुर शहर पूर्वी संगठन द्वारा 800 विद्वान पंडितों के एक समय की भोजन की व्यवस्था की गई एवं दीप दान किया। क्षेत्र द्वारा करवा चौथ पर्व के उपलक्ष में सामूहिक करवा चौथ उद्यापन का आयोजन किया गया जिसमें 500 माहेश्वरी बहनों ने एक साथ करवा चौथ माता की पूजा की व साथ ही चांद की पूजा करके अपना व्रत खोला।

कार्तिक मास की एकादशी पर उत्तरी क्षेत्र द्वशाक्षरशा एक ब्राह्मण कन्या का विवाह करवाया गया।

''लडो मगर प्यार से '' कार्यशाला का आयोजन

पश्चिमी राज. प्रादे. माहे. महिला संगठन, जोधपुर जिला एवं भव्य माहेश्वरी क्लब के संयुक्त तत्वाधान में आज की ज्वलंत समस्याओं पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला संकल्प एक पहल 1 व 2 अक्टूबर को माहेश्वरी जन उपयोगी भवन रातानाडा जोधपुर में आयोजित की गई । इस कार्यक्रम में अमरावती से ख्यातनाम मोटिवेशनल स्पीकर श्री अनिल जी राठी व दिलीप जी कौशिक द्वारा कार्यशालायें ली गई जिसमें सर्वप्रथम ''लडो मगर प्यार से'' जो कि कपल्स के लिए थी । यह कार्यशाला पति–पत्नी के रिश्तों को टूटने से बचाने वह दांपत्य जीवन में मधुरता कैसे लाएं पर आधारित थी । इस कार्यशाला में करीब 50 कपल्स लाभान्वित हुए । द्वितीय कार्यशाला ''जागो मोहन प्यारे'', ''मैं क्यों नहीं थी'' जो कि आज की युवा पीढ़ी को मोटिवेट कर उनकी छिपी हुई योग्यताओं को बाहर निकाल कर खुद को पहचानने के लिए थी । इस कार्यशाला में 30 से 40 युवा लाभान्वित हुए । तृतीय कार्यशाला ''तेजस्विनी'' जो कि 2 अक्टूबर को थी, बहुत ही शानदार रही यह कार्यशाला 16 से 30 साल तक की युवतियों के लिए थी । इस कार्यशाला में 16 संस्कारों से अवगत कराने के साथ–साथ उनसे जुड़े रहना, अपने धर्म एवं जाति को नहीं छोड़ना, अंतरजातीय विवाह

को नहीं करना एवं अन्य कई महत्वपूर्ण जानकारी को छोटी-छोटी कहानी उदाहरण द्वारा समझाया गया । इस कार्यशाला में भी करीब 40 युवतियों ने भागीदारी निभाई । इन कार्यशालाओ में हमारी नि.अ. श्रीमती आशा जी माहेश्वरी रा.उपा. पश्चिमांचल मधु जी बाहेती व राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री पश्रिचमांचल शिखा जी भदादा तथा संस्कार सिद्दा समिति प्रभारी श्रीमती अंजलि जी तापड़िया की विशेष उपस्थिति रही। प्रदेश में सभी जिला पदाधिकारी व समिति संयजिकाओ के प्रशिक्षण हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन होटल चंद्र इंपिरियल जोधपुर में किया गया । अष्ट सिद्धा समिति की राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती नम्रता जी बिहानी व पश्चिमांचल सह प्रभारी रितु जी मूंदड़ा द्वारा सभी पदाधिकारियो को उनके दायित्व व कर्तव्यों की जानकारी के साथ-साथ रिपोर्टिंग, टीम बिल्डिंग, गोल सेटिंग जैसी मोटिवेशनल टॉपिक्स पर भी जानकारी दी गई ।

जोधपुर पूर्वी क्षेत्र द्वारा नवरात्र में गरबा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया 18 अक्टूबर को भव्य गरबा रास का आयोजन किया गया जिसमें करीब 650 लोगों की शिरकत रही। बाड़मेर जिला निवासी सृष्टि शारदा पुत्री अशोक जी शारदा गुजरात प्रशासनिक सेवा में महिला ग्रुप में फर्स्ट रैंक प्राप्त कर डिप्टी कलेक्टर की पद पर चयनित हुई।

अध्यक्ष-मनीषा मूंदड़ा * सचिव-रीटा बाहेती

मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

पी एस टी प्रशिक्षण अतुल्या का आयोजन व कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न एवं 6 सिलाई मशीनों का वितरण

पी एस टी प्रशिक्षण लिया, हुआ नेतृत्व का ज्ञान इसी ज्ञान से संगठन को बनाएंगे महान

पहुंचेंगे असीम ऊंचाइयां की ओर अपने सदकार्यों से, रोशन करेंगे प्रदेश को

मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वाधान में और जिला सवाई माधोपुर के आतिथ्य में अतुल्या पी एस टी कार्यशाला का आयोजन किया गया। ''सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे भगवान आए हैं'' की तर्ज पर नि.रा.अ. श्रीमती आशा जी माहेश्वरी, प.उपाध्यक्ष श्रीमती मधु जी बाहेती, पश्चि. संयुक्त मंत्री श्रीमती शिखा जी भदादा, अंचल सहप्रभारी श्रीमती ऋतु जी मूंदड़ा और प्रमुख वक्ता श्रीमती सुनीता जी रांधड ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

आशाजी ने अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियो के उत्तरदायित्व, विधान एवं टीम बिल्डिंग पर पश्चि. उपा. ने श्रृंखलाबद्ध संगठन एवं प्रोटोकॉल पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री ने रिपोर्टिंग एवं एक्टिविटी अंचल सहप्रभारी ने समय प्रबंधन और प्रमुख वक्ता ने वक्तव्य कला पर बहुत ही प्रभावशाली प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में 230 बहनों ने अपनी सहभागिता निभाई और संगठन की कार्यशैली को समझा। राष्ट्रीय व प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा सवाई माधोपुर जिले का

भ्रमण भी किया गया व स्थानीय संगठनों को जागरुक किया गया। प्रदेश की बहनों ने रणथम्भौर गणेशजी,बरवाड़ा चौथ माता का सामूहिक भ्रमण कर वन विहार का भी आनंद लिया।

बाल एवं किशोरी विकास समिति अंतर्गत गुड़ टच बेड टच प्रशिक्षण, नवरात्र क्विज, अनुशासन ही है, जीवन का आधार निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई ।देवली की कीर्ति काबरा को भाषण प्रतियोगिता में प्रथम आने पर जिला कलेक्टर द्वारा100000 रुपये की राशि से सम्मानित किया गया।

टोंक में नवरात्र हाट बाजार लगाया गया जिसमें 15 बहनों ने अपनी हस्त निर्मित वस्तुओं के स्टाल लगाए। कबाड़ से जुगाड़ पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित कर वेस्ट वस्तुओं से बेस्ट वस्तुएं बनाना सिखाया गया। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कुचामन में जरूरतमंद बहनों को 6 सिलाई मशीने वितरित की गई जिससे वह अपने स्वयं की आय अर्जन कर सके। मतदाता जागरूकता मेरा मत अमूल्य विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें श्रीमती संजू काबरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रदेश के विभिन्न संगठनों ने शत प्रतिशत मतदाता शपथ समारोह आयोजित किया और मतदान के लिए सभी को जागरूक करने का संकल्प लिया। माहेश्वरियों की घटती जनसंख्या कारण व निवारण प्रतियोगिता आयोजित की गई।

रघुकुल रीत सिद्धा समिति अंतर्गत एडवोकेट शशि जी माहेश्वरी द्वारा वसीयत व भावी जीवन के विभिन्न प्लान योजनाओं के बारे में बताया गया। पति–पत्नी है एक ही गाड़ी के दो पहिए विषय पर चर्चा परिचर्चा का आयोजन भी किया गया। करवा चौथ पूजा वीडियो बनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें श्रीमती अंजू झंवर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दीपावली स्नेह मिलन एवं युवा संगम कार्यक्रम आयोजित कर बाहर निवास कर रहे युवाओं को स्थानीय धारा से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया गया।

संकल्प सिद्धा समिति के अंतर्गत श्रीमती विद्या सोमानी की पुण्य स्मृति में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजगढ़ में सुसज्जित कंप्यूटर लैब हेतु 11 कंप्यूटर सिस्टम, प्रिंटर, सीसीटीवी कैमरे व अन्य सामग्री सोमाणी परिवार द्वारा भेंट की गई। तापड़िया परिवार द्वारा 21000 की राशि विद्यालय विकास हेतु अनुदान दी गई। गोपाष्टमी पर गौशाला में जाकर कुचामन की बहनों ने गायों को वर्ष भर के लिए गोद लिया। राष्ट्रीय संगठन के प्रोजेक्ट ''हर जिला करें दायजे की तैयारी'' के अंतर्गत पहला कदम बढ़ाते हुए परबतसर में जरूरतमंद कन्या के विवाह में 21000 रुपये नगद पायल बिछिया कपड़े बर्तन व अन्य जरूरत का सामान भेंट किया गया।

स्वास्थ्य को अनवरत बनाए रखने हेतु नागौर जिले में रक्तदार शिविर, मालपुरा में डॉ. भारती परतानी के सानिध्य में दंत परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया कुचामन की एक जरूरतमंद बालिका जिसके गर्भाशय में गांठ के ऑपरेशन हेतु 45000 रुपए इंडस हॉस्पिटल जयपुर में जमा कराए गए एवं 5000 स्वास्थ्य लाभ हेतु दिए गए।

प्रदेश अध्यक्ष–शशि लड्ढा * प्रदेश सचिव–मनीषा बागला

महिलाओं के बालों का रहस्य

कभी बाल खुले रखती हैं,
कभी एक चोटी,
कभी दो ,तो कभी जूड़ा,।
इसका कोई गूढ़ रहस्य है,
या यह फैशन से है जुड़ा,?
एक दिन मैंने पत्नी से कारण,
पूछ ही लिया।
कहने लगी,
जब हमारी शादी नही हुई थी,
हम अकेले थे,जैसे दो अलग चोटी ,
फिर शादी हुई एक हुए ,तो एक चोटी।
फिर हम दोनो जूडे के जैसे,
ऐसे मिल गए कि,
अपना सब कुछ ,
एक,दूसरे को दे दिया।
मैने पूछा फिर ये खुले बाल,,,,?
जवाब मिला,एक हो कर भी,
हमारा अपना अलग अस्तित्व है,
ये खुले बाल,हमारे अलग विचार,
अधिकार, वजूद और
शख्सियत का प्रतीक हैं !
जो एक दूसरे के सम्मान से उपजता है!
मैने प्रभावित होकर,माहौल को हल्का
करने के लिए, पूछा और ये जो तुम
बालों में ऊपर रबर बैंड लगा कर खुला
छोड़ देती हो,यह तो भ्रमित करता है,
कि बंधन या आजादी ?
जवाब मिला,एक दूसरे को स्वतंत्रता
तो देनी है,पर पतंग और डोर जैसे,
स्वतंत्रता में भी मर्यादा का अंकुश।
बालों को पहले मर्यादा के रबर बैंड
से बांधा,फिर,स्वछंद छोड़ दिया।!
कैश विन्यास के गूढ़ रहस्य को जान
मैं हतप्रभ हूं।
विस्मित हूं,प्रभावित हूं,और नतमस्तक हूं

बंकिम गांधी

माँ कहलाती है हमारी पहली गुरु

जीवन के प्रथम पल से ही सीखने की यात्रा हो जाती है शुरू
और माँ कहलाती है हमारी पहली गुरु
फिर आरम्भ हो जाता है एक सिलसिला
कुछ न कुछ सीखा हमने हर उस इंसान से
जो भी राह में हमें मिला
क्योंकि ईश्वर ने हर इंसान को कुछ खास देकर भेजा है
उसने अपने इस खास गुण को पूरी तरह सहेजा है
मिलते समय हमें उस व्यक्ति से, उसके विशेष गुण को सीखना है
सबसे कुछ न कुछ सीख कर अपना व्यक्तित्व लिखना है
चाँद का शीतलता बिखराने का जैसे अंदाज़ निराला है
शिक्षक ही है, जो भर देता हर जीवन में उजाला है
केवल स्कूल – कॉलिज में पढ़ाने वाले ही शिक्षक नहीं होते
जीवन के अनुभव भी खिला देते है ज्ञान – सागर में गोते
सीखते रहिये, सिखाते रहिये
सिखाने वालों को सम्मान देते रहिये
सीखने बालों से सम्मान पाते रहिये
संक्रांति पर्व हार्दिक शुभकामनायें

मंजु हरकुट, निवृत्तमान अध्यक्ष पश्चि. उ.प्र.

स्रग्विणी छंद सम मात्रिक

जा रहे लोग तो छोड़ यों गाँव को।
पीपली की सुखों से भरी छाँव को।।
दौड़ से कष्ट भी हो रहा पाँव को।
आँख भी है झुकी छोड़ यों ठाँव को।।
याद कर पाँव को भीगते नैन हैं।
प्यार बिन बीतते दिवस अरु रैन हैं।
कर्म ही मानवों का सही सैन हैं।
अंत तक साथ चलते मधुर बैन हैं।
गाँव में आज भी प्रेम का रंग हैं।
स्वार्थ के समय में भी सभी संग हैं।
भावनाएँ नगर की करें दंग हैं ।
गाँव के हृदय माँही बसे गंग हैं।
गाँव की महक मन को सदा मोहती।
प्रेम से भूमि हर गाँव की सोहती।।
धड़कने पाँव की प्रेम को बोहती।
बाट परदेस में गाँव की जोहती।।
तरु लताएँ सुमन गाँव में बोलते।
झूमकर पवन के संग रस घोलते।।
चहकते विहग पट हृदय का खोलते।
पनघटों के घड़े भेद बन डोलते।।
खेत खलिहान से गाँव का रूप है।
माँ पिता ही यहाँ विश्व के भूप हैं।
मेहनत की सदा सेकते धूप हैं।
नीर मीठा लिए गाँव के कूप हैं।।

विनीता काबरा

(16 मात्रा प्रति पंक्ति
चार चतुष्कल अनिवार्य
121 निषेध पंदात 122 अनिवार्य)

अरिल्ल छंद

मोहन माधव कृष्ण मुरारी।
सुन लो अब तो विनय हमारी।।
मन को मथुरा भ्रमण कराऊं।
दर्शन पाकर प्यास बुझाऊं।।
गोकुल में बचपना निहारूँ।
लीलाधर को हिय बसाऊँ।
वृन्दावन में रास रचाऊँ।
जीवन को शुभ प्रेम सिखाऊँ।।
जीवन में प्रभु भक्ति जगाना ।
चरणों में मम हृदय लगाना।।
साँसें तेरा नाम पुकारे।।
तन-मन हरदम राम उचारे।।
देखें छवि हर ओर तुम्हारी।
सुख से भीगी आँख हमारी।।
ब्रज में बसती कृष्ण कहानी।
रज-रज में है प्रेम निशानी।।
जग को गीता ज्ञान बताया।
जीवन पथ को सुगम बनाया।।
समझा उसको पार लगाया।
लीला में शुभ प्रेम जगाया।।
कान्हा केवल नाम नहीं है।
जीवन का सब सार यहीं है।।
मन से कृष्ण हमें बनना है।
जो बोला सो ही करना है।।

विनीता काबरा

पश्चिमी उ.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन (उत्तरांचल)

प्रभु श्री राम को समर्पित वर्ष में आप सभी का हार्दिक अभिनंदन

मंजू हरकुट, मेरठ
संयुक्त मंत्री (उत्तरांचल)

विनीता राठी, अलीगढ़
राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य

मोनिका माहेश्वरी, मोदीनगर
प्रदेश अध्यक्ष

मनीषा राठी, अतरौली
प्रदेश सचिव

रजनी हरकुट, अलीगढ़
प्रदेश कोषाध्यक्ष

मंजूषा राठी, मुज़फ़्फ़रनगर
सहप्रभारी संकल्प सिद्धा समिति

कांता गगरानी, आगरा
प्रदेश संरक्षिका

संगीता भट्टर, गाज़ियाबाद
प्रदेश संरक्षिका-.

कविता माहेश्वरी, मथुरा
महिला पत्रिका संपा.म. सदस्य

प्रीति मालीवाल, अमरोहा
प्रदेश प्रकल्प प्रमुख

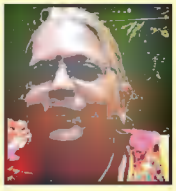

अल्का शक्चि, कासगंज
प्रदेश उपाध्यक्ष

अनामिका माहेश्वरी,मीरापुर
प्रदेश सह सचिव

अल्का माहेश्वरी, मोदीनगर
प्रदेश सह सचिव

श्वेता माहेश्वरी, हापुड़
प्रदेश सह सचिव

भावना राठी, हाथरस
प्रदेश सह सांस्कृतिक मंत्री

नीलम पल्तानी, कासगंज
संस्कार सिद्धा समिति संयो.

योगेश मालीवाल, अमरोहा
कार्य कारिणी सदस्य

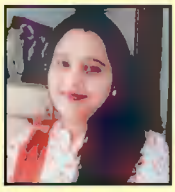

अंजलि माहेश्वरी, छर्रा
कार्य कारिणी सदस्य

रेखा माहेश्वरी, मीरापुर
कार्यकारिणी सदस्य

प्रमिला चोला, अलीगढ़
कार्यकारिणी सदस्य

कुमकुम काबरा,बरेली
कार्यकारिणी सदस्य

पूर्वी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

कौशलेंद्रम की सफलता पर बधाई

पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505
दिनांक 29/04/2002
पोस्ट पंजीयन क्र. 536

पोस्ट दिनांक

प्रेषक :

माहेश्वरी महिला

22/15, यशवंत निवास रोड इन्दौर (म.प्र.)

प्रकाशक एवं व्यवस्थापक–श्रीमती सुशीला काबरा, माहेश्वरी महिला समिति 22/15 यशवंत निवास रोड, इन्दौर से प्रकाशित एवं अप्सरा फाईन आर्ट प्रिंटर्स, 89, एम.जी. रोड, इन्दौर 2434147 से मुद्रित।